फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 37 प्रभात जयपुर, सोमवार 7 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Slap That Changed Indian History

Nawab Siraj-ud-Daulah demanded a massive tribute of Rs. 3 crores from Jagat Seth Mehtab Chand, when the banker refused, Siraj-ud-Daulah slapped him in open court in front of his packed assembly

Giant Tortoises Roam Floreana Once Again

भू-स्खलन से तीस्ता नदी का प्रवाह प्रभावित हुआ

गंगटेक, 06 सितंबर। उत्तर सिक्किम के मंगन जिले में शनिवार देर रात से रविवार सुबह के बीच हुए बड़े भूस्खलन से तीस्ता और च्याकोङ नदियों का प्रवाह प्रभावित हुआ है।

भूस्खलन नागा वन क्षेत्र में नए नागा-तौंसा मार्ग की सड़क कटिंग के

- **किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है।**

ऊपर, थेंग सुरंग के सामने च्याकोङ नदी के ऊपरी हिस्से में हुआ। यह स्थान ओसी भीर के सामने तीस्ता और च्याकोङ नदियों के संगम के पास स्थित है।

भूस्खलन के कारण पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे आ गया, जिससे दोनों नदियों के प्रवाह में आंशिक रुकावट पैदा हुई। कुछ समय के लिए तीस्ता नदी का प्रवाह भी प्रभावित हुआ।

हालांकि, फिलहाल तीस्ता का पानी सामान्य रूप से बह रहा है। भूस्खलन के बाद तीस्ता और च्याकोङ दोनों नदियों में पानी जमा हुआ है, लेकिन दोनों का प्रवाह पूरी तरह बंद नहीं हुआ है।

अब तक किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। भूस्खलन से संपत्ति को कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन किया जा रहा है। प्रशासन की ओर से मौके की स्थिति और

(शेष पृष्ठ 6 पर)

यूएन के नए ग्लोबल मैप में जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के भ्रामक चित्रण पर एतराज

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत के क्षेत्रों को देश के अधिकारिक मानचित्र के अनुसार दर्शाया जाना चाहिए

नई दिल्ली, 06 सितंबर। भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के समान क्षेत्रफल वाले ग्लोबल मैप के समर्थन में मतदान तो किया है, लेकिन इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह प्रस्ताव किसी विशेष मानचित्र का समर्थन नहीं करता है और भारत के संप्रभु क्षेत्र को उसके आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दर्शाया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह प्रस्ताव किसी विशेष विश्व मानचित्र को न तो अपनाता है और न ही उसे प्रमाणित करता है और न ही इसमें अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, विवादित क्षेत्रों या स्थानों के नामों सहित राजनीतिक मानचित्रकला पर कोई चर्चा की गई है।

फिर भी भारत ने अपने मत की व्याख्या का इस्तेमाल जम्मू और कश्मीर और लद्दाख पर अपनी स्थिति को दोहराने के लिए किया।

- **भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 4 सितम्बर के प्रस्ताव का समर्थन किया था। इस प्रस्ताव में ऐसे समान क्षेत्र वाले मानचित्रों के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया है, जो महाद्वीपों से वास्तविक और तुलनात्मक आकार को सही रूप में दर्शाते हैं।**

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार,"जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों सहित भारत के संप्रभु क्षेत्र को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दर्शाया जाना चाहिए। किसी भी प्रकार का गलत या भ्रामक चित्रण अस्वीकार्य है। भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमारा रुख स्पष्ट, सुसंगत और अपरिवर्तनीय है।"

यह प्रस्ताव 164 मतों के भारी समर्थन से पारित हुआ, जबकि इसके विरोध में केवल एक मत पड़ा।

पुराने मर्केटर प्रोजेक्शन (जिसे 1569 में बनाया गया था) में ध्रुवों के पास के हिस्से बड़े दिखते थे, जिससे यूरोप और उत्तरी अमेरिका बड़े व अफ्रीका छोटा नजर आता था। नए समान क्षेत्रफल वाले नक्शे (जैसे एकर्ट फोर या इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन) में अफ्रीका का वास्तविक और बड़ा आकार सही अनुपात में दिखेगा।

भारत ने प्रस्ताव का समर्थन तो किया है, लेकिन साथ ही यह स्पष्ट किया है कि देश की संप्रभुता और जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के चित्रण पर उसका रुख पहले जैसा सख्त और स्पष्ट रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र का यह फैसला कानूनी रूप से बाध्य नहीं है, यानी यह किसी देश, स्कूल या टेक कंपनी को पुराना नक्शा तुरंत हटाने के लिए मजबूर नहीं करता।

लंदन जा रही फ्लाइट की बैंगलुरु में इमरजैंसी लैंडिंग

बेंगलुरु, 06 सितंबर। बेंगलुरु के कैम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया, जब लंदन जा रही वर्जिन अटलांटिक की एक उड़ान को उड़ान भरने के तुरंत बाद तकनीकी खराबी के कारण इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी।

बैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के आधिकारिक सूत्रों के

- **वर्जिन अटलांटिक के बोइंग विमान में सवार सभी 270 यात्री व क्रू मैंबर सुरक्षित हैं।**

अनुसार, बोइंग विमान में सवार सभी 270 यात्री और क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं।

दरअसल, वर्जिन अटलांटिक की फ्लाइट सुबह करीब 8:20 बजे बेंगलुरु से लंदन के लिए टेकऑफ किया था। हवा में उठते ही चालक दल को विमान में किसी तकनीकी गड़बड़ी का अहसास हुआ।

सुरक्षा के मद्देनजर पायलटों ने बिना देर किए एहतियाती कदम उठाए और विमान का रुख वापस हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया। लैंडिंग के लिए सुरक्षित परिस्थितियां बनाने और मानक प्रोटोकॉल का पालन करने के उद्देश्य से विमान ने बेंगलुरु लौटने से पहले पास के तुमकुरु क्षेत्र के ऊपर आधे घंटे से

(शेष पृष्ठ 6 पर)

बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर 17 करोड़ रूपए का सोना पकड़ा

नादिया जिले की हलदारापारा बॉर्डर आउटपोस्ट पर एक बांग्लादेशी नागरिक के पास तलाशी में यह बरामदगी हुई

कोलकाता, 06 सितंबर। भारत और बांग्लादेश की सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने तस्करी के खिलाफ एक बेहद बड़ी और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर मुस्तैद जवानों ने गश्त के दौरान एक बांग्लादेशी नागरिक को भारी मात्रा में सोने के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी सोने की एक बड़ी खेप को भारतीय सीमा के भीतर पहुंचाने की फिराक में था।

बीएसएफ अधिकारियों द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम नादिया जिले के हलदारपारा बॉर्डर आउटपोस्ट के पास यह पूरी कार्रवाई की गई। इस इलाके की सुरक्षा की जिम्मेदारी बीएसएफकी 32वीं बटालियन के पास है। तलाशी में बांग्लादेशी नागरिक के पास से कुल 89 सोने के बिस्किट बरामद किए गए, जिसका वजन 11.28 किलोग्राम से अधिक निकला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में

- **बांग्लादेशी नागरिक के पास 11.28 किलो के 89 सोने के बिस्किट पकड़े गए, जिसकी अनुमानित कीमत 17.28 करोड़ रूपए है। डीआरआई जाँच कर रही है कि इतनी बड़ी खेप भारत में किस सिंडीकेट के पास जा रही थी।**

इस जब्त सोने की कुल अनुमानित कीमत करीब 17.40 करोड़ रुपये बताई जा रही है। सोने की इतनी बड़ी खेप बरामद होने के बाद बीएसएफके अधिकारियों और जवानों ने तुरंत उस बांग्लादेशी नागरिक को अपनी कस्टडी में ले लिया और सोने के बिस्किट राजस्व गुप्तचर निदेशालय को सौंप दिए।

निदेशालय की टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सोने की इतनी बड़ी खेप को भारत में किस सिंडिकेट तक पहुंचाया जाना था और इसके पीछे कौन-कौन से बड़े तस्कर शामिल हैं।

चेन्नई में टी.वी.के. नेता की हत्या

चेन्नई, 06 सितंबर। तमिलनाडु के चेन्नई में एक शख्स की हत्या का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक मृतक ने हाल ही में सत्ताधारी टीवीके पार्टी जॉइन की थी। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि छह लोगों के गैंग ने कन्नन पर हमला कर दिया। पूरी घटना चेन्नई के वन्नदुरई इलाके की है। कन्नन की हत्या के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उसके शव को कब्जे में

(शेष पृष्ठ 6 पर)

जेएनयू के प्रोफेसर के खिलाफ 10 छात्र-छात्राओं ने यौन उत्पीड़न की शिकायतें कीं

विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति गहनता से जाँच कर रही है, अभी तक पुलिस में एफआईआर नहीं

नई दिल्ली, 06 सितंबर। राजधानी दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) एक बार फिर गंभीर विवादों के घेरे में है। विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर पर कई छात्र-छात्राओं ने यौन उत्पीड़न के बेहद संगीन आरोप लगाए हैं। मामला सामने आने के बाद से ही पूरे कैंपस में हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल, विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक महीने पहले आईसीसी को कम से कम 10 छात्र-छात्राओं की ओर से प्रोफेसर के खिलाफ लिखित शिकायतें मिली थीं। इन

- **दस शिकायतें दर्ज होने के बाद कई सीनियर छात्रों ने भी इसी तरह के आरोपों के साथ लिखित शिकायतें समिति को दीं।**
- **विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अभी तक कोई अधिकारित प्रतिक्रिया या बयान नहीं आया।**

शिकायतों में प्रोफेसर पर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए गए हैं।

छात्रों का मुख्य आरोप है कि प्रोफेसर उन्हें अक्सर किसी मुलाकात या सभा (मीटिंग) के बहाने कैंपस में ही स्थित अपने सरकारी आवास पर बुलाते थे। आरोप है कि यहां वे उनके साथ यौन दुर्व्यवहार करने की कोशिश करते थे।

कुछ अन्य शिकायतों में यह भी दावा किया गया है कि प्रोफेसर का रवैया कक्षाओं के दौरान भी अमर्यादित रहता था और वे छात्र-छात्राओं पर अश्लील और अनुचित टिप्पणियां करते थे।

शुरुआती 10 शिकायतें के दर्ज होने के बाद, मामले ने और ज्यादा तूल

(शेष पृष्ठ 6 पर)

मोबाइल टावर लगाने के नाम पर ठगी करने वाला पंजाब से गिरफ्तार

जयपुर, 06 सितंबर। सोशल मीडिया पर मोबाइल टावर लगाने का विज्ञापन देकर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने वाले शातिर आरोपी को मुरलीपुरा थाना पुलिस ने पंजाब से गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों को टावर लगाने के बदले मोटा किराया

- **आरोपी सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर टावर लगाने के बाद मोटा किराया दिलाने के नाम पर ठगता था।**

मिलने का झांसा देता था। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को सुनाम-संगरूर (पंजाब) से पकड़ा।

डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि सोशल मीडिया पर मोबाइल टावर लगाने का विज्ञापन देकर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने वाले शातिर

(शेष पृष्ठ 6 पर)

दिल्ली में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी, 5 छात्रों की मौत

पचास साल पुराने भवन में हॉस्टल चलता था व करीब 50 छात्र बिल्डिंग में मौजूद थे

नई दिल्ली, 06 सितंबर। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 5 छात्रों की मौत हो गई और 5 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। नौ छात्रों को बचा लिया गया है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडैंट रहते थे। हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे।

बिल्डिंग के मालिक का नाम आनंद बंसल है, जो गुरुग्राम में रहता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घटना दोपहर 1:30 बजे की है। मलबे में कुछ गाड़ियां भी दब गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे के बगल

- **माना जा रहा है कि रविवार होने के कारण अधिकांश छात्र हॉस्टल में मौजूद थे।**
- **पास वाली बिल्डिंग भी गिरने की स्थिति में है। प्रशासन ने लोगों को निकाल कर इसे खाली करा लिया है।**

में एक और बिल्डिंग गिरने की हालत में है, इसलिए लोगों को वहां से निकाल लिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने हादसे पर दुख जताया है।

इस दर्दनाक हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। तीन लोगों की मौत की पुष्टि के बाद, प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल (एक्स) पर दुख जताते हुए लिखा, जिन लोगों ने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता घटनास्थल का मुआयना करने के बाद एम्स के ट्रांमा सेंटर गईं और घायलों का हाल जाना। सीएम ने कहा कि हादसे के पीछे जो भी दोषी पाया जाएगा उसे बख्शा नहीं जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री, दिल्ली के पुलिस कमिश्नर और एनडीआरएफ के डायरेक्टर जनरल से बात कर जमीनी हालात का जायजा लिया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ मिलकर तेजी से बचाव कार्य कर रहे हैं। घायलों को हर जरूरी मेडिकल मदद दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एहतियात के तौर पर बगल की इमारत को खाली करा लिया गया है। फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने और प्रभावित परिवारों को तुरंत मदद पहुंचाने की हरसंभव कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालात पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।

निर्माणाधीन बिल्डिंग से कूद कर युवक ने जान दी

जयपुर, 06 सितंबर। मानसरोवर थाना इलाके में निर्माणाधीन बिल्डिंग की 13वीं मंजिल से छलांग लगाकर 25 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली। उसका शव शुक्रवार रात बिल्डिंग के पास लहूलुहान हालत में मिला। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी सतीश चंद ने बताया कि सोडाला के रामनगर विस्तार निवासी गौरव शर्मा (25), पुत्र अरुण शर्मा, 4 सितंबर की देर शाम करीब 7 बजे घर से पैदल निकला था। वह घर से करीब

- **युवक सीतापुरा में एक आईटी कंपनी में काम करता था। मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला।**

तीन किलोमीटर दूर मानसरोवर में गंगा-जमुना पेट्रोल पंप के पास स्थित निर्माणाधीन बिल्डिंग में गया। पुलिस जांच में सामने आया कि गौरव सीढ़ियों के बंद रास्ते को कूदकर बिल्डिंग के अंदर गया और 13वीं मंजिल की छत से छलांग लगा दी।

बिल्डिंग के पास रात करीब 9 बजे गौरव का शव लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। सूचना पर मानसरोवर थाना

(शेष पृष्ठ 6 पर)

सांगानेर में लग्ज़री गाड़ी चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर, 06 सितंबर। जयपुर में स्कॉर्पियो सहित लग्ज़री वाहनों की चोरी करने वाले शातिर अंतर्राज्यीय वाहन चोर को मालपुरा गेट थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी अमोल उर्फ मनर उर्फ मनोहरी (42) निवासी सलेमपुर जिला दौसा को

- **गुरुग्राम की जेल में बंद आरोपी पर 30 से अधिक मामले दर्ज हैं।**

गुरुग्राम की भोंडसी जेल से प्रोडक्शन वारंट पर जयपुर लाकर गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने चोरी की स्कॉर्पियो कार दौसा के भांडारेज से लावारिस हालत में बरामद की है।

आरोपी के खिलाफ कुल मिलाकर

(शेष पृष्ठ 6 पर)

ए.आई. सर्वप्रथम किसी भी कंपनी के बार-बार दोहराने वाले (रैपिटेटिव) काम ''टेक ओवर'' करती है

यह काम पहले ''एंट्री लैवल'' के नवनियुक्त युवा करते थे तथा यह सीख कर ''कैरियर की सीढ़ी'' पर आगे बढ़ते थे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। लाखों मध्यमवर्गीय भारतीयों के लिए पहली नौकरी का मतलब हमेशा केवल वेतन नहीं रहा है। पहली नौकरी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का पहला अनुभव होती है।

यह जानने का पहला मौका होता है कि किसी कार्यालय में काम कैसे होता है और यह बेहतर पद, अधिक वेतन और अंततः बेहतर जीवन की ओर बढ़ने का पहला कदम होती है।

लेकिन अगर यह पहला कदम ही गायब होने लगे तो क्या होगा?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता उन दोहराए जाने वाले कामों को तेजी से अपने हाथ में ले रही है, जो पहले नए स्नातकों और कनिष्ठ कर्मचारियों को दिए जाते थे। इससे यह सवाल और बड़ा हो गया है कि क्या एआई नौकरियां खत्म कर देगा। अगर युवाओं को शुरुआती स्तर की नौकरियां ही नहीं मिलेंगी, तो वे काम सीखेंगे कहां से?

एआई करियर की पहली सीढ़ी हटा सकता है

करियर की पारंपरिक सीढ़ी सरल थी। एक नया कर्मचारी कंपनी में शामिल होता था, नियमित काम संभालता था, वरिष्ठों से सीखता था और धीरे-धीरे बड़ी जिम्मेदारियां लेने लगता था।

एआई इस व्यवस्था को बदल रहा है। टैलेंटिफाई-एक्स के संस्थापक और सीईओ चेतन मंगलवेडे ने कहा, एआई मध्यमवर्गीय करियर की सीढ़ी की पहली पायदान को हटा रहा है।

नए कर्मचारी से अपेक्षित कौशल भी बदल रहे हैं। मंगलवेडे ने कहा, ''अब शुरुआती स्तर के कर्मचारी को यह पता होना चाहिए कि एआई की निगरानी कैसे

- **अब ऑर्टिफिशल इंटैलिजैंस द्वारा यह जिम्मेवारी संभाल लेने से रोजगार तलाश रहे युवाओं से ये ''एंट्री लैवल जॉब'' छिन रहे हैं।**
- **अगर ''एंट्री'' ही नहीं हो पाई तो आगे रोजगार की क्या बात की जाए।**
- **यह एक काल्पनिक आशंका व भय नहीं है, वरन ''एंट्री लैवल जॉब्स'' की वास्तविक स्थिति है।**

करनी है, उसकी गलतियों को कैसे पकड़ना है, सही निर्णय कैसे लेना है और ग्राहक को कैसे समझना है।''

अगर कंपनियां नियमित काम के लिए कनिष्ठ कर्मचारियों को रखना बंद कर देती हैं, तो वे आज अपनी लागत कम कर सकती हैं। लेकिन इसका नतीजा यह हो सकता है कि भविष्य में उनके पास अनुभवी कर्मचारियों की संख्या कम हो जाए।

मैस्टेक के सीएचआरओ और जनरल काउंसल विमल डांगरी का मानना है कि इसका समाधान केवल पुरानी नौकरियों को बचाना नहीं है। कंपनियों को इन नौकरियों की भूमिका नए तरीके से तय करना पड़ सकता है।

उन्होंने एनडीटीवी से कहा, ''एआई केवल शुरुआती स्तर की नौकरियों की जगह नहीं ले रहा है; यह करियर की पूरी सीढ़ी की बुनियाद को बदल रहा है।'' भविष्य में शुरुआती स्तर की नौकरियों में बार-बार किए जाने वाले कामों के बजाय समस्या का समाधान करने, सही निर्णय लेने, मिलकर काम करने और लगातार सीखते रहने पर अधिक ध्यान दिया जा सकता है।

एआई एंड बियॉन्ड की सह-संस्थापक और सीईओ जसप्रीत बिंद्रा ने कहा कि सफल वे लोग होंगे जो तकनीक का इस्तेमाल करना जानते हों, लेकिन उस पर आंख मूंदकर निर्भर न हों। उन्होंने कहा, असल चुनौती यह नहीं है कि एआई लोगों की जगह ले रहा है, बल्कि यह है कि जो लोग खुद को बदल नहीं पाए, वे पीछे छूट सकते हैं।

इस कहानी का एक दूसरा पहलू भी है

ऑ इंफोसिस लिमिटेड की एंटरप्राइज आर्किटेक्चर, एआई और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन विशेषज्ञ तृप्ति रायकर ने कहा कि आखिरकार एआई कनिष्ठ स्तर की नौकरियों को अधिक सार्थक बना सकता है। तृप्ति ने एनडीटीवी से कहा, जब मशीनें दोहराए जाने वाले काम संभाल लेंगी, तो युवा कर्मचारी नवाचार, डिजाइन और निर्णय लेने के काम में जल्दी आगे बढ़ सकते हैं।

लेकिन इसमें एक समस्या है। निर्णय लेने में अच्छा बनने के लिए पहले

(शेष पृष्ठ 6 पर)

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

असहमति से इतना डर क्यों?

किसी बात से सहमत होना बहुत आसान होता है, असहमत होना थोड़ा कठिन और असहमति को सह पाना शायद उससे भी अधिक कठिन। पिछले दिनों अभिनेत्री स्वरा भास्कर के एक बयान पर मचे विवाद ने एक बार फिर इस सवाल को हमारे सामने ला खड़ा किया है कि आखिर हम वैचारिक असहमति के साथ कैसा बर्ताव करते हैं।

31 अगस्त 2026 को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'वुमन, लाइफ, फ्रीडम' विषय पर बोलते हुए स्वरा भास्कर ने संजय लीला भंसाली की फिल्मपद्मावतके जौहर दृश्य का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि फिल्म देखते हुए उनके मन में यह सवाल आया कि यदि वे स्वयं बलात्कार की पीड़िता होतीं तो इस दृश्य को देखकर उन्हें ऐसा महसूस हो सकता था मानो उन्होंने अपनी 'इज्जत' बचाने के लिए आत्महत्या न करके कोई कायरता की हो। उन्होंने सवाल किया–क्या हम बलात्कार से बची हुई स्त्रियों को यह संदेश देना चाहते हैं कि वे जीने की अधिकारी नहीं हैं? क्या बलात्कार किसी स्त्री के जीवन का अंत है?

इस कथन से असहमत होने के अनेक कारण हो सकते हैं। मसलन, कोई कह सकता है कि जौहर को आज की स्त्री के अनुभवों के चश्मे से नहीं, उसके ऐतिहासिक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। कोई यह भी कह सकता है कि स्वरा ने उस दृश्य की व्याख्या करते हुए इतिहास और सिनेमा की जटिलताओं को बहुत सरल बना दिया। यह भी कहा जा सकता है कि उन्हें ऐसा बयान देना ही नहीं चाहिए था। इन सभी तर्कों पर बहस होनी चाहिए और खूब होनी चाहिए। लेकिन हुआ क्या?

उनके कथन के एक अंश को लेकर यह प्रचारित होने लगा कि उन्होंने रानी पद्मावती और जौहर करने वाली स्त्रियों को 'कायर' कहा है। स्वरा ने स्पष्टीकरण दिया कि उन्होंने ऐसा नहीं कहा था। 'कायर' शब्द का इस्तेमाल उन्होंने एक काल्पनिक स्थिति में अपने लिए किया था–यह बताते हुए कि यदि कोई बलात्कार–पीड़िता फिल्म के संदेश को इस तरह ग्रहण करे तो वह स्वयं को कायर महसूस कर सकती है। उनकीइस सफाई को लगभग अनसुना किया गया। इसीलिए उनको कहना पड़ा कि उनके कथन को गलत ढंग से प्रस्तुत किया गया।

यहाँ ठहरकर हमें एक बहुत साधारण–सा सवाल पूछना चाहिए–किसी के विचार से असहमत होने के लिए क्या पहले उसे ठीक–ठीक समझना जरूरी नहीं है?और यदि वह विचार हमें गलत लगता है, तो उसका जवाब तर्क और प्रमाणों से देना चाहिए या उस व्यक्ति को गाली देकर?

मेरी असल चिंता स्वरा भास्कर के बयान को लेकर नहीं है। वे सही हैं या गलत, यह बहस का विषय है और रहना चाहिए। किसी भी विचार से सारे लोग कभी सहमत हो ही नहीं सकते। असहमति तो रहेगी ही। मेरी चिंता उस तेजी से बदलते सार्वजनिक वातावरण की है जिसमें विचार पर प्रतिक्रिया देने के बजाय व्यक्ति पर हमला करना आम और आसान होता जा रहा है। तर्क में मेहनत लगती है, गाली देने में नहीं। हम धीरे–धीरे एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो चाहिए, लेकिन केवल अपनी पसंद की अभिव्यक्ति की। अपनी बात कहने का अधिकार हमें मौलिक और स्वाभाविक लगता है, दूसरे की बात सुनना–विशेषकर वह बात जो हमें नागवार गुजरती हो–असहनीय। शायद लोकतंत्र की असली परीक्षा यहीं होती है। जब कोई हमारी बात दोहराता है तब नहीं, बल्कि तब जब कोई हमारे विश्वास, हमारी मान्यताओं और हमारी भावनाओं के ठीक उलट कुछ कहता है। क्या हम उस समय भी उसे बोलने देंगे और उसके जवाब में अपने तर्क रखेंगे?क्योंकि असहमति लोकतंत्र की समस्या नहीं है। समस्या तो असहमति को सहन न कर पाना है।

मैं बहुत तकलीफ के साथ यह देख रहा हूँ कि हाल के समय में हमारे यहाँ असहमति को देशद्रोह या संस्कृति–विरोध की तरह परोसा जाने लगा है। हम किसी ऐसी बात का, जिससे हमारी सहमति नहीं होती, उत्तर तर्क और प्रमाण से देने के बजाय संबंधित व्यक्ति को ही गलत साबित करने लगते हैं। सोशल मीडिया पर तो कई बार ऐसा लगता है जैसे भीड़ ने सजा देने का अधिकार भी अपने हाथों में ले लिया है। मैं बहुत बार सोचता हूँ–अगर मैं किसी बात से सहमत नहीं हूँ और अपनी असहमति को गाली के रूप में व्यक्त करता हूँ, तो कहीं यह मेरी तर्कहीनता की परिणति तो नहीं है? अगर मेरे पास तर्क होता तो मैं गाली देता ही क्यों?

> **किसी समाज की ताकत इस बात में नहीं है कि वहाँ सब एक जैसा सोचते हैं। उसकी ताकत इस बात में है कि वहाँ अलग-अलग सोचने वाले लोग एक-दूसरे को सुन सकते हैं। इसलिए सवाल स्वरा भास्कर का नहीं है। सवाल जौहर का भी नहीं है। सवाल इससे कहीं बड़ा है-क्या हम असहमति के साथ रहना सीख सकते हैं?**

मुझे गलत समझ लिया जाए, उससे पहले मैं बहुत साफ शब्दों में यह कह देना चाहता हूँ कि मेरा यह लेख न तो स्वरा भास्कर के बयान के पक्ष में है, न उसके विरोध में। मेरा बहुत स्पष्ट मत है कि जिन्हें उनका बयान नहीं रुचा, उन्हें उसकी आलोचना करने, उसका खंडन करने और तस्वीर का दूसरा पहलू सामने रखने का पूरा हक है। हाँ, इतनी सावधानी जरूर बरती जानी चाहिए कि बयान को उसकी समठाता में देखा जाए और यदि बयान देने वाले ने कोई स्पष्टीकरण दिया है तो उसे भी मद्देनजर रखा जाए।

मान लीजिए, इन सब सावधानियों के बाद भी किसी को उनका बयान गलत लगता है। तो यह बात निस्संकोच कही जानी चाहिए। तर्क के साथ कही जानी चाहिए। यही तो अभिव्यक्ति की आजादी है। लेकिन इस आजादी का दुरुपयोग किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता। यहाँ दुरुपयोग से मेरा आशय अभद्र भाषा और व्यक्तिगत लांछनों से है। हम बहुत जल्दी 'तुम्हारी बात गलत है' के बजाय 'तुम घटिया हो' कहने लग जाते हैं। शायद ऐसा इसलिए होता है कि व्यक्ति को खारिज करना आसान होता है, विचार को खारिज करना कठिन होता है, और कहना अनावश्यक है कि अगर हमारे निशाने पर कोई स्त्री हो तो हम ऐसा करने में कुछ अधिक ही उत्साही हो जाते हैं। इसी तरह जिस विचारधारा को हम नापसंद करते हैं, उसे भी बहुत बार बिना औचित्य के अपनी कटु आलोचना का शिकार बना बैठते हैं।

यहाँ यह सवाल उठाना भी प्रासंगिक होगा कि आखिर अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब क्या है? क्या यह आजादी असीमित और नियंत्रणहीन होती है? मेरे मन में बहुत सारी बातें आती हैं–क्या मुझे उनमें से हर बात को सार्वजनिक रूप से कह ही देना चाहिए? क्या अपनी बात कहते हुए मुझे दूसरों की भावनाओं की तनिक भी चिंता नहीं करनी चाहिए? जरूरी नहीं कि हर वह बात, जिस पर मैं विश्वास करता हूँ, सार्वजनिक रूप से कहूँ ही। मैं उसे अपने तक भी रख सकता हूँ। और यह बात किसी एक पक्ष पर ही लागू नहीं होती। जो मेरी बात से असहमत हैं, उनकी अभिव्यक्ति की आजादी भी असीमित नहीं हो सकती। उन्हें भी मर्यादा में रहकर अपनी बात कहनी चाहिए।

यहीं साहित्य की दुनिया की बात भी की जा सकती है। असल में साहित्य का तो एक आधार ही असहमति है। समर्थ साहित्यकार अपनी असहमति को अभिव्यक्त करता है, लेकिन वह अपने विरोधी को गाली नहीं देता है और न ही उसका चरित्र–हनन करता है। हिंदी साहित्य में इसके अनेक सुंदर उदाहरण मिलते हैं। भगवतीचरण वर्मा नेअपने उपन्यास 'टेढ़े–मेढ़े रास्ते' में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के भीतर मौजूद विभिन्न विचारधाराओं को अपने ढंग से देखा और प्रस्तुत किया। रांगेय राघव उनकी इस दृष्टि से सहमत नहीं थे। उन्होंने अपनी वैचारिक असहमति को 'सीधा–सादा रास्ता' जैसे उपन्यास के माध्यम से सामने रखा। यानी एक लेखक ने दूसरे लेखक के विचार का उत्तर अपने विचार से दिया–गाली से नहीं, साहित्य से। इसी तरह प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानीपंच परमेश्वरके जवाब में रांगेय राघव ने इसी नाम से एक कहानी लिखी थी–यह भी साहित्य में रचनात्मक असहमति का एक दिलचस्प उदाहरण है। साहित्य की बड़ी दुनिया से ऐसे अनेक उदाहरण याद किए जा सकते हैं।

बात बहुत सीधी है–जिसके पास तर्क होते हैं, वह तर्क की बात करता है; जिसके पास तर्क नहीं होते, वह बहुत जल्दी व्यक्ति पर उतर आता है।

आज जौहर को लेकर जो विवाद चल रहा है और जिस रूप में चल रहा है, वह मुझे व्यथित भी करता है और चिंतित भी। मैं इसे इस रूप में देखता हूँ कि किसी भी समाज की परिपक्वता का परिचय इस बात से मिलता है कि वह अपने से भिन्न तरह से सोचने वालों के साथ कैसा बर्ताव करता है। इस कसौटी पर देखें तो हमारे समाज की बहुत अच्छी तस्वीर नहीं उभरती। हमें विचार करना होगा कि आखिर हम असहमति से इतना डरते क्यों हैं? क्यों असहमति को पचाने के मामले में हमारी पाचन–शक्ति इतनी कमजोर है? क्यों हमें शब्द के बजाय गाली का इस्तेमाल अधिक रुचिकर लगता है?

शायद इसलिए कि असहमति हमें केवल दूसरे की बात से नहीं, अपने भीतर की असुरक्षा से भी सामना कराती है। दूसरे का अलग सोचना हमारे विश्वास को चुनौती देता है और तब सबसे आसान रास्ता होता है–उसकी बात का जवाब देने के बजाय उसे ही चुप करा देना। लेकिन लोकतंत्र में असहमति को चुप कराना समाधान नहीं है। असहमति को सुनना, समझना और फिर उससे असहमत होना ही लोकतांत्रिक संस्कार है।

किसी समाज की ताकत इस बात में नहीं है कि वहाँ सब एक जैसा सोचते हैं। उसकी ताकत इस बात में है कि वहाँ अलग–अलग सोचने वाले लोग एक–दूसरे को सुन सकते हैं। इसलिए सवाल स्वरा भास्कर का नहीं है। सवाल जौहर का भी नहीं है। सवाल इससे कहीं बड़ा है–क्या हम असहमति के साथ रहना सीख सकते हैं?

और शायद इससे भी बड़ा सवाल यह है–क्या हम असहमति से डरना बंद कर सकते हैं?

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

क्या राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बाद शिक्षण संस्थानों में भारतीय संस्कृति झलकती है?

प्रोफेसर अशोक कुमार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में एक बहुत सुंदर बात कही गई है–भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय संस्कृति को फिर से ज़िंदा करना। यह बात सुनने और पढ़ने में जितनी अच्छी लगती है, ज़मीनी हकीकत में उतनी ही उलझी हुई है। किसी भी शिक्षा नीति की कामयाबी इस बात से तय नहीं होती कि उसने किताबों में वेद, उपनिषद या प्राचीन इतिहास के कितने पन्ने जोड़े हैं। असली सवाल तो यह है कि क्या यह संस्कृति हमारे शिक्षण संस्थानों के दैनिक माहौल, शिक्षकों और छात्रों के व्यवहार और आपसी रिश्तों में उतर पा रही है?

भारतीय संस्कृति केवल जानकारी जुटाने का नाम नहीं है, यह तो संस्कारों और हमारे आचरण से तय होती है। अगर किसी शिक्षण संस्थान में प्राचीन श्लोक तो खूब रटवाए जा रहे हों, लेकिन वहाँ का माहौल राजनीति, गुटबाजी, आपसी जलन–तनातनी से भरा हो, तो क्या हम इसे संस्कृति कहेंगे? बिल्कुल नहीं। यह संस्कृति का पुनरुद्धार नहीं, बल्कि सिर्फ एक दिखावा है। संस्कृति तब ज़िंदा मानी जाती है जब वह हमारे स्वभाव में झलके, न कि केवल परीक्षा की कॉपियों और डिग्रियों में। आजकल कई जगहों पर ऐसा लगता है मानो संस्कृति का मतलब कुछ प्रतीकों तक सिमट गया है–कार्यक्रमों में पारंपरिक कपड़े पहन लेना, दीवारों पर अच्छे विचार लिखवा देना या सभा में खड़े होकर राष्ट्रगान गा लेना। राष्ट्रगान का सम्मान अपनी जगह बिल्कुल सही और ज़रूरी है, लेकिन अगर सभा खत्म होते ही कोई छात्र अपने शिक्षक से अभद्रता करने लगे, या कोई शिक्षक कक्षा में पढ़ाने के प्रति पूरी तरह बेपरवाह रहे, तो फिर उस औपचारिकता का क्या मोल रह जाता है?

संस्कृति किसी बाहरी रीति–रिवाज़ या भाषण का नाम नहीं है। यह इस बात में दिखती है कि हम एक–दूसरे से बात कैसे करते हैं, एक–दूसरे का कितना सम्मान करते हैं। जब तक हमारे शिक्षण संस्थानों का आम व्यवहार इन मूल्यों से नहीं जुड़ेगा, तब तक बड़े–बड़े नियम केवल फाइलों में ही बंद रह जाएंगे। हमारी परंपरा में गुरु और शिष्य का रिश्ता कभी डर, दबाव या सिर्फ हुक्म चलाने का नहीं रहा। उपनिषदों की शांति प्रार्थना हमें सिखाती है:–"सह नाववतु, सह नौ भुनक्तु, सह वीर्यं करवावहै" (हम दोनों–गुरु और शिष्य–साथ मिलकर सुरक्षित रहें, साथ–साथ ज्ञान बाँटें और साथ मिलकर समर्थ बनें)।

गुरु का शिष्य के प्रति प्यार और आदर: गुरु केवल वह नहीं होता जो सिलेबस खत्म करवा दे; वह विद्यार्थी की जिज्ञासा, उसके आत्मसम्मान और उसकी उलझनों को समझने वाला एक सच्चा मार्गदर्शक होता है।

शिष्य का गुरु के प्रति आदर: विद्यार्थी का यह सम्मान किसी पद या डर की वजह से नहीं, बल्कि गुरु के ज्ञान, त्याग और सादगी को देखकर दिल से निकलता है। हमारी परंपरा में विद्या का सबसे पहला फल ही विनम्रता (विद्या ददाति विनयं) माना गया है। लेकिन आज शिक्षा के अंधाधुंध बाज़ारीकरण ने इस रिश्ते को बिगाड़ कर रख दिया है। आज यह पवित्र संबंध ग्राहक और सर्विस प्रोवाइडर जैसा बन गया है। भारी–भरकम फीस चुकाने के बाद छात्र के मन में ज्ञान पाने की विनम्रता के बजाय यह अहसास घर कर जाता है कि "मैंने पैसे दिए हैं, तो मुझे सेवा चाहिए"। जब शिक्षक को सिर्फ एक कर्मचारी और छात्र को कस्टमर मान लिया जाएगा, तो उस रिश्ते में आदर और अपनापन कहाँ से बचेगा? ग्राहक कभी दुकानदार का सम्मान नहीं करता, वह तो बस अपनी शर्तों पर काम चाहता है। प्राचीन भारत में अध्ययन को महज़ नौकरी पाने का ज़रिया नहीं, बल्कि स्वाध्याय और एक तरह की तपस्या माना गया था। किसी संस्थान में कितनी संस्कृति है, यह वहाँ के अकादमिक माहौल से पता चलता है:–

क्या वहाँ की लाइब्रेरी में छात्र और शिक्षक सचमुच लगन से बैठकर पढ़ रहे हैं? क्या शिक्षक क्लास में पूरी तैयारी और दिल से पढ़ाने आते हैं? क्या विद्यार्थी सच में कुछ सीखने की ललक से कक्षा में बैठते हैं, या सिर्फ अटेंडेंस और किसी तरह डिग्री हासिल करने की होड़ में हैं? अगर परिसर में कक्षाएं समय पर न लगें, रिसर्च में नकल हो, परीक्षाओं में पर्चियां चलें और प्रशासन में घपलेबाज़ी हो, तो दीवारों पर चाहे जितने वेद–मंत्र लिखवा लें, वहाँ भारतीय संस्कृति का नामोनिशान नहीं होता। आज कई शिक्षण संस्थान विद्या के केंद्र कम और राजनीति व खींचतान के अखाड़े ज़्यादा नज़र आते हैं।

क्लास में शिक्षकों का डर : आज हालत यह है कि कई शिक्षक क्लास में किसी छात्र को डांटने या समझाने से भी कतराते हैं। उन्हें डर रहता है कि कहीं छात्र कोई झूठा आरोप न लगा दे, सोशल मीडिया पर बदनाम न कर दे, या बाहर से राजनीतिक लड़कों को बुलाकर धमकी न दिलवा दे। शिक्षक अब चुपचाप अपना लेक्चर देकर सुरक्षित निकल जाना बेहतर समझते हैं। गलत व्यवहार को देखकर भी अनदेखा करना आज शिक्षक की लाचारी बन चुका है।

छात्र राजनीति का गिरता स्तर: छात्र राजनीति कभी वैचारिक समझ और समाज सेवा का मंच हुआ करती थी, लेकिन आज वह सिर्फ बाहुबल, पैसे और बड़े नेताओं की जी–हज़ूरी बनकर रह गई है। कुलपतियों का घेराव करना, तोड़–फोड़ करना और अपशब्दों का इस्तेमाल करना कई युवाओं के लिए नेता बनने की सीढ़ी बन गया है। दुखद यह भी है कि कई शिक्षक भी अपनी गुटबाजी और राजनीति में उलझे रहते हैं। जब शिक्षक ही आपस में झगड़ेंगे और धरनों पर बैठेंगे, तो वे छात्रों को क्या संस्कार सिखाएंगे?

कमरों में बंद प्रशासन और संवाद की कमी: विश्वविद्यालयों के बड़े अधिकारी (जैसे वीसी या रजिस्ट्रार) छात्रों के लिए बिल्कुल अनचाहे और दूर के अफ़सर जैसे बन जाते हैं। वे बंद कमरों में रहते हैं और हॉस्टल, मेस, लाइब्रेरी या समय पर रिज़ल्ट आने जैसी ज़मीनी समस्याओं को सुनने का उनके पास समय नहीं होता। जब बातचीत के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं, तभी छात्रों का गुस्सा सड़कों पर तोड़–फोड़ और घेराव के रूप में फूटता है।

अधिकारों की याद, लेकिन कर्तव्यों की भूल: भारतीय संस्कृति में अधिकार हमेशा कर्तव्य और धर्म से जुड़े रहे हैं। आधुनिक शिक्षा ने हमें अपनी आज़ादी और हक मांगना तो सिखा दिया, लेकिन उसके साथ जो ज़िम्मेदारी और अनुशासन होना चाहिए था, वह हम भूल गए। अनुशासन को पाबंदी और मर्यादा को गुलामी समझा जाने लगा है।

अगर हमें सचमुच अपने परिसरों को बदलना है, तो सिर्फ बातें बनाने से काम नहीं चलेगा। हमें दोनों तरफ से कड़े और सच्चे कदम उठाने होंगे:– विश्वविद्यालयों को राजनीतिक दलों की नर्सरी न बनने दें। छात्र चुनाव सिर्फ कॉलेज के असल मुद्दों (जैसे लाइब्रेरी, हॉस्टल, खेलकूद और पढ़ाई) तक ही सीमित रहने चाहिए। लिंगदोह समिति की सिफारिशों को कड़ाई से लागू किया जाए। जो छात्र हिंसा, धमकी या तोड़–फोड़ में शामिल हों, उन्हें तुरंत कॉलेज से निकाला जाए। हर महीने कॉलेज और यूनिवर्सिटी के आला अधिकारियों को छात्रों के साथ आमने–सामने बैठकर ओपन हाउस (खुली चर्चा) करनी चाहिए। जब बच्चों की बात प्यार से सुनी जाएगी, तो उन्हें अपनी मांगों के लिए धरने देने या रास्ते जाम करने की ज़रूरत ही नहीं पड़ेगी। जो शिक्षक क्लास में अनुशासन बनाए रखना चाहते हैं, प्रशासन को पूरी मजबूती से उनके पीछे खड़ा होना चाहिए ताकि वे निडर होकर पढ़ा सकें। साथ ही, शिक्षकों की नियुक्तियाँ किसी नेता की सिफारिश पर नहीं, बल्कि उनकी योग्यता और आचरण के आधार पर होनी चाहिए। अपनी बात रखने का हक सबको है, लेकिन गाली–गलौज, मारपीट या सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने पर बिल्कुल ढिलाई नहीं होनी चाहिए। बच्चे हैं, जाने दो की सोच ने ही इस उद्दंडता को बढ़ाया है।

पढ़ाई सिर्फ लेक्चर देने तक सीमित न रहे। 15–20 छात्रों पर एक शिक्षक को संरक्षक (मेंटॉर) बनाया जाए, जो पढ़ाई के साथ–साथ उनके तनाव, करियर की चिंता और निजी उलझनों को भी एक बड़े की तरह समझकर दूर कर सके। संस्कृति कोई ऐसा सरकारी आदेश नहीं है जिसे किसी सर्कुलर या नोटिस बोर्ड पर चिपकाकर लागू किया जा सके। शिक्षा नीति हमें एक अच्छा रास्ता और साधन दे सकती है, लेकिन उस पर चलना तो हमें खुद ही होगा। संस्कृति किसी कानून से नहीं, बल्कि अच्छे माहौल से रिस–रिसकर हमारे भीतर उतरती है।

यह संस्कृति क्लास में शिक्षक की मीठी और ज्ञानभरी आवाज़ में, स्टाफ रूम के आपसी भाईचारे में, और प्रशासन के संवेदनशील फैसलों में सांस लेती है। जब तक हमारे स्कूल और कॉलेज आपस में मिल–जुलकर सीखने, मर्यादा और निडरता के सच्चे केंद्र नहीं बनेंगे, तब तक सिर्फ किताबों में वेदों के नाम लिख देने से कुछ नहीं बदलेगा। बदलाव की शुरुआत तभी होगी जब शिक्षक अपने आत्मसम्मान और पढ़ाने की निष्ठा को फिर से पहचानेंगे, छात्र अधिकारों के साथ–साथ अपने कर्तव्यों का आदर करेंगे, और दोनों मिलकर सह नाववतु की भावना को अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में उतारेंगे।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय

बलिदान, इतिहास और चेतना : चित्तौड़ के जौहर से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन तक

सूर्यप्रताप सिंह राजावत

स्वरा भास्कर की हालिया टिप्पणियाँ, जिनमें चित्तौड़ के जौहर को कायरता का कृत्य बताया गया है, घृणा–भाषण अथवा मानहानि, या दोनों की श्रेणी में आती हैं। अतः यह विषय न्यायिक परीक्षण की अपेक्षा करता है। देश का कानून स्पष्ट है। उक्त टिप्पणियाँ भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध गठित करने वाले आवश्यक तत्वों को पूरा करती हैं। मानहानिकारक एवं निंदनीय टिप्पणियों के संबंध में राजपूत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चांदलई ने स्वरा भास्कर को पत्र लिखा है। बताया जाता है कि वह सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित करने के लिए भारत–विरोधी टिप्पणियाँ करने के लिए जानी जाती हैं।

अश्विनी उपाध्याय प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार, इस घृणा–भाषण के संबंध में अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज होने की सूचना नहीं है। कुछ समय पूर्व, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के नेता उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के विरुद्ध टिप्पणियाँ की थीं और आज तक, मद्रास उच्च न्यायालय की टिप्पणियों के बावजूद, उनके विरुद्ध कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। यह प्रवृत्ति एक ऐसे पैटर्न, एक षड्यंत्र और एक ऐसी योजना को प्रदर्शित करती है, जिसका उद्देश्य इस प्राचीन भूमि–भारत–के आदर्शों, मूल्यों और संस्कृति को अपमानित करना है।

भारत में जन्म लेना, भारतीय परिवार में जन्म लेना और भारत में शिक्षित होना मात्र इस बात के लिए पर्याप्त नहीं है कि कोई व्यक्ति भारत की आत्मा को जाने और उसकी सराहना करे। कुछ लोग ऐसे व्यक्तित्व और आचरण को इस तथ्य से जोड़ सकते हैं कि उनका समस्त आचरण वित्तपोषित या प्रायोजित है। लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या ऐसे आचरण को दंडित हुए बिना जाने दिया जा सकता है? भारत का संविधान सभी नागरिकों को वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है। लेकिन यह स्वतंत्रता निरपेक्ष नहीं है। यह सार्वजनिक व्यवस्था, शिष्टता या नैतिकता तथा मानहानि सहित संविधान द्वारा निर्धारित उचित प्रतिबंधों के अधीन है। राज्य तथा उन संस्थाओं की ओर से कोई ऐसी चूक नहीं होनी चाहिए, जो राजपूतों के बलिदान के गौरवशाली इतिहास का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिससे यह धारणा उत्पन्न हो कि उनके द्वारा कही गई कोई भी बात न तो घृणा–भाषण थी और न ही मानहानि। अतः भारतीय मूल्यों के प्रति बार–बार किए जाने वाले इस प्रकार के अपमान के इस विशेष प्रकरण को गंभीरता से लिया जाना चाहिए, विशेष रूप से इसलिए कि इसका भविष्य में निवारक प्रभाव होना आवश्यक है।

इतिहास का अध्ययन हमें प्रतिक्रिया के तीन चरण प्रदान करता है। पहला, विरोध; दूसरा, असहयोग, अर्थात शांतिपूर्ण साधनों के माध्यम से अपनी बात रखना; और तीसरा, आरोपित व्यक्ति का बहिष्कार। लेकिन यदि ये उपाय भी गलत आचरण को रोकने में सफल नहीं होते, तो आत्मरक्षा में कानून द्वारा अनुमत उपायों का सहारा लिया जा सकता है; क्योंकि इसके बाद प्रश्न केवल आलोचना को स्वीकार करने का नहीं रह जाता, बल्कि राजपूताना के महान एवं उदात्त जीवन–मूल्यों की मानहानि और उनकी हत्या को रोकने का हो जाता है।

स्वरा की टिप्पणियों के लिए उनके प्रति दया दिखाने का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि न तो वे भोली हैं और न ही उन टिप्पणियों से अनभिज्ञ हैं, जो उनके नाम से संबंधित हैं। जानबूझकर और इच्छापूर्वक किया गया कदाचार दया का नहीं, बल्कि निवारक प्रतिक्रिया का विषय है।

सहिष्णुता वीरों का गुण है, लेकिन एक सीमा के बाद सहिष्णुता भीतर स्थित दिव्यता का अपमान बन जाती है। जौहर के रूप में किया गया बलिदान उस भूमि की संस्कृति का चरम स्वरूप है, जहाँ शत्रु को केवल पराजय का सामना करना पड़ा। जीवन के ऐसे उच्च आदर्शों को समझना उन लोगों के लिए कठिन है, जो चेतना के निम्न स्तर पर जीवन जीते हैं और जिनके लिए जीवन के केवल पशुवत पक्षों का महिमामंडन ही जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य प्रतीत होता है।लेकिन यह तर्क भी स्वरा के बचाव का आधार नहीं बन सकता। चाहे ऐसा हो, लेकिन किसी भी स्थिति में उनसे केवल अपने जीवन के आदर्शों या अपनी चेतना को ऊँचा उठाने की अपेक्षा नहीं की जा रही है। लेकिन हाँ, उनसे यह अपेक्षा अवश्य है कि वे लक्ष्मण रेखा को पार न करें, क्योंकि राजपूताना के आदर्शों में विश्वास रखने वाले लोग आज भी जीवित हैं। और जब भी भारत के मूल्यों, संस्कृति, संप्रभुता और सीमाओं की रक्षा का आा न होगा, तब समय के पास घटनाक्रम का साक्षी बने रहने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं होगा। निस्संदेह, उनकी टिप्पणियाँ उनके अंतर्मन की चेतना का प्रतिबिंब हैं। लेकिन अगला प्रश्न यह है कि क्या ऐसी टिप्पणियाँ उन लोगों द्वारा अनदेखी कर दी जाएँगी, जो आत्मबलिदान को सर्वोच्च सम्मान मानते हैं?

जौहर को कायरता या जीवन से पलायन का प्रतीक नहीं, जैसा कि स्वरा का मानना है, बल्कि महिला सशक्तिकरण के एक उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है, जहाँ महिलाओं की सहमति बल, अनुचित प्रभाव अथवा कपट से प्राप्त नहीं की जा सकती थी। यह केवल रानी के उच्च मूल्यों का ही नहीं, बल्कि राज्य की सभी महिलाओं के उच्च मूल्यों का भी प्रतीक है–एक ऐसा साझा मूल्य, जो केवल कुलीन वर्ग तक सीमित नहीं था, बल्कि राज्य में रहने वाली समस्त प्रजा तक विस्तृत था।

ऐसे संस्कार को समझना और उसकी सराहना करना उन महिलाओं के लिए सरल नहीं है, जैसे स्वरा, जो इस विचारधारा के अनुसार केवल शरीर की उन आवश्यकताओं के महिमामंडन को जानती हैं, जो भोजन, निद्रा, भय और मैथुन से आगे नहीं जातीं। आज समय की यह गंभीर आवश्यकता है कि अज्ञानता को आनंद या सौभाग्य मानकर अनदेखा नहीं किया जा सकता, बल्कि उसके अनुरूप आनुपातिक दंड पर विचार किया जाना चाहिए। वे क्षमा माँगती हैं या नहीं, यह अलग प्रश्न है। वास्तविक प्रश्न यह है कि भारत कब तक ऐसे लोगों द्वारा किए जाने वाले तिरस्कारपूर्ण, निंदनीय व अपमानजनक व्यवहार को सहन करेगा, जो भारतीय नागरिक तो कहे जाते हैं, लेकिन जिनका आचरण और चिंतन इसके विपरीत है? यह केवल राजपूतों को प्रभावित करने वाली समस्या नहीं है। विश्व इतिहास के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि चित्तौड़ का शौर्य, साहस और बलिदान केवल भारत को ही नहीं, बल्कि भारत की सीमाओं के बाहर के लोगों को भी प्रेरित करता है।

इतिहास का निष्पक्ष अध्ययन यह भी सिखाता है कि समान लक्ष्य रखने वाले व्यक्तियों की रणनीतियाँ अलग–अलग हो सकती हैं। मध्यकालीन भारत में महाराणा प्रताप और आमेर के राजा मानसिंह की राजनीतिक रणनीतियाँ समान नहीं थीं। एक ने प्रत्यक्ष संघर्ष का मार्ग चुना, तो दूसरे ने तत्कालीन साम्राज्य के साथ राजनीतिक संबंधों के भीतर अपनी भूमिका निर्धारित की। ऐसी ऐतिहासिक भूमिकाओं का मूल्यांकन उस समय की परिस्थितियों और उपलब्ध विकल्पों को समझकर किया जाना चाहिए।यही बात भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर भी लागू होती है। कांग्रेस में नरम दल और गरम दल के तरीकों में बड़ा अंतर था, लेकिन दोनों धाराएँ विदेशी शासन से भारतीय हितों की रक्षा और अंततः स्वशासन की दिशा में आगे बढ़ रही थीं। किसी को क्रमिक राजनीतिक सुधार स्वीकार्य थे, जबकि दूसरे तत्काल और पूर्ण स्वतंत्रता की माँग की ओर बढ़ रहे थे। श्रीअरविन्द ने बंग–भंग आंदोलन के समय स्वदेशी, बहिष्कार और स्वराज को राष्ट्रीय आंदोलन के महत्वपूर्ण साधनों के रूप में प्रस्तुत किया। महात्मा गांधी ने हिन्द स्वराजमें स्वराज की अपनी विशिष्ट अवधारणा रखी। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने स्वतंत्रता के अपने आदर्श के लिए फाँसी स्वीकार की। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने भारत से बाहर जाकर आजाद हिन्द फौज के माध्यम से ब्रिटिश शासन को चुनौती देने का मार्ग चुना।मार्ग अलग थे, लेकिन भारत की स्वतंत्रता केंद्रीय लक्ष्य थी।

इतिहास में किसी व्यक्ति के एक निर्णय को उसके पूरे जीवन से अलग करके देखना कई बार भ्रामक परिणाम देता है। महात्मा गांधी द्वारा असहयोग आंदोलन प्रारंभ करना महत्वपूर्ण था, लेकिन चौरी–चौरा की हिंसक घटना के बाद उसी आंदोलन को वापस लेना भी उनका निर्णय था। इससे गांधीजी की ऐतिहासिक भूमिका समाप्त नहीं हो जाती।इसी प्रकार, अंडमान की सेल्युलर जेल में कठोर यातनाएँ सहने वाले क्रांतिकारियों की याचिकाओं का मूल्यांकन भी जेल की परिस्थितियों, उनकी रणनीति और आगे की राजनीतिक संभावनाओं के संदर्भ में होना चाहिए।

राष्ट्र के लिए मृत्यु स्वीकार करना बलिदान हो सकता है, लेकिन किसी बड़े उद्देश्य के लिए जीवित रहकर संघर्ष जारी रखना भी रणनीति हो सकती है।युद्ध और राष्ट्रीय आंदोलनों में लक्ष्य, साधन, परिस्थिति और रणनीति–चारों को एक साथ समझना आवश्यक है।इसी दृष्टि से चित्तौड़ के जौहर, हल्दीघाटी के युद्ध, भगत सिंह की फाँसी, सावरकर की कालापानी की सजा, श्रीअरविन्द के पांडिचेरी प्रवास, चौरी–चौरा के बाद आंदोलन की वापसी, गांधी–अम्बेडकर पूना समझौता, द्वितीय विश्वयुद्ध में भारतीय सैनिकों की भूमिका और भारत विभाजन से जुड़े निर्णयों को उनके ऐतिहासिक संदर्भों से काटकर नहीं समझा जाना चाहिए।

–सूर्यप्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 7 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, पुनर्वसु नक्षत्र सायं 6:14 तक, व्यतिपात योग प्रातः 6:41 तक, बव करण प्रातः 6:17 तक, चन्द्रमा आज दिन 12:39 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–मिथुन, बुध–सिंह, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह।

आज कुमार योग सूर्योदय से सायं 5:05 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग 6:14 से सूर्योदय तक है। आज बुध कन्या राशि में दिन 1:34 पर प्रवेश करेगा। आज अजा एकादशी व्रत, व्यतिपात पुण्यं है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:45 तक, शुभ 9:19 से 10:52 तक, चर 1:58 से 3:31 तक, लाभ–अमृत 3:31 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 7:30 से 9:00 तक, सूर्योदय 6:12, सूर्यास्त 6:37 पर

मेष
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
शुभ कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
घर–परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण वार्ता हो सकती है और महत्वपूर्ण योजना बन सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

'पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से चुनाव कार्य निष्पादित करें'

18नगर निकायों की ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग

जयपुर। नगरीय निकाय आम चुनाव के अंतर्गत जयपुर जिले की दो नगर परिषद् चौमू व शाहपुरा तथा16नगर पालिकाओं दूदू, किशनगढ़-रेनवाल, जोबनेर, बस्सी, सांभरलेक, वाटिका, चाकसू, जमवारामगढ़, फागी, नरायना, फुलेरा, मनोहरपुर, बगरू, कानोता, खेजरोली एवं कालाडेरा के लिए 9 सितंबर 2026 को होने वाले मतदान के लिए ईवीएम कमीशनिंग

- उन्होंने इस दौरान चुनाव संबंधी कार्यों को पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी के साथ सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके एवं सुचारू रूप से निष्पादित करने के निर्देश दिए

का कार्य जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक की निगरानी में भवानी निकेतन के फार्मेसी कॉलेज में रविवार को सफलतापूर्वक आयोजित हुआ।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने परिसर का निरीक्षण कर चुनाव व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान चुनाव संबंधी कार्यों को पूर्ण निष्ठा,ईमानदारी के साथ सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके एवं सुचारू रूप से निष्पादित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा,अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ आशीष कुमार,उक्त नगर निकायों के रिटर्निंग अधिकारी सहित संबंधित प्रकोष्ठ प्रभारी उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मुद्दा विहीन कांग्रेस ओछी शब्दावली पर उतरी : राठौड़

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए 280 दिनों तक प्रदेश को आचार संहिता में झोंकने वाले गहलोत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के वन स्टेट, वन इलेक्शन की नीति के तहत महज 40 दिनों में पंचायत और निकाय चुनाव पूरे करवाने के निर्णय पर सवाल उठा रहे है।

- 280 दिन आचार संहिता लगाकर गहलोत ने रोका था प्रदेश का विकास, भजनलाल करवा रहे है 40 दिनों में चुनाव : राजेंद्र राठौड़

राठौड़ ने कहा कि आश्चर्य है कि गहलोत भाजपा सरकार के 2.5 साल के रिपोर्ट कार्ड को चुनाव में मांग रहे है, जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान की विधानसभा में ही कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा था कि हम अपना रिपोर्ट कार्ड रख रहे है, आप भी अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड रखे। इतना ही नहीं, गहलोत सफाईकर्मियां की भर्ती पर सवाल उठा रहे है, जबकि भजनलाल सरकार ने तो 24752 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी।

गहलोत शायद भूल गए कि उन्होंने सफाईकर्मियों के साथ धोखा किया था, आचार संहिता से महज तीन दिन पहले भर्ती विज्ञापन निकाला जो भर्ती पूरी ही नहीं हो पाई। गहलोत मुख्यमंत्री के रोड शो पर सवाल उठाने की बजाए अपने विधानसभा क्षेत्र में रोड शो करके दिखाए।

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वन नेशन वन इलेक्शन की सोच देश के सामने रखी थी। इसके पीछे उनका मकसद केवल चुनाव सुधार नहीं बल्कि चुनाव में लगने वाला समय, लगने वाले संसाधन, खर्च होने वाला भारी भरकम व्यय व अलग-अलग समय में चुनाव आने से आचार संहिता से पड़ने वाले प्रशासनिक क्षमता के कुप्रभाव को समाप्त करना था। बार-बार चुनाव होने से सरकारी मशीनरी, पुलिस, प्रशासन, शिक्षक और सरकारी कर्मचारी चुनावी ड्यूटी में लग जाते हैं, जिससे विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता प्रभावित होती है।

चोरी की बाइक समेत शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद कर ली। पुलिस टीम ने आरोपी तक पहुंचने के लिए घटनास्थल से लेकर आने-जाने वाले रास्तों पर लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। जयपुर दक्षिण पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर चोर नरेश मीणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की स्प्लेंडर बाइक बरामद कर ली है। गठित पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और साथ ही पूर्व में चालान शुदा और संदिग्ध लोगों से भी पूछताछ की।

नगरीय निकाय चुनाव के मतदान दिवस पर अवकाश घोषित

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नगरीय निकाय आम चुनाव-2026के कार्यक्रम के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी (म्युनिसिपल) संदेश नायक ने जयपुर जिले में मतदान दिवस के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में9 सितम्बर को नगर परिषद शाहपुरा एवं चौमूं बगरू, चाकसू, जोबनेर, किशनगढ़-रेनवाल, फुलेरा, सांभर, बस्सी, दूदू, जमवारामगढ़, कालाडेरा, कानोता, खेजरोली, मनोहरपुर, नारायणा, फागी एवं वाटिका में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। वहीं द्वितीय चरण में11 सितम्बर को नगर निगम जयपुर के क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

- प्रथम चरण में 9 सितम्बर एवं द्वितीय चरण में 11 सितम्बर को रहेगा अवकाश
- मतदाताओं को मतदान के लिए मिलेगा अवकाश का लाभ

मतदान दिवस के साथ ही जहां पुनर्मतदान होगा,वहां पुनर्मतदान की तिथि को भी संबंधित मतदान क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश रहेगा ताकि जयपुर जिले के नगरीय निकायों के निर्वाचन क्षेत्रों में निवास करने वाले मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें,इसके लिए निर्धारित प्रावधानों के अनुसार अवकाश का लाभ ले सकेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जयपुर जिले के नगरीय निकायों के निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में नियोजित कर्मचारियों को मतदान दिवस के दिन सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जाना सुनिश्चित किया गया है। ताकि वे अपने मताधिकार का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से प्रयोग कर सकें।

सार-समाचार

शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

जयपुर। दी एजुकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज, जयपुर की ओर से मुख्य अतिथि संत शिरोमणि हिज ग्रेस वृंदावन चंद्र दास, संस्थापक एवं शिक्षा गुरु गौरांग इंस्टीट्यूट फॉर वैदिक एजुकेशन तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रकाश चंद्र परवाल की गरिमामयी उपस्थिति में शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और शिक्षा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा, संस्कार तथा गुरु-शिष्य परंपरा के विविध आयामों पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों के योगदान को नमन किया गया। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष उमेश सोनी, उपाध्यक्ष (शिक्षा) निर्मल दरगड़, महासचिव (शिक्षा) कमल सोमानी, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार मालू, महामंत्री समाज रोहित परवाल व समाज बंधुओं सहित अनेक पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्लोक-पाठ के साथ हुआ।

'संस्कार बदलेंगे तो परिवार और समाज बदलेगा'

जयपुर । यादव समाज में सकारात्मक सोच, संस्कार, एकता और सेवा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को वैशाली नगर स्थित प्रभु निधि सभागार, ब्रह्माकुमारीज में 'संस्कार परिवर्तन द्वारा स्वर्णिम संसार' विषय पर संस्कार संगोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम संयोजक डॉ. जी.एल. यादव ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्रह्माकुमारी सुषमा दीदी रहीं। इसके अलावा चंद्रकला दीदी, एकता बहन, कोमल यादव डॉ. करण सिंह यादव, हरसाहाय यादव, डॉ. रामगोपाल यादव और सुरेश यादव तेजपाल यादव जाहर यादव गुजरात की सहित समाज के गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा और मातृशक्ति कार्यक्रम में मौजूद रही।

नयनाभिराम नृत्यों के जौहर ने जगाया वतनपरस्ती का जज्बा

जयपुर। आराधना म्यूज़िकल ग्रुप (एएमजी) की ओर से रविवार को बिड़ला सभागार में वन्दे मातरम् - स्वर राष्ट्र के शीर्षक से संजोयी देशभक्ति संगीतमय शाम में जोशीले सुरीले गीतों व नयनाभिराम नृत्यों के जौहर ने बड़ी तादाद में मौजूद दर्शकों के दिलों को छू लिया। एएमजी के संरक्षक राजीव कुमार व लक्की कपूर, उत्तम दुंदलोदिया के मार्गदर्शन में नए कॉन्सेप्ट से सजे इस कार्यक्रम में लाइव बैकग्राउंड सिंगिंग, लाइव डांसिंग एवं लाइव कोरियोग्राफी का अद्भुत संगम देखने को मिला। कलाकारों की अनूठी प्रस्तुतियों ने वतनपरस्ती का जज्बा जगा दिया।

पांच हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर शहर में वांछित और इनामी अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने पांच हजार रुपए के इनामी बदमाश गौरव गुर्जर (24) निवासी सुरौठ जिला करौली को गिरफ्तार किया है। आरोपी गंभीर धाराओं में दर्ज प्रकरण में वांछित था और वारदात के बाद से लगातार फरार चल रहा था। जयपुर दक्षिण पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज ने बताया पुलिस के अनुसार आरोपी वारदात के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने बदलकर फरारी काट रहा था।

गणेश जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू

जयपुर। माउंट रोड स्थित ब्रह्मपुरी पावर हाउस के पीछे दक्षिणावर्ती सूंड वाले प्राचीन श्री नहर के गणेशजी महाराज मंदिर में भौम पुष्य नक्षत्र और त्रिदिवसीय गणेश जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

मंदिर महंत पं. जय शर्मा एवं युवाचार्य पं. मानव शर्मा के अनुसार इस दौरान विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होंगे। गणेश जन्मोत्सव पर भगवान को गोटा-पत्ती श्रृंगार के साथ राजशाही पोशाक, स्वर्ण मंडित मुकुट और आभूषण धारण करवाए जाएंगे। मंदिर परिसर को विद्युत रोशनी और पंचरंगी ध्वजों से सजाया जाएगा।

युवाचार्य पं. मानव शर्मा ने बताया कि मंगलवार को सुबह 8 बजे से गणपति अथर्वशीर्ष के 101 पाठ होंगे। सुबह 11 बजे ऋग्वेदोक्त गणपति मात्रिका पठन के साथ पंचामृत अभिषेक एवं पूजा-अर्चना होगी। दोपहर 2 से शाम 4 बजे तक भगवान को नवीन पोशाक धारण करवाकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 21 मोदकों का भोग लगाया जाएगा और शयन होगा। शाम 7 बजे 251 दीपकों से महाआरती होगी। दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुख-समृद्धि एवं विघ्न निवारण के प्रतीक रक्षा सूत्र और पुष्प आशीका प्रदान की जाएगी।

शाम 5 बजे से विशेष लहरिया पोशाक और साफा धारण करवाकर आरती दर्शन, असंख्य मोदकों की झांकी तथा भक्तों को सिंदूर और मेहंदी का वितरण किया जाएगा। शाम 5:15 बजे मेहंदी पूजन के साथ सिंजारा उत्सव शुरू होगा। शाम 5:30 बजे प्रेम भाया मंडल की ओर से भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

शाम 7 बजे आरती और रात 12 बजे शयन आरती होगी। सुबह 9:30 बजे वैदिक मंत्रों के साथ दूर्वा समर्पण किया जाएगा। सुबह 11:30 से दोपहर 1 बजे तक गणपति अथर्वशीर्ष और ऋग्वेदोक्त गणपति मात्रिका के पाठ के साथ पंचामृत अभिषेक एवं महागणपति पूजन होगा।

दौसा में शाही ध्वज पदयात्रा में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

दौसा । पंच महादेव की छठी ध्वज पदयात्रा रविवार को सोमनाथ महादेव मंदिर से धूमधाम और भक्तिमय माहौल के बीच रवाना हुई। सुबह ध्वज पूजन व आरती के बाद गाजे बाजे व शाही लवाजमे के साथ पदयात्रा रवाना हुई। इस दौरान देव नगरी भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर नजर आई। यात्रा आगरा रोड, गांधी तिराहा, नागौरी पुलिया, बरकत तिराहा, गुप्तेश्वर दरवाजा और गुप्तेश्वर रोड होते हुए पुराने शहर से निकली। पदयात्रा में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। हाथों में भगवान शिव की ध्वजा थामे श्रद्धालु पूरे रास्ते बोल बम-बम लहरी और हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े।

- पदयात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण करीब 10 फीट ऊंचे रथ पर सवार शिव पार्वती की भव्य झांकी रही
- बैंड-बाजों और डीजे पर गूंजते शिव भक्ति गीतों ने माहौल को और भक्तिमय बना दिया

पदयात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण करीब 10 फीट ऊंचे रथ पर सवार शिव पार्वती की भव्य झांकी रही। उनके आगे भूत-पिशाच और अघोरियों की वेशभूषा में कलाकारों की मंडली ने एक से बढ़कर एक करतब और धार्मिक प्रस्तुतियां देकर माहौल को रोमांच और भक्ति से भर दिया। सड़क के दोनों ओर खड़े लोग झांकियों को देखने के लिए उमड़ पड़े। इस बीच सोमनाथ, सहजनाथ, गुप्तेश्वर, बैजनाथ महादेव मंदिरों में क्रमशः ध्वज चढाए गए। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों की ओर से पदयात्रा का स्वागत किया गया। कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया गया। बैंड-बाजों और डीजे पर गूंजते शिव भक्ति गीतों ने माहौल को और भक्तिमय बना दिया।

भक्ति गीतों की धुन पर श्रद्धालु झूमते हुए चलते रहे। अंत में श्रद्धालु 365 सीढ़ियां चढ़कर पहाड़ी पर विराजमन नीलकंठ महादेव के दरबार में पहुंचे, जहां ध्वज अर्पण के बाद पदयात्रा का विधिवत समापन हुआ। इस दौरान भंडारे में हजारों लोगों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की।

बहादुरपुरा में लाइब्रेरी का शुभारंभ

निवाई। बहादुरपुरा उर्फ श्रीरामपुरा में महामंडलेश्वर बालकानंद गिरी महाराज ने लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। जिससे छात्र-छात्राओं को अब गांव में ही लाईब्रेरी की सुविधाएं मिलेगी। इस दौरान महामंडलेश्वर बालकानंदगिरी महाराज, संत विवेकानंदगिरी महाराज, डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा व भामाशाह शिवप्रताप हरसाना द्वारा प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। हरसाना ने कहा कि शिक्षा ही सबसे बड़ा संस्कार और सबसे बड़ी शक्ति है।

उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी ज्ञान का ऐसा केंद्र बने, जहाँ बालक-बालिकाएँ शिक्षा के माध्यम से अपने सपनों को नई उड़ान दे सके। समाज और देश का नाम रोशन करें तथा निरंतर प्रगति के पथ पर अठासर रहे। कार्यक्रम में गिरिराजप्रसाद गुर्जर, राजेश बैसला, रामकिशन पीटीआई, कमलेश, दयाशंकर बहादुरपुरा, शिवपाल फौजी, सुरेश बैंसला, रेवड़मल हरसाना, रामभजन खटाना, रामरख, कजोड़ मीणा, मुकेश विजय, कैलाश चेची, रामोतार दौराता, हंसराज बैंसला, देवालाल खटाना,राकेश, मुकेश शर्मा, सीताराम मीणा, आशाराम हरियाणा, जंसी, दयाराम खटाना व शिवदयाल सहित कई ठामीण मौजूद थे।

नकबजनी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

जयपुर। शिवदासपुरा थाना क्षेत्र के प्रहलादपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में लगातार हो रही चोरी और नकबजनी की वारदातों का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तीन मोटरसाइकिल, तीन लैपटॉप, मॉनिटर, यूपीएस, कीबोर्ड, तांबे की केबल और ताला तोड़ने के औजार बरामद किए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने आठ वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

जयपुर दक्षिण पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज ने बताया कि शिवदासपुरा थाना पुलिस ने प्रहलादपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में लगातार हो रही चोरी और नकबजनी की वारदातों को अंजाम देने वाले राहुल महावर (25) और करण बुनिया (20) को पकड़ा।

पूछताछ में दोनों ने चोरी और नकबजनी की वारदातें करना स्वीकार किया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी से दो बाइक, टेलीफॉरफॉरमेशन कंपनी चतराला से एक बाइक और बोहरा पेट्रोल पंप बीलवा से मोबाइल व अन्य सामान चोरी किया था। इसके अलावा रामचंद्रपुरा स्थित कंटेनर बनाने वाली कंपनी से लोहे के सरिए, सिल्वर और सिल्वर की फंटियां, वेल्डिंग फैक्ट्री से स्टील पाइप व लोहे की चादरें चोरी कीं। आरोपियों ने विधाणी मंदिर-आश्रम से लोहे के सरिए और सिल्वर के भगोने, रामचंद्रपुरा की गैस फैक्ट्री से स्टील व पीतल के पाइप-वाल्व तथा केबल फैक्ट्री से लैपटॉप, कीबोर्ड और तांबे की केबल भी चोरी करना कबूल किया है।

पुलिस ने आरोपियों से 3 मोटरसाइकिल, 3 लैपटॉप, 1 मॉनिटर, 1 यूपीएस, 3 कीबोर्ड और तांबे की केबल बरामद की हैं। इसके अलावा ताले तोड़ने में इस्तेमाल होने वाले दो नकब, प्लास, पेचकस, पाना, कटर मशीन सहित अन्य औजार भी जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपी राहुल महावर निवासी गोनेर के खिलाफ प्रताप नगर थाने में चोरी के दो मामले दर्ज हैं।

नकबजनी की वारदातों का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया।

लाठी-डंडों से हमला कर युवती-भतीजे का अपहरण करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना क्षेत्र में कमरे का दरवाजा तोड़कर रात में घुसने, युवती और उसके भतीजे पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला करने, अपहरण और युवती से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट कार भी जब्त कर ली है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

- पुलिस के अनुसार आरोपियों ने सुनसान स्थान पर कार रोककर युवती से छेड़छाड़ की और दुष्कर्म का प्रयास किया

जयपुर पूर्व पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने बताया कि परिवादिया ने 5 मई 2026 को जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 7 फरवरी की रात वह और उसका भतीजा सुरेश कमरे में सो रहे थे।

इसी दौरान अंकित यादव ने सुरेश को फोन कर गाली-गलौज की, जातिसूचक शब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण सुरेश ने मोबाइल बंद कर दिया। इसके बाद रात करीब 2 बजे अंकित यादव, दीपक यादव, राहुल, जीतू, मनीष शर्मा सहित 10-12 लोग लाठी-डंडे लेकर कमरे में पहुंचे और दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए। आरोपियों ने दोनों के साथ मारपीट की, जिससे परिवादिया बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपी दोनों को जबरन स्विफ्ट कार में डालकर ले गए।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने सुनसान स्थान पर कार रोककर युवती से छेड़छाड़ की और दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने और शोर मचाने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। बाद में परिवादिया के भाई का फोन आने और समझाइश के बाद आरोपियों ने दोनों को छोड़ दिया।

रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की तलाश की।

पुलिस के अनुसार वारदात के बाद आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहे थे। पुलिस टीम ने दबिश देकर दीपक यादव (26) पुत्र तुलसीराम यादव, निवासी रेनवाल जयपुर ग्रामीण,जितेन्द्र कुमार वर्मा उर्फ जीतू वर्मा (25) निवासी रेनवाल, जयपुर ग्रामीण और राहुल कुमार रैगर (24) निवासी किशनगढ़ जयपुर ग्रामीण को तीन गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने अपहरण और युवती से छेड़छाड़ के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जेडीए से प्रताड़ित होकर पानी की टंकी पर चढ़े छह लोग

जयपुर। प्रताप नगर सेक्टर-9 में रविवार दोपहर जयपुर विकास प्राधिकरण और जमीन से जुड़े विवादों में कोई सुनवाई न होने से आक्रोशित चार महिलाओं समेत छह लोग पानी की टंकी पर चढ़ गए।

पीड़ितों का आरोप है कि लंबे समय से शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने के बजाय मामले को टाल रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं और सुरक्षा के तौर पर टंकी के चारों ओर जाल बिछाया।

- पीड़ितों का आरोप है कि लंबे समय से शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने के बजाय मामले को टाल रहे है

टंकी पर चढ़े प्रदर्शनकारियों में रेशमा, काली, लक्ष्मी, कुसुम, किशन और दौलत शामिल हैं। पीड़ितों ने साफ कहा कि वे सुबह से भूखे-प्यासे रहकर अपना हक मांग रहे हैं और जब तक ठोस कार्रवाई का आश्वासन नहीं मिलता, वे नीचे नहीं उतरेंगे। प्रदर्शनकारियों का यह गुस्सा देर रात तक जारी रहा, जिससे प्रशासन के हाथ-पांव फूले रहे।

पूर्व डिप्टी मेयर के खिलाफ जताया आक्रोश प्रदर्शन के दौरान पीड़ितों ने पूर्व डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावत के खिलाफ भी अपना विरोध दर्ज कराया। गुस्साए लोगों ने पानी की टंकी पर कर्णावत का पोस्टर टांगकर अपना आक्रोश प्रकट किया।

मौके पर मौजूद स्थानीय नागरिक हरिओम मामा और चांदमल ने बताया कि अधिकारी लगातार समझाइश की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पीड़ित लिखित और ठोस आश्वासन की मांग पर अड़े हैं।

प्रशासन ने मांगा 10 दिन का समय, सुरक्षा बल तैनात मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने टंकी पर चढ़े लोगों से बातचीत की और मामले की जांच व निष्पादक कार्रवाई के लिए 10 दिन की मोहलत मांगी है।

हालांकि, प्रदर्शनकारी अधिकारियों के मौखिक वादों पर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और रेस्क्यू टीमें लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

ॐ
शोक संदेश एवं सूचना

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी परम आदरणीय एवं पूजनीय बहन
मंजू रंगा जी
का दिनांक 6 सितम्बर 2026 को सायंकाल दु:खद निधन हो गया।
ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवार को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति दें।

अंतिम यात्रा
दिनांक 7 सितम्बर 2026, सुबह 10 बजे
निवास स्थान से चांदपोल श्मशान जायेगी।

तिये की बैठक
दिनांक 7 सितम्बर 2026, सायं 5 से 6 बजे
गोपालबारी शिव मंदिर में रखी गई।

शोकाकुल
योगेन्द्र- अंजना रंगा
राजेंद्र- जयन्ती रंगा
सतीश- दुर्गा शर्मा
कन्हैया- रेखा रंगा
विनोद- वंदना रंगा
ध्रुव रंगा, आरव रंगा

बहन- बहनोई
अजीत जी- आशा बोहरा
दुर्गा पुरोहित

ॐ शांति
शोकाकुल:
समस्त रंगा परिवार
मो.: 9462957786, 9414490250

पूर्व पार्षद को आरज़ू बिश्नोई के नाम से धमकी, पांच करोड़ की फिरौती मांगी

धमकी देने वाले ने बाकायदा यह रकम चुकाने के लिए दो दिन का समय दिया

- भाजपा की टिकट पर वार्ड 27 से चुनाव लड़ रहीं रवीना नारंग के पति कमल नारंग को कथित तौर पर गैंगस्टर ने धमकी दी है
- जिस नंबर से यह धमकी भरी वॉट्सएप कॉल आई है, वह नंबर नॉर्थ अमेरिकन कंट्री अमेरिका अथवा कनाडा है, जांच जारी

श्रीगंगानगर, (निसं)। नगर निकाय चुनावों में गैंगस्टर भी धमकियां देकर रकम बटोरने के मौके तलाश रहे हैं। भाजपा की टिकट पर वार्ड 27 से चुनाव लड़ रहीं रवीना नारंग के पति कमल नारंग को कथित तौर पर गैंगस्टर ने धमकी दी है। पिछले बोर्ड में भाजपा से पार्षद रहे कमल नारंग से 5 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई है। बाकायदा यह रकम चुकाने के लिए दो दिन का ही समय दिया गया है। इस संबंध में पीड़ित की ओर से कोतवाली थाने में परिवाद देकर मुकदमा दर्ज करवाया गया है। इसमें किसी आरजू बिश्नोई का नाम लेकर फिरौती मांगी गई है। उसने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया है। कोतवाल तेजवंत सिंह बराड़ मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने उस नंबर को जांच के लिए आईटी सेल के पास भेजा है, जिस कथित नंबर से फोन कॉल आए थे। इसी नंबर से सोशल मीडिया वॉइस मैसेज भी आया था। ये धमकियां तीन सितंबर शाम को दी गई थीं।

पुलिस की ओर से शुरू की गई प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस नंबर से यह धमकी भरी वॉट्सएप कॉल आई है, वह नंबर नॉर्थ अमेरिकन कंट्री अमेरिका अथवा कनाडा है। यह 301 एरिया कोड अमेरिका के मैरीलैंड राज्य के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों के लिए है, जिसमें रॉकविल, सिल्वर स्प्रिंग और जर्मन टाउन जैसे शहर आते हैं। नंबरों को देखने से यह आशंका जताई गई है कि उक्त कॉल अमेरिकी दक्षिणी राज्य के इन शहरों से की गई है, लेकिन अभी जिस सर्वर और नेटवर्क का कॉल करते समय इस्तेमाल हुआ, उसकी जांच से यह पता लगाया जा रहा है कि कॉल वास्तव में अमेरिका से आई थी अथवा यह एक स्कूफिंग कॉल थी यानी नंबर छुपाकर की गई कॉल थी। जिला पुलिस सूत्रों के अनुसार जिस आरजू बिश्नोई का नाम लेकर धमकी भरी कॉल की गई, उस आरजू पर जिले के विभिन्न थानों में धमकी और फायरिंग के कई मुकदमे दर्ज हैं। वह जवाहरनगर पुलिस के हाथों फायरिंग के मुकदमे में गिरफ्तार किया जा चुका है। जमानत के बाद से फरार है।

जिला पुलिस ने बीते 6 माह में चलाए विशेष अभियान के तहत विशाल पचार के सभी मददगार, उसको सोशल मीडिया पर फॉलो करने वालों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर जेल पहुंचा दिया है। बीते 6 माह से लॉरेंस गैंग के किसी गुर्गे की धमकी देकर फिरौती मांगने की हिम्मत तक नहीं हुई। अब आरजू बिश्नोई के नाम से फिर से फिरौती मांगकर अपनी उपस्थित दर्ज करवाने की कोशिश की जा रही है साथ ही उद्योगपतियों और व्यापारियों में डर पैदा करने की कोशिश की जा रही है ताकि फिरौती का धंधा चलता रहे। क्योंकि यह गैंग बीते 8 से 10 माह से भारी आर्थिक तंगी से जूझ रही है।

कोटा में 2.600 किलो अफीम बरामद, बाइक जब्त की

कोटा, (निसं)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थो के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत् केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 2.696 किलोग्राम अफीम बरामद की एवं मोटरसाइकिल को जप्त किया है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि बिना नंबर प्लेट वाली बाइक से कोई अवैध मादक पदार्थ अफीम को गंगरार क्षेत्र की ओर ले जा रहा है। सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो चित्तौड़गढ़ डिवीजन-2 के अधिकारीयों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके पर रवाना किया गया। गठित टीम ने संदिग्ध मार्ग पर निगरानी रखी टीम को जिला चित्तौड़गढ़ के तहसील बेगूं बनोड़ा बालाजी के पास कटूंदा चौराहा क्षेत्र में बिना रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट वाली एक मोटरसाइकिल दिखाई दी, जिसका चालक ने निवारक दल को देखकर मोटरसाइकिल को सड़क से दूर छोड़कर भागने का प्रयास किया। निवारक दल द्वारा आरोपी का पीछा किया गया, लेकिन रात्रि एवं लगातार हो रही बारिश का लाभ उठाकर आरोपी मौके से फरार हो गया।

टीम ने बरामद उक्त मोटरसाइकिल की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान दो पैकेट में 2.696 किलोग्राम अफीम बरामद की गई। कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, बरामद अवैध अफीम और मोटरसाईकिल को एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत जब्त कर लिया गया है। प्रकरण में जांच जारी है।

आंगन में सो रही दो मासूम बहनों की सर्पदंश से मौत

मृतक मासूम बहनों की फाईल फोटो।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायपुर थाना क्षेत्र के मोखमपुरा गांव में एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। पीहर आई महिला के साथ घर के आंगन में सो रही दो मासूम सगी बहनों को अलसुबह जहरीले सांप ने डस लिया। हादसे में दोनों बालिकाओं की दर्दनाक मौत हो गई। इस दुखद घटना के बाद त्योहार की खुशियां अचानक मातम में बदल गईं और संपूर्ण क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोखमपुरा निवासी ज्ञानी देवी गुर्जर रक्षाबंधन का पर्व मनाने अपने मायके आई हुई थीं। शनिवार रात वह अपनी बेटियों कृष्णा (5) और भावना (2) के साथ घर के चौक में सो रही थीं। रविवार तड़के जहरीले सांप ने दोनों बच्चियों को डस लिया। बच्चियों की रोने की आवाज और तबीयत बिगड़ने पर परिजनों को घटना का पता चला। परिजन दोनों बालिकाओं को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुर ले गए। जांच के बाद डॉक्टरों ने दो वर्षीय भावना को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर हालत में पांच वर्षीय कृष्णा को प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल भीलवाड़ा के लिए रेफर किया गया, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुर में परिजनों और ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। पुलिस की मौजूदगी में चिकित्साकर्मियों ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कर उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया। एक साथ दो मासूम चिरागों के बुझने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा पूरे गांव में चूल्हे तक नहीं जले।

सोलर प्लांट में जेसीबी ड्राइवर और सुपरवाइजर से मारपीट

- सात नामजद सहित 5-6 अन्य लोगों पर केस दर्ज, जांच शुरू

पूंगल, (निसं)। थाना क्षेत्र के करणीसर भाटियान में एक सोलर प्लांट पर जेसीबी ड्राइवर और सुपरवाइजर से मारपीट का मामला सामने आया है। सड़क निर्माण का काम कर रही नवदुर्गा कंपनी के सुपरवाइजर नवदीप सिंह ने पूगल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने सात नामजद सहित 5-6 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में सुपरवाइजर ने बताया कि शनिवार को प्लांट पर काम चल रहा था। इसी दौरान बोलेरो और एक स्कॉर्पियो गाड़ी में चांद सिंह, भीम सिंह, घनश्याम, आनंद सिंह, बजरंग सिंह, दलीप सिंह, जीवराज सिंह सहित 5-6 अन्य लोग आए। उन्होंने कंपनी के जेसीबी ड्राइवर भवानी सिंह के साथ मारपीट शुरू कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, जब नवदीप सिंह बीच-बचाव करने पहुंचे, तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। आरोपियों ने उन्हें धमकी दी और काम छोड़कर जाने को कहा। सुपरवाइजर की रिपोर्ट पर पूगल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

साइबर ठगी का आरोपी जोधपुर से गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। मोबाइल पर ऑनलाइन फ्रॉड कर हजारों रूपये के साइबर ठगी के दर्ज मामले में नयापुरा पुलिस टीम ने मामले का खुलासा करते हुए साइबर ठगी के आरोपी को जोधपुर से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि फरियादी दिनेश प्रजापति ने नयापुरा थाने में रिपोर्ट दी थी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा था कि 9 जून को उसके मोबाइल पर अपडेट का मैसेज आया और अपडेट मैसेज समझकर उसे अपडेट करा तो उसका मोबाइल हैंग हो गया और उसके खाते से 35168 रूपये निकाल लिये गये। मामले में कार्रवाई के लिये गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए जिला जोधपुर के सिंधी भूटटो का बास किला रोड निवासी उवेश खान (22) को जोधपुर से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया।

सीसीटीवी कैमरे तोड़कर घर में घुसे दो बदमाश

जसरासर, (निसं)। क्षेत्र के कुचोर अगुणी गांव में एक घर और दुकान के गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़कर दो युवक मकान में घुस गए। इस मामले में पुलिस ने एक नामजद सहित दो युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुचोर अगुणी निवासी राम कुमार जाट ने पुलिस को बताया कि उनके घर और दुकान के गेट पर चार सीसीटीवी कैमरे लगे थे। 4 सितंबर की रात करीब 2:22 बजे दो युवक वहां पहुंचे और तीन कैमरे तोड़ दिए। इसके बाद वे गेट खोलकर मकान में घुस गए। घर में आवाज सुनकर राम कुमार के पिता की नींद खुल गई। उन्हें जागता देखकर दोनों युवक मौके से भाग गए। भागते समय आरोपियों ने घर पर पत्थर भी फेंके। बाद में सीसीटीवी फुटेज देखने पर एक युवक की पहचान गांव के ही दशरथ के रूप में हुई।

मकान के ताले तोड़ नकदी-गहने चोरी

- पानी की मोटर और मिक्सी भी ले गए चोर, ग्रामीणों में चोरी की घटनाओं को लेकर रोष

नोखा, (निसं)। यहां रोड़ा गांव में चोरों ने एक मकान के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मकान से करीब 25 हजार रुपए नकद, सोने का लॉकेट, पानी की मोटर और मिक्सी सहित कई सामान चुरा ले गए। इस घटना के बाद ग्रामीणों में गुस्सा है।

जानकारी के अनुसार रोड़ा गांव के रहने वाले गंगाराम बिश्नोई के मकान में अज्ञात चोर घुसे। मकान के ताले तोड़े और अंदर रखे 25 हजार रुपए नकद और सोने का लॉकेट चुरा लिया। वे घर में लगी पानी की मोटर और मिक्सी भी अपने साथ ले गए। चोरी की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मकान के टूटे तालों और बाकी हालात की जानकारी जुटाई। उन्होंने चोरी की इस घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस चोरों की पहचान कर उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रही है। इस घटना के बाद सरपंच ऋषिराज और गांव के लोगों ने पुलिस से चोरों का जल्द पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस को गश्त बढ़ानी चाहिए और संदिग्ध लोगों पर नजर रखनी चाहिए।

पार्वती बांध लबालब, चार गेट खोले, निचले इलाकों में अलर्ट जारी

कैचमेंट में लगातार बारिश से बांध का जलस्तर बढ़कर 223.05 मीटर पहुंचा

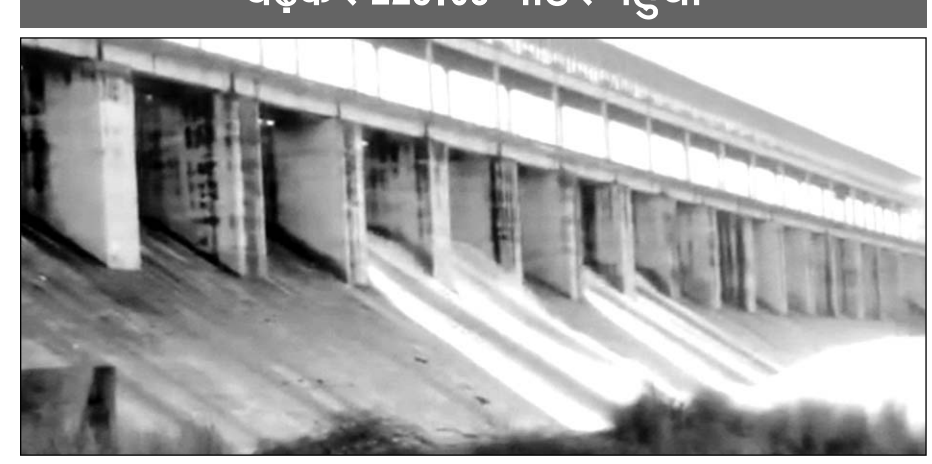

पार्वती बांध का जलस्तर बढ़ने के बाद जल संसाधन विभाग ने दो अतिरिक्त गेट खोले।

सरमथुरा, (निसं)। जिले के सबसे बड़े पार्वती बांध आंगई से रविवार सुबह बड़ी खबर सामने आई है। कैचमेंट में लगातार बारिश से बांध का जलस्तर बढ़कर 223.05 मीटर पहुंच गया है। जलस्तर बढ़ने के बाद जल संसाधन विभाग ने सुरक्षा को देखते हुए दो अतिरिक्त गेट खोल दिए हैं। रविवार सुबह 7 बजे दो और गेट खोले जाने के बाद अब कुल 4 गेट 2-2 फीट खुले हैं, जिनसे 4401.52 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। बांध की भराव क्षमता 223.41 मीटर है और वर्तमान जलस्तर इसके बेहद करीब पहुंच चुका है। पानी की आवक लगातार जारी है।

अभियंता पपेंद्र मीना ने बताया कि कैचमेंट में बारिश से पानी की आवक बनी हुई है। विभाग जलस्तर और निकासी पर लगातार नजर बनाए हुए है। आवक के अनुसार गेटों की स्थिति में बदलाव किया जा सकता है। बांध के गेट खुलने के बाद निचले इलाकों में प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। लोगों को नदी-नालों और पानी के बहाव वाले क्षेत्रों से दूर रहने तथा तेज बहाव को पार न करने की अपील की गई है। बांध क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन निगरानी बनाए हुए है।

चूरू में आठ साल की नाबालिग से दुष्कर्म

- एफआईआर दर्ज होने के तीन घण्टे के भीतर आरोपी को दबोचा

चूरू, (कासं)। पुलिस ने आठ साल की नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी सज्जन प्रजापत को त्वरित कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज होने के तीन घण्टे के भीतर दबोच लिया।

एस पी निश्चय प्रसाद एम ने बताया कि पुलिस थाना महिला में 4 सितम्बर को 8 साल की नाबालिग के साथ आरोपी सज्जन प्रजापत द्वारा दुष्कर्ष की घटना कारित करने की रिपोर्ट पेश हुई थी। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया और जांच हरि सिह धायल पुलिस उप अधीक्षक एससी/एसटी सेल चूरू के सुपुर्द की गई। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू निश्चय प्रसाद एम के निर्देशन में थानाधिकारी कुसुमलता पु.नि. के नेतृत्व में टीम का गठन कर आरोपी सज्जन प्रजापत पुत्र ज्ञान सिंह की लोकेशन ट्रेस कर प्रकरण दर्ज होने के महज तीन घण्टे के भीतर आरोपी को दस्तयाब कर अनुसंधान अधिकारी हरि सिंह धायल पुलिस उप अधीक्षक एससी/एसटी सेल चूरू के सुपुर्द किया गया। अनुसंधान अधिकारी द्वारा आरोपी सज्जन प्रजापत को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया दिया।

युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा थाना इलाके में एक युवक ने घर में फांसी लगाकर सुसाईड कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना इलाके में किराये से रहने वाले रोहित ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अनंतपुरा थानाधिकारी महेश कुमार ने बताया कि मूल रूप से झालावाड़ हाल अनंतपुरा बस्ती में किराये से रहने वाले रोहित (23) ने घर में फांसी का फंदा लगा लिया। थानाधिकारी ने बताया कि सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टा से मामले में सामने आया कि दोनों पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद रोहित ने फांसी लगा ली।

272 प्रतिबंधित कैप्सूल जब्त, दो को दबोचा

खेतड़ी, (निसं)। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मेहाड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 272 प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कैप्सूल के परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों से नशीले कैप्सूल की खरीद और सप्लाई से जुड़े नेटवर्क को लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 6 सितंबर को नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनाव की आचार संहिता के मद्देनजर मेहाड़ा थाना पुलिस की टीम ग्राम टीबा बसई से ग्राम ईलाखर जाने वाली आम सड़क पर नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए डाइसाइक्लोमाइन हाइड्रोक्लोराइड, ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड और एसिटामिनोफेन युक्त 272 नशीले कैप्सूल बरामद किए। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दीपक कुमार (29) पुत्र नंदलाल, निवासी बसई, थाना मेहाड़ा तथा संतोष (50) पुत्र रामनारायण, निवासी टीबा, थाना मेहाड़ा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। अब पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि आरोपियों ने इतनी मात्रा में प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल किस व्यक्ति से खरीदे थे और इन्हें आगे कहां सप्लाई किया जाना था। जांच के दौरान नशीले पदार्थों की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों के सामने आने की संभावना है।

34 किलो डोडा-पोस्त का खरीददार आरोपी गिरफ्त में

बज्जू, (निसं)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन नीलकंठ के तहत रणजीतपुरा पुलिस ने डोडा-पोस्त के एक खरीददार आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बांगड़सर निवासी 29 साल के सदाम हुसैन पुत्र हबीब खां को पकड़ा। आरोपी से अवैध डोडा-पोस्त की खरीद-फरोख्त को लेकर पूछताछ चल रही है।

थानाधिकारी जगदीशसिंह ने बताया कि 11 नवंबर 2025 को तत्कालीन बज्जू थानाधिकारी प्रेमसिंह और उनकी टीम ने बज्जू-बांगड़सर रोड पर कार्रवाई की थी। इस दौरान एक बिना नंबर की पिकअप की तलाशी ली गई। तलाशी में पिकअप से 34.305 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त मिला था। पुलिस ने पिकअप और मादक पदार्थ जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया था। इसका अनुसंधान रणजीतपुरा थानाधिकारी को सौंपा गया। जांच के दौरान पुलिस ने इस मामले में मौके से फरार आरोपी विकास पुत्र ईम्मीलाल, निवासी बज्जू खालसा को 10 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके बाद डोडा-पोस्त के सप्लायर प्रेमकुमार पुत्र जगमालराम, निवासी मोड़ायत को गत 3 सितंबर को पकड़ा गया। प्रेमकुमार को कोर्ट में पेश कर पुलिस हिरासत में लिया गया, जिससे मामले में पूछताछ जारी है। इसी जांच में डोडा-पोस्त के खरीददार के तौर पर सदाम हुसैन की भूमिका सामने आई। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त और नेटवर्क से जुड़े दूसरे पहलुओं को लेकर पूछताछ कर रही है।

स्मैक के साथ एक को पकड़ा

लूणकरणसर, (निसं)। पुलिस ने रविवार को नशे के खिलाफ कार्रवाई की। उन्होंने सहनीवाला गांव के पास एक व्यक्ति को 8.40 ग्राम चिट्टा स्मैक के साथ पकड़ा। आरोपी की पहचान सहनीवाला निवासी भंवरलाल पुत्र भोलूराम बिश्नोई (42) के रूप में हुई है। पुलिस टीम रविवार को इलाके में गश्त कर रही थी। सहनीवाला के पास एक व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। तलाशी लेने पर उसके पास से 8.40 ग्राम चिट्टा स्मैक मिला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

डीग में 51 किलो गांजे के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, दो कारें भी जब्त

- यूपी सीमा से गांजा लेकर आ रही थीं दो गाड़ियां, बैरिकेडिंग तोड़कर भागे तस्कर

थाना कोतवाली डीग और डीएसटी टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

डीग/भरतपुर, (निसं)। जिले में नगर निकाय चुनाव और उत्तर प्रदेश सीमा से सटे होने के चलते चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। थाना कोतवाली डीग और जिला डीएसटी टीम की संयुक्त कार्रवाई में शनिवार को 51.120 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। तस्करी में इस्तेमाल हो रही दो कारें भी जब्त कर ली गई हैं।

एसपी शरण गोपीनाथ कांबले ने बताया कि गश्त और सघन चेकिंग के दौरान डीएसटी टीम प्रभारी उप निरीक्षक अमर सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि सीमावर्ती यूपी के गोवर्धन कस्बे से दो गाड़ियां गांजा लेकर बहज होते हुए डीग की ओर आ रही हैं। सूचना मिलते ही डीएसटी टीम मय जाब्ता सक्रिय हो गई। उत्तर प्रदेश सीमा पर स्थित बहज चौकी पर पुलिस ने तेज रफ्तार से आ रही दोनों गाड़ियों को रोकने का इशारा किया, लेकिन तस्कर नहीं रुके और बैरिकेडिंग तोड़ते हुए डीग की तरफ फरार होने लगे। इस पर डीएसटी प्रभारी अमर सिंह ने तुरंत कंट्रोल रूम, एसपी और कोतवाली प्रभारी हीरालाल को सूचना दी। सूचना पाते ही थानाधिकारी ने मालीपुरा मोड़ पर तुरंत नाकाबंदी करवा दी। डीएसटी टीम गाड़ियों का पीछा करती रही और मालीपुरा मोड़ पर पहुंचते ही थानाधिकारी हीरालाल की टीम और डीएसटी दस्ते ने मिलकर घेराबंदी कर दी। पुलिस ने डिजायर और बलेनो कार समेत तीनों आरोपियों जीतेंद्र सिंह (30) पुत्र उमेश सिंह जाट निवासी रामपुरा थोक बहज, शीशपाल (35) पुत्र कुंवरपाल जाट निवासी राजीव कॉलोनी सेक्टर 58 बल्लभगढ़ (हरियाणा) और नरेश (30) पुत्र महावीर बैरागी निवासी राजीव कॉलोनी सेक्टर 58 बल्लभगढ़ (हरियाणा) को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में एक गाड़ी से करीब 20 किलोग्राम और दूसरी गाड़ी से लगभग 31 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इस तरह कुल 51.120 किलोग्राम अवैध गांजा और स्विफ्ट डिजायर व बलेनो कार जब्त की गईं। आरोपी गांजा परिवहन का कोई वैध लाइसेंस या अनुमति पत्र पेश नहीं कर सके, जिसके बाद थाना डीग में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की गई। मामले की अग्रिम जांच पुलिस थाना कुम्हेर के थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक जीतेंद्र सिंह कर रहे हैं।

बाबा रामदेवजी के अंतरप्रांतीय मेले का विधिवत आगाज़

रामदेवरा, (निसं)। लोकदेवता बाबा रामदेवजी की पावन धरा रामदेवरा में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। बाबा रामदेवजी का अंतरप्रांतीय मेला विधिवत रूप से शुरू हो गया है। देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं के रामदेवरा पहुंचने का सिलसिला तेज हो गया है। मेले के दौरान करीब 70 से 80 लाख श्रद्धालुओं के बाबा की समाधि के दर्शन करने की आस्था जताई जाती है।

बाबा रामदेवजी की नगरी इन दिनों भक्ति, श्रद्धा और सामाजिक समरसता के रंग में रंगी नजर आ रही है। करीब 640 वर्ष पूर्व बाबा रामदेवजी ने जाति-पाति, ऊंच-नीच और छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ पहल करते हुए मानव मात्र की समानता का संदेश दिया था। यही संदेश आज भी रामदेवरा मेले की सबसे बड़ी पहचान बना हुआ है।

रामदेवरा पहुंचने वाले श्रद्धालुओं में राजस्थान ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों की संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। कोई पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में नजर आता है तो कोई अपने प्रदेश की पारंपरिक पोशाक और पहनावे में बाबा की समाधि के दर्शन के लिए पहुंचता है। अलग-अलग भाषा, बोली, पहनावा और संस्कृति के बावजूद सभी श्रद्धालुओं की आस्था बाबा रामदेवजी के प्रति एक समान दिखाई देती है। 'विविधता में एकता' का यह दृश्य रामदेवरा मेले को देशभर में विशिष्ट पहचान देता है। श्रद्धालुओं के जत्थे पैदल, वाहनों और विभिन्न साधनों से रामदेवरा पहुंच रहे हैं। जगह-जगह ध्वज यात्राएं और बाबा के जयकारे वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं।

मेले के दौरान रामदेवरा जाने वाले मार्गों और आसपास के क्षेत्रों में जगह-जगह भंडारे और सेवा शिविर लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं के लिए भोजन, चाय, पानी और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। स्थानीय लोगों के साथ विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के कार्यकर्ता भी श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं। बाबा की समाधि के दर्शन के लिए उमड़ने वाली भीड़ में हर वर्ग और समुदाय के लोग शामिल होते हैं। यही कारण है कि रामदेवरा का मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का विराट उत्सव भी बन जाता है। मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के अलग-अलग पहनावे, बोलियां, परंपराएं और धार्मिक आस्थाएं रामदेवरा में भारत की सांस्कृतिक विविधता की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। अलग-अलग राज्यों से आए श्रद्धालु एक ही ध्येय के साथ बाबा रामदेवजी की समाधि पर शीश नवाते हैं। करीब छह शताब्दियों से अधिक समय बाद भी बाबा रामदेवजी का समरसता और मानवता का संदेश जनमानस में जीवंत है।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में गणेशोत्सव आज से शुरू

जयपुर। छोटी काशी जयपुर के प्रसिद्ध मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भगवान गणेश का नौ दिवसीय जन्मोत्सव 7 से 15 सितंबर तक मनाया जाएगा। इस दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ विभिन्न झांकियां, पंचामृत अभिषेक, मोदक, फल-सब्जी और फूलों की सजावट, सिंजारा, शास्त्रीय संगीत और कथक नृत्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि नौ दिनों में प्रतिदिन भगवान गजानन के दरबार का स्वरूप बदला नजर आएगा। उत्सव में करीब 16 हजार किलो सामग्री से तैयार मोदक भगवान को अर्पित किए जाएंगे।

मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि 7 सितंबर को सुबह 9 बजे कलश यात्रा एवं जलाभिषेक के साथ उत्सव का शुभारंभ होगा। 8 सितंबर को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर सुबह 8 बजे 348 किलो पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा। इसमें 251 किलो दूध, 50 किलो दही, 25 किलो बूरा, 11 किलो शहद और 11 किलो शुद्ध घी शामिल रहेगा। इसी दिन केले और छप्पन भोग की झांकी सजाई जाएगी तथा शाम 6 बजे ध्रुपद गायन होगा।

9 सितंबर को मोदकों की भव्य झांकी सजाई जाएगी।

ग्लोबल नर्सिंग समिट में भविष्य की तकनीक पर विशेषज्ञों ने मंथन किया

विशेषज्ञों ने रोबोटिक नर्सिंग, सिमुलेशन आधारित शिक्षा पर विचार रखे

नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं आरएच हेल्थ केयर सिमुलेशन सेंटर के तत्वावधान में समिट का समापन हुआ।

■ नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं आरएच हेल्थ केयर सिमुलेशन सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ग्लोबल नर्सिंग समिट का समापन

जयपुर । नर्सिंग क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीक को आम नर्सेज तक पहुंचाने के संकल्प के साथ नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं आरएच हेल्थ केयर सिमुलेशन सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ग्लोबल नर्सिंग समिट का रविवार को समापन हुआ। विशेषज्ञों ने समिट के दूसरे दिन नर्सिंग शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक नर्सिंग, सिमुलेशन आधारित शिक्षा और इमरजेंसी नर्सिंग सहित विभिन्न विषयों पर विचार रखे।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. कुंजीलाल मीणा रहे। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव सोनी रहे। डॉ. मीणा ने आयोजन समिति को नर्सिंग क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि दुनिया रोबोटिक नर्सिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ओर बढ़ रही है। ऐसे समय में इस तरह का आयोजन नर्सिंग क्षेत्र के लिए सार्थक और उपयोगी है।

भारत सरकार की नर्सिंग एडवाइजर दीपिका खाका ने ऑनलाइन माध्यम से भविष्य में नर्सिंग के बदलते स्वरूप पर जानकारी दी। एनएनएमसी ड्राफ्ट कमेटी की चेयरमैन डॉ. विमला कपूर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नवाचार, सिमुलेशन आधारित नर्सिंग एजुकेशन, रोबोटिक नर्सिंग और इमरजेंसी नर्सिंग लीडरशिप सहित विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष गौरव सोनी ने आठवें वेतन आयोग और राष्ट्रीय स्तर पर कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं पर विचार रखे। उन्होंने नर्सिंग शिक्षकों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया।

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. राहुल शर्मा और सचिव पुरुषोत्तम ने बताया कि अकादमिक सत्रों में डॉ. मंजू चुगानी ने रोबोटिक नर्सिंग, डॉ. सुखपाल कौर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन सर्जिकल केयर, डॉ. जुबेदा रोहमावती ने संबंधित विषय, डॉ. आई. क्लेमेंट ने एआई इनेबल्ड नर्सिंग एजुकेशन और डॉ. लवसंपूर्ण जोतकोर ने टेक्नोलॉजी के माध्यम से नर्सिंग एजुकेशन में बदलाव पर प्रस्तुतियां दीं।

विभिन्न सत्रों का संचालन एवं समापन सेशन चेयरपर्सन डॉ. सुरेश शर्मा, घनश्याम जांगिड़, अनेश सैनी, डॉ. हरिचरण रावत, डॉ. अशोक ढाका बिश्नोई, डॉ. बी.एल. यादव और डॉ. नवनीता क्रिस्ट ने किया।

नर्सिंग शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. फारुख खान ने स्वागत भाषण दिया। आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष डॉ. विष्णु स्वर्णकार और डॉ. अंकित गर्ग ने डेलीगेट्स का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन एंकर प्रीति सक्सेना ने किया।

समिट के दौरान एक्सीलेंट नर्सिंग लीडरशिप अवार्ड, एक्सीलेंट नर्सिंग टीचर्स अवार्ड और एक्सीलेंट क्लीनिकल नर्सेज अवार्ड से कई नर्सेज को सम्मानित किया गया।

समिट का प्रमुख आकर्षण कामा हॉस्पिटल, मुंबई की सीनियर नर्सिंग ऑफिसर अंजलि विजय कुलथे रहीं। वह 2011 के मुंबई आतंकी हमले की घटना पर आधारित फिल्म भारत भाग्य विधाता से जुड़ी कहानी की प्रमुख पात्र रही हैं।

सार-समाचार

ज्ञानपीठ की पहली वर्षगांठ पर परशुराम ज्ञानपीठ के दिव्य प्रतीक का अनावरण

जयपुर। परशुराम ज्ञानपीठ के दिव्य प्रतीक का रविवार को ज्ञानपीठ की पहली वर्षगांठ पर विधिवत अनावरण किया गया। इस दिव्य प्रतीक में भारतीय ज्ञान-परम्परा, अनुसंधान और मानवीय उत्कर्ष का दृश्य-संकल्प दर्शाया गया है। लोकार्पण ज्ञानपीठ के कार्यकारी अध्यक्ष हरि प्रसाद शर्मा, विक्की के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय बसोतिया, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा,परमेश्वर शर्मा और नरेंद्र हर्ष ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं ज्ञानपीठ संचालन समिति सचिव सतीश शर्मा, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव अजय पारीक,राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र शर्मा, सोशल मीडिया राष्ट्रीय प्रभारी राहुल पांडे, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण अवतार त्रिवेदी, जोन के प्रदेश महामंत्री गजेंद्र ज्ञानपुरिया, सुशील शर्मा पीरनगर, जयपुर शहर अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, बसंत शर्मा सहित विप्र फाउंडेशन से जुड़े अनेक पदाधिकारी एवं ज्ञानपीठ छात्रावास की बालिकाएं मौजूद थीं।

निर्दलीय प्रत्याशी विष्णु बियानी का पानीपेच में पांच जगह तुलादान किया

जयपुर। वार्ड नंबर 101 से निर्दलीय प्रत्याशी विष्णु बियानी चुनाव चिन्ह चक्की का आज नेहरू नगर पानीपेच क्षेत्र में पांच जगह तुलादान किया गया। जिसमें केले, सेब, अमरूद एवं गुड से तोला गया। यह कार्यक्रम संभवत प्रथम कार्यक्रम होगा जिसमें एक पार्षद प्रत्याशी का इतना बड़ा तुलादान किया गया हो

अवैध हथियारों के साथ दो युवक गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर ग्रामीण की चंदवाजी थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल, दो मैगजीन और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने हथियार बानसूर क्षेत्र के एक गांव से लाना बताया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि डीएसटी की सूचना पर चंदवाजी थाने के सहायक उप निरीक्षक श्रवण लाल जाप्ते के साथ गश्त एवं निगरानी पर थे। पुलिस की गश्ती वाहन को देखकर दोनों भागने लगे। संदेह होने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर तलाशी ली गई। पुलिस के मुताबिक राजवीर सिंह उर्फ राजू राजपूत (20) की पैंट से एक पिस्टल मय मैगजीन, जबकि विजय कुमार हरिजन उर्फ गुनू (22) के पजामे से एक लोहे की मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद हुआ। दोनो ही आरोपित पिसांगन जिला अजमेर हाल निवासी अचरोल जयपुर ग्रामीण के रहने वाले है। हथियार रखने का वैध लाइसेंस नहीं मिलने पर पुलिस ने हथियार जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हथियार की खरीद-फरोख्त और आरोपियों के नेटवर्क के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

चैंबर नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली डॉ. अनुभा जैन सम्मानित

बेंगलुरु। वरिष्ठ पत्रकार व राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आरसीसीआई) की एडिशनल ऑनरेरी सेक्रेटरी डॉ. अनुभा जैन को फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफकेसीसीआई) में आयोजित एफकेसीसीआई-उबुंटू कंसोर्टियम ऑफ विमेन एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशंस के पांचवें संस्करण के कार्यक्रम टुगेदर वी ग्रो में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने किया, जिसका आयोजन बेंगलुरु स्थित एफकेसीसीआई में किया गया। डॉ. अनुभा जैन को कर्नाटक सरकार की पूर्व मुख्य सचिव एवं उबुंटू कंसोर्टियम की संस्थापक अध्यक्ष के. रत्नप्रभा, आईएएस (सेवानिवृत्त); उमा रेड्डी, एफकेसीसीआई के 110 वर्ष के इतिहास में पहली महिला अध्यक्ष और इसकी वर्तमान अध्यक्ष; एफकेसीसीआई के निर्वाचित उपाध्यक्ष साई राम प्रसाद तथा एफकेसीसीआई के अन्य पदाधिकारियों ने शील्ड और शॉल प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान डॉ. जैन को उनके नेतृत्व, पत्रकारिता एवं जनहित के मुद्दों की पैरवी में योगदान तथा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की पहलों से उनके जुड़ाव के लिए प्रदान किया गया।

'सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा'

जयपुर । सड़क सुरक्षा के प्रति युवाओं में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें जिम्मेदार सड़क उपयोगकर्ता बनाने के उद्देश्य से प्रादेशिक परिवहन कार्यालय (आरटीओ) जयपुर में पदस्थापित इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने खेतान पॉलिटेक्निक कॉलेज, जयपुर के परिसर में मुस्कान फाउंडेशन फॉर रोड सेफ्टी के साथ खेतान पॉलीटेक्निक कॉलेज जयपुर एल्यूमनाई एसोसिएशन के द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में जीवन रक्षा पर व्याख्यान दिया । इस प्रोग्राम में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में खेतान पॉलीटेक्निक कॉलेज के साथ-साथ राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज जयपुर एवं राजकिय पॉलीटेक्निक कॉलेज फागी के विद्यार्थी भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सीनियर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह जो की खेतान पॉलीटेक्निक के पूर्व छात्र है, ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने देश एवं राजस्थान में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति से संबंधित आंकड़े साझा करते हुए युवाओं से सड़क सुरक्षा को अपनी दैनिक आदतों का हिस्सा बनाने का आव्हान किया।

बाडमेर में अफीम व डोडा-चूरा सहित दो आरोपी गिरफ्तार

■ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने बाडमेर और नागौर जिले में दो अलग-अलग कार्रवाइयों को अंजाम दिया

■ एएनटीएफ ने 7.642 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम, 602 ग्राम निर्मित अफीम तथा 45.959 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया

जालोर, (निसं)। नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने बाडमेर और नागौर जिले में दो अलग-अलग कार्रवाइयों को अंजाम दिया। कार्रवाई में बडी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

प्रकरण के अनुसार पहली कार्रवाई में बाडमेर जिले के सेडवा थाना क्षेत्र में एएनटीएफ ने 7.642 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम, 602 ग्राम निर्मित अफीम तथा 45.959 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। मामले में अर्जुन राम पुत्र पीमाराम, उम्र करीब 60 वर्ष, निवासी समा की ढाणी, थाना सेडवा, जिला बाडमेर को गिरफ्तार किया गया। टीम को सूचना मिली थी कि आरोपी अपने घर और खेत में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर रखता है। टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मौके पर पहुंचकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान घर के पास तथा खेत में अलग-अलग स्थानों पर गड्ढे खोदकर और मिट्टी की बोरियों में छिपाकर रखा गया मादक पदार्थ बरामद किया गया।

वही दूसरी कार्रवाई में नागौर जिले के मेडता रोड थाना क्षेत्र में हुञ्चस्न ने 5.15 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद किया। साथ ही अवैध मादक पदार्थ की बिक्री से प्राप्त 6,200 रुपये भी जब्त किए गए। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के अनुसार नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

अलवर में साइबर फ्रॉड के खिलाफ पुलिस की मैराथन

■ यह दौड़ शहर के प्रमुख मार्ग एसएमडी सर्किल से होते हुए वापस ऑडिटोरियम पर आकर संपन्न हुई

अलवर। अलवर में बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट जैसी ठगी से आमजन को बचाने के लिए पुलिस ने अनोखी पहल की है। साइबर सुरक्षित राजस्थान अभियान के तहत रविवार को जिला मुख्यालय पर साइबर सुरक्षा मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिसकर्मियों, युवाओं और नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट जैसी ठगी से आमजन को बचाने के लिए अलवर में साइबर सुरक्षा मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। अलवर जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि यह मैराथन डॉ. दीपक कुमार (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय) के निर्देशन तथा वीरेंद्र सिंह भाटी (डीएसपी, साइबर क्राइम) व मनीष शर्मा (सीओ, अलवर दक्षिण) के सुपरविजन में आयोजित की गई। मैराथन की शुरुआत प्रताप ऑडिटोरियम से हुई, जिसे एएसपी डॉ. दीपक कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह दौड़ शहर के प्रमुख मार्ग एसएमडी सर्किल से होते हुए वापस ऑडिटोरियम पर आकर संपन्न हुई। इस आयोजन में जिले के विभिन्न थानों के पुलिस अधिकारी, पुलिस लाइन के जवान, बड़ी संख्या में शहर के युवा, छात्र और आम नागरिक शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने और साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आज के दौर में इंटरनेट जितना उपयोगी है, लापरवाही बरतने पर उतना ही खतरनाक भी हो सकता है। ऐसे में हर नागरिक का जागरूक होना ही साइबर अपराध से बचने का सबसे मजबूत हथियार है।

साइबर थाना पुलिस की टीम ने उपस्थित लोगों को आजकल हो रहे नए-नए तरीकों के फ्रॉड के बारे में विस्तार से समझाया। पुलिस ने खासतौर पर इन बातों के प्रति सचेत किया

डिजिटल अरेस्ट- अनजान कॉल पर पुलिस या सीबीआई अधिकारी बनकर डराने वालों के झांसे में बिल्कुल न आएं। ओटीपी व बैंकिंग फ्रॉड- अपना बैंक पासवर्ड, ओटीपी, सीवीवी या डेबिट/क्रेडिट कार्ड की जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति से साझा न करें।

संदिग्ध लिंक और लॉटरी मैसेज- अनजान नंबरों से आए किसी भी लिंक या ऐप डाउनलोड करने वाले संदेशों पर क्लिक करने से बचें। सोशल मीडिया सुरक्षा- सोशल मीडिया पर अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट और ब्लैकमेलिंग से सतर्क रहें। अलवर पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी के साथ किसी भी तरह की ऑनलाइन ठगी या साइबर अपराध घटित होता है, तो वह बिना घबराए तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करे।

श्योसिहपुरा से चौथ का बरवाड़ा के लिए पद यात्रा रवाना

सिरस। गांव श्योसिहपुरा से चौथ का बरवाड़ा के लिए पद यात्रा गाजे बाजे के साथ रवाना हुई। इस दौरान माताजी के गगन भेदी जयकारों से आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। पदयात्रा को ठाकुर जी महाराज मन्दिर से प. सत्यनारायण शर्मा द्वारा विधि विधान व श्रद्धा पूर्वक ध्वज पूजन करके चौथ माता के जयकारों के साथ रवाना किया गया।

पद यात्रा में महिला पुरुषों ने उत्साह के साथ बढ़ चढकर भाग लिया। पैदल यात्री चौथ माता मन्दिर में ध्वज चढाकर सुख शांति की मनोकामना को लेकर ढोक लगाएगे। इस अवसर पर सत्यनारायण जाट, हरिशंकर जाट, मुकेश परजापत, शोराज कुमार, राकेश योगी, मुरारी परजापत, हरिराम जाट, कैदार परजापत, तुलसीराम, राजु, देशराज, छोटु गुर्जर, कमल, गुलाब देवी, गोकली देवी, गुड्डी, ममता योगी व गडुली देवी सहित कई महिला पुरुष व बच्चे मोजूद थे।

आरयू में नेशनल आर्टिस्ट क्रिएटिव कैंप आज से

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के चित्रकला विभाग की ओर सेनेशनल आर्टिस्ट क्रिएटिव कैंप का आयोजन 7 से 10 सितंबर, 2026 तक किया जाएगा। कैंप का उद्घाटन7 सितंबर को प्रात: 10:30 बजे राजस्थान विश्वविद्यालय के म्यूजिक हॉल में होगा। उद्घाटन समारोह में सांसद मंजू शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी, जबकि अर्चना सुराणा विशिष्ट अतिथि होंगी। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा करेंगी। आयोजकों के अनुसार, इस चार दिवसीय क्रिएटिव कैंप में विभिन्न राज्यों के 11 कलाकार हिस्सा लेंगे। कलाकार कैंप के दौरान लाइव पेंटिंग का प्रदर्शन करने के साथ-साथ राजस्थान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद भी करेंगे। कलाकारों की कला शैली, अनुभवों को करीब से समझने का अवसर मिलेगा।

योगाचार्य ढ़ाकाराम "भारत योग रत्न अवॉर्ड 2026" से सम्मानित

समारोह में योगाचार्य ढाकाराम को सम्मान-पत्र प्रदान किया।

जयपुर। योग के क्षेत्र में दीर्घकालीन योगदान, समर्पित सेवाओं तथा योग, स्वास्थ्य एवं वेलनेस के प्रचार-प्रसार के लिए योगाचार्य ढाकाराम को प्रतिष्ठित 'भारत योग रत्न अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान समारोह एवरेस्ट योगा एंड पिलाटेस इंस्टीट्यूट द्वारा इंडियन योगा एसोसिएशन, पंजाब चैप्टर के सहयोग से क्ले वर्ल्ड स्कूल, लुधियाना में आयोजित किया गया। समारोह में योगाचार्य ढाकाराम को सम्मान-पत्र प्रदान किया गया, जिसमें योग, स्वास्थ्य एवं वेलनेस के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और समर्पित सेवाओं को मान्यता दी गई।

इस आयोजन को सफल बनाने में संजीव त्यागी और कविता त्यागी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों ने आयोजन की रूपरेखा, समन्वय तथा सम्मान समारोह की व्यवस्थाओं में सक्रिय योगदान दिया। उनके प्रयासों से कार्यक्रम को गरिमापूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न किया गया।

समारोह के दौरान योगाचार्य ढाकाराम के योग के प्रति निरंतर समर्पण और समाज में योग के माध्यम से स्वास्थ्य एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की गई। सम्मान-पत्र में उन्हें योग, स्वास्थ्य एवं वेलनेस के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान तथा समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किए जाने का उल्लेख किया गया।

'भारत योग रत्न अवॉर्ड 2026' योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में आयोजित किया गया। इस अवसर पर योग की भारतीय परंपरा, स्वस्थ जीवनशैली और समाज में योग की बढ़ती भूमिका पर भी विशेष जोर दिया।

स्वास्थ्य कल्याण इंस्टिट्यूट में न्यूट्रिशन सप्ताह का समापन कल

जयपुर। स्वास्थ्य कल्याण इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज, सीतापुरा, जयपुर में 1 सितंबर से 7 सितंबर 2026 तक न्यूट्रीशन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताहभर चलने वाले इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में संतुलित आहार, पोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

न्यूट्रीशन सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पोषण के विभिन्न पहलुओं पर आधारित पोस्टर्स की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। विद्यार्थियों ने अपने पोस्टर्स के माध्यम से संतुलित आहार, विभिन्न पोषक तत्वों, स्वस्थ खान-पान एवं पोषण के महत्व को बेहद रचनात्मक एवं खूबसूरत ढंग से प्रस्तुत किया।

इसी क्रम में फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने बिना आग के विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजन तैयार कर अपनी रचनात्मकता एवं पोषण संबंधी ज्ञान का प्रदर्शन किया।

पोषण सप्ताह के समापन अवसर पर 7 सितंबर 2026 को हेल्दी बेकिंग वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष कार्यशाला का संचालन रेनू अमिताभ , पूर्व डायरेक्टर जनरल इंकम टैक्स (इनवेस्टिगेशन), राजस्थान एवं रेणुस ब्रैड बेकर की संस्थापक, द्वारा किया जाएगा।

रेनू अमिताभ पिछले एक दशक से भी अधिक समय से हेल्दी बेकिंग के क्षेत्र से जुडी हुई हैं और बतौर बेकिंग एजुकेटर कार्य कर रही हैं। उन्होंने अब तक 1500 से अधिक बेकर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया है तथा 100 से अधिक हैंड्स-ऑन वर्कशॉप्स आयोजित की हैं।

सेंट्रल जेल की बैरक में मिला मोबाइल

■ फुटेज में एक बंदी मोबाइल कॉल पर बात करता दिखाई दिया

जयपुर। लाल कोठी थाना इलाके में स्थित जयपुर सेंट्रल जेल में बंदियों के मोबाइल इस्तेमाल करने का मामला सामने आया है। जेल प्रशासन की निगरानी के दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक बंदी मोबाइल पर कॉल कर बात करता दिखाई दिया। कॉल खत्म करने के बाद उसने मोबाइल अपने साथी बंदी को देकर बैरक में छिपवा दिया। जेल प्रशासन ने फुटेज के आधार पर बैरक की तलाशी लेकर मोबाइल जब्त किया और दोनों बंदियों के खिलाफ लालकोठी थाने में मामला दर्ज करवाया।

जांच अधिकारी एएसआई सूरजमल ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल के प्रहरी देशराज मीणा (30) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट के अनुसार वार्ड नंबर-5 की बैरक संख्या-9 में बंदी विष्णु सांसी बंद है। तलाशी के दौरान उसकी बैरक से मोबाइल बरामद हुआ, जिसे जब्त कर लिया गया।

जेल प्रशासन बैरकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की निगरानी कर रहा था। शुक्रवार रात की फुटेज में बंदी शिवराज गुर्जर मोबाइल पर कॉल कर बात करता दिखाई दिया। कॉल खत्म होने के बाद शिवराज ने मोबाइल छिपाने के लिए उसे साथी बंदी विष्णु सांसी को दे दिया। विष्णु ने मोबाइल अपनी बैरक में छिपा दिया।

फुटेज के आधार पर जेल प्रशासन ने बैरक में सर्च अभियान चलाया और छिपाकर रखा मोबाइल बरामद कर लिया। इसके बाद जब्त मोबाइल को लालकोठी थाने में जमा करवाया गया।

पुलिस ने जेल प्रशासन की रिपोर्ट पर बंदी विष्णु सांसी और शिवराज गुर्जर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मतदाता जागरूकता साइकिल रैली निकाली

सीईओ शुभम भैंसारे ने मतदाता जागरूकता साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाई ।

■ कार्यक्रम के तहत अमर जवान ज्योति जनपथ एसएमएस स्टेडियम से जलमहल तक मतदाता जागरूकता साइकिल रैली आयोजित की

जयपुर। नगरीय निकाय आम चुनाव में आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन कार्यालय जयपुर एवं राजस्थान रोड़ राइडर्स साइकलिंग क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 'स्वीप' (सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता) कार्यक्रम के तहत अमर जवान ज्योति जनपथ एसएमएस स्टेडियम से जलमहल तक मतदाता जागरूकता साइकिल रैली आयोजित की गई।

रैली को अमर जवान ज्योति से स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी एवं सीईओ जिला परिषद् शुभम भैंसारे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं ने भी साइक्लिंग कर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया।

इस दौरान उन्होंने बताया कि जिस प्रकार स्वास्थ्य के लिए साइक्लिंग करना आवश्यक है उसी प्रकार स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदान अतिमहत्त्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में 9 सितंबर बुधवार को 2 नगर परिषद् एवं 16 नगर पालिकाओं के 540 वार्डों के वहीं 11 सितंबर शुक्रवार को जयपुर नगर निगम के कुल 150 वार्डों के लिए प्रातः 7 बजे से सांय 6 बजे तक मतदान होगा। उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के इस पर्व में अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबुत करने की अपील की है। इस अवसर पर राजस्थान रोड राइडर्स के संरक्षक डॉक्टर जी एल शर्मा, अध्यक्ष विजेंद्र सिंह पाड़ला , उप निदेशक जन संपर्क हेमंत सिंह, जिला नोडल स्वीप समन्वयक दिनकर शर्मा, रॉबिन हुड आर्मी जयपुर की संयोजक रेनू जिंदल सहित अन्य साइक्लिस्ट ने मतदाता जागरूकता की अलख जगाई।

Superhuman Day 2025

Celebrated on September 7, Superhuman Day honours individuals who push beyond ordinary limits, inspiring others with resilience, determination, and extraordinary spirit. From athletes overcoming physical challenges to everyday heroes breaking barriers in science, arts, and society, the day is a reminder that "superhuman" strength often comes from within. It encourages people to recognize their own potential, celebrate perseverance, and admire those who redefine boundaries of human ability. Observed worldwide, the day promotes positivity, empowerment, and a deeper appreciation for human courage and innovation that make ordinary lives truly extraordinary.

#INFINITY IN THOUGHT

Enormous Numbers in Ancient Indian Tradition

Buddha is said to describe a sequence of numbers increasing in powers, eventually reaching figures as large as 10^{53}, which is called *Tallakshana*

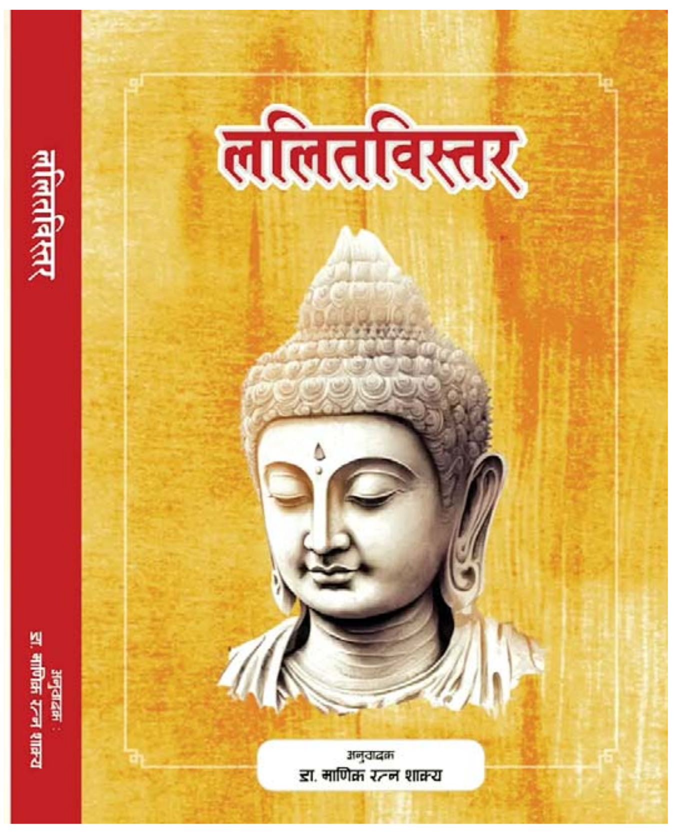

Ancient Indian texts often reveal a remarkable fascination with vast numbers, figures so large that they stretch the imagination even today. One such account appears in the Lalitavistara Sutra, which narrates episodes from the life of Gautama Buddha, blending philosophy, symbolism, and intellectual challenge.

According to tradition, during the time of his marriage to Princess Gopa, Buddha was asked to demonstrate his intellectual and scholarly abilities. Among the tests presented to him was one rooted in mathematics, a challenge meant to assess not just counting ability, but conceptual understanding.

In this account, Buddha is said to describe a sequence of numbers increasing in powers, eventually reaching figures as large as 10 to the power 53. This system of naming and conceptualizing extremely large numbers is sometimes associated with terms like *Tallakshana*, reflecting a structured approach to numerical expansion in ancient Indian thought.

But the narrative goes further.

When asked why such enormous numbers would even be necessary, the explanation becomes philosophical as much as mathematical. Buddha is said to respond with examples drawn from nature: if one were to count all the grains of sand in the Ganges River, one would require numbers far beyond ordinary comprehension. Extending this idea even further, the text speaks of numbers reaching magnitudes like 10 to the power 700, figures that attempt to quantify not just earthly quantities, but something as vast as the particles in the universe itself.

This was not mathematics

in the modern computational sense. Instead, it reflected a deep intellectual curiosity about scale, infinity, and the limits of human understanding. Ancient Indian scholars were among the first to systematically name and work with extremely large numbers, long before such magnitudes became common in scientific notation.

The purpose of these numbers was not purely practical. They served multiple roles:

- **Philosophical:** To illustrate the vastness of the cosmos and the insignificance of individual existence.
- **Spiritual:** To evoke a sense of awe and contemplation about infinity and time.
- **Intellectual:** To demonstrate mastery over abstract thinking and numerical systems.

In this way, the story is less about a literal "math test" and more about showcasing the intellectual culture of the time, one that did not shy away from grappling with infinity. The idea of counting every grain of sand in the Ganges or every particle in the universe may seem impossible, but that is precisely the point. These immense numbers symbolize the boundless nature of reality and the human attempt to comprehend it.

Through such narratives, ancient Indian traditions remind us that mathematics is not only about calculation, it is also about imagination, philosophy, and the courage to think beyond limits.

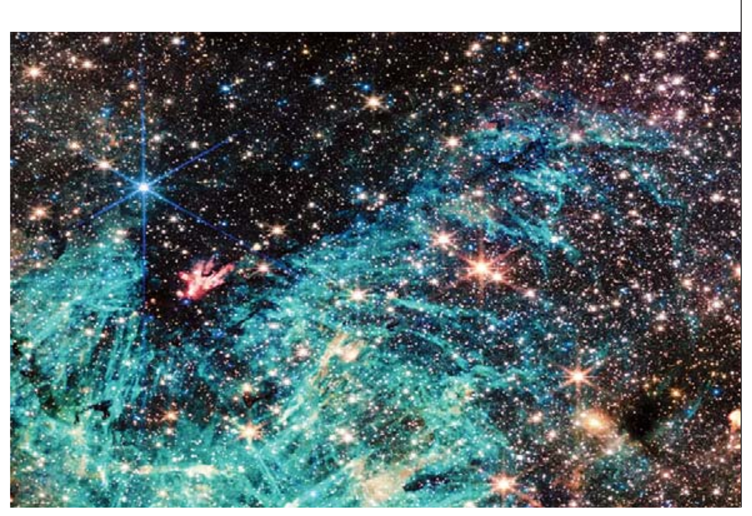

Heavy rains during the battle ruined Siraj's gunpowder, while the British guns remained dry. Mir Jafar betrayed Siraj. July 3, 1757. The mutilated body of the last independent Nawab of Bengal was paraded around Murshidabad town on the back of his favourite elephant. Siraj-ud Daulah had been executed the day before, having lost the Battle of Plassey to the British. The British victory transformed them from traders into rulers, and Bengal's vast wealth began flowing to Britain. The Jagat Seths, however, soon realized their mistake. Once the British no longer needed them, they took control of Bengal's treasury and mint, rendering the Seths' financial empire irrelevant. In 1763, Mir Qasim ordered the execution of Jagat Seth Mahtab Chand and Swarup Chand, having their bodies thrown from Munger Fort.

The Slap That Changed Indian History

House Of Jagat Seth Complex, Mahimapur, Murshidabad.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

Imagine a single family so wealthy that their fortune surpassed those on today's global rich lists. That was the Jagat Seth family of Bengal in the 18th century. Originally Jain Marwari bankers from Rajasthan, they became the financial backbone of the Mughal Empire's richest province, Bengal. They controlled coin minting, managed state revenues, financed trade, and influenced politics at the highest level.

The most prominent members of this family were Seth Madhab Rai, and his cousin Maharaj Swaroop Chand, the last two scions of this empire. The family was established by a man called Hiranand Sahu, a jeweller who started lending money at an exorbitant rate and would only take land as collateral.

The Seth family was not royalty per se, but they were connected to the Royals of Bengal. Historically, the family was basically into trading fabrics, spices and artifacts. They eventually started lending money to people, from which they made a huge fortune. Saying they were filthy rich would be like saying that Jeff Bezos owns peanuts. In today's money, they had holdings that would be worth about 1000 Billion Pounds or more. Heck, British documents have shown that they had more money than all the banks in England combined. Some reports also estimate that the British economy back in the 1720s was smaller than the wealth the Jagat Seths had.

To put things into perspective, consider this, they owned about half of the total land in undivided Bengal. Combine Assam, Bangladesh and West Bengal, they owned half of that. Their story is a timeless lesson in how immense financial power can be lost through political ambition. The Jagat Seths were once so rich that their wealth, estimated at around 8.3 lakh crore (about $1 trillion today), made them among the richest families in history. They lent money to both the Mughals and later to the British East India Company.

Origins and Rise

The family's legacy began in the 16th century with a wealthy banker named Manik Chand, who earned the title "Jagat Seth," meaning "Banker of the World," from Mughal Emperor Farrukhsiyar. Manik Chand had moved from Patna to Dhaka in the early 1700s to establish a trading business. When Bengal's capital shifted to Murshidabad, he followed and soon became the banker and financial adviser to the Nawab. In 1712, Emperor Farrukhsiyar further honoured him with the title "Nagar Seth" (banker of the city).

After Manik Chand's death in 1714, his nephew and adopted son Fateh Chand took charge and expanded the family business. Under his leadership, the Jagat Seth family's influence grew enormously. British historian Robert Orme described the Jagat Seths as the wealthiest family in the Mughal Empire, possessing vast influence over Bengal's administration. Their banking empire was often compared to the Bank of England in importance. They managed government funds, collected revenue, and even minted coins. Some historical accounts claim that their wealth exceeded that of the entire British economy of the 1720s. After Fateh Chand, his grandson Mahtab Chand and cousin Maharaja Swarup Chand took over the business in 1744. Both were highly influential during the reign of Alivardi Khan, the Nawab of Bengal. However, their fortunes began to turn when Siraj-ud-Daulah became Nawab. Facing growing hostility, the family allied with the British East India Company, a move that would change India's history forever.

The temple associated with memory of Jagat Seth's house at Madhapur.

#TURN OF FORTUNE

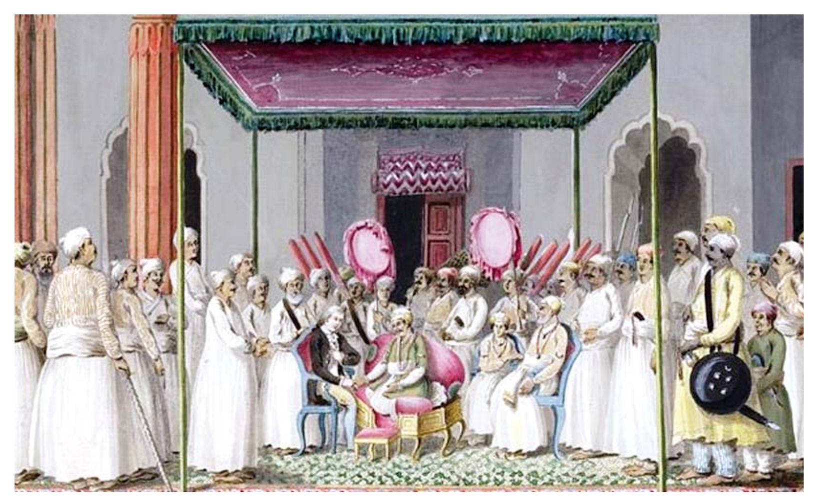

India's Richest Banker, Jagat Seth.

Siraj-ud-Daula.

Corridor of Jagat Seth's office.

Garden Bench, House Of Jagat Seth.

The Fall of the Jagat Seths

At the height of their influence, the Jagat Seths were not only bankers but also political kingmakers, capable of making or unmaking rulers. Yet, their greatest mistake was allowing business and politics to intertwine with emotions. It is true that soon after ascending the throne of Bengal, Nawab Siraj-ud-Daulah demanded a massive tribute of Rs. 3 crores from Jagat Seth Mehtab Chand, the head of the phenomenally wealthy Jagat Seth banking family. When the banker refused, Siraj-ud-Daulah slapped him in open court in front of his packed assembly. On another occasion, he forced an English officer to go down on his knees and beg mercy in pidgin Bengali. ("Tomar ghulam, tomar ghulam," stammered the Englishman between violent sobs.) This public humiliation proved to be a fatal political miscalculation. Striking a man whose personal wealth was said to exceed that of many kings alienated the most powerful financier in the region. As a direct result, the Jagat Seths threw their immense financial weight and influence behind Robert Clive, funding the British conspiracy and paving the way for the Nawab's defeat at the Battle of Plassey in 1757.

You would think that these acts were typical of an ultra-aggressive, super-confident man, one whose fists work faster than his tongue and to whom satisfying his inflated ego is more important than looking after the finer points of diplomacy.

The truth, however, is different. Siraj's outbursts were more in the nature of a Nawab's desperate attempts to establish his credentials as a man among stalwarts who had always looked on him as a child. He had grown up under the protective shadow of his grandfather; he always had the reassuring hand of Alivardi Khan on his shoulder, and when that hand was cruelly removed by death, Siraj found his situation not unlike that of a fawn trapped amid wolves. Hostile powers pressed in on his kingdom from all sides; his capital was a hotbed of conspiracies and intrigues; and he felt compelled to show more confidence than he felt, exercise more power than he possessed, and act more precipitously than he would under other circumstances.

But even the best mask falls off after a while. The aggressive facade couldn't hide forever the terror that lurked at the root of Siraj's soul, and when he tried to mend fences with Jagat Seth and the English after having first overshot his mark, it had the bearings of a greenhorn who doesn't feel equal to combating a crisis. His enemies were kicking up a deadly storm; the vessel of his kingdom was rapidly sinking, and it required an experienced pair of hands to steer that vessel to safety. But the experienced hands weren't coming, and when it was left to Siraj's novice hands that had done precious little apart from holding wine cups, there was only one outcome that was possible: Siraj losing his Bengal, and Bengal losing her halcyon days.

Battle of Plassey and Its Aftermath

The Battle of Plassey, fought on June 23, 1757, marked the beginning of British rule in India. The British army, led by Robert Clive, had only 3,000 men against Siraj's 50,000 soldiers, but the Seths' financial and political support turned the tide. They helped Clive bribe Mir Jafar, one of Siraj's commanders, promising to make him the next Nawab.

Heavy rains during the battle ruined Siraj's gunpowder, while the British guns remained dry. Mir Jafar betrayed Siraj. July 3, 1757. The mutilated body of the last independent Nawab of Bengal was paraded around Murshidabad town on the back of his favourite elephant. Siraj-ud-Daulah had been executed the day before, having lost the Battle of Plassey to the British. The British victory transformed them from traders into rulers, and Bengal's vast wealth began flowing to Britain.

The Jagat Seths, however, soon realized their mistake. Once the British no longer needed them, they took control of Bengal's treasury and mint, rendering the Seths' financial empire irrelevant. In 1763, Mir Qasim ordered the execution of Jagat Seth Mahtab Chand and Swarup Chand, having their bodies thrown from Munger Fort. Mahtab's son, Kushal Chand, only 18 at the time, inherited the title but lacked leadership and business skills.

By the 1860s, the family's fortune had vanished. The British never repaid their debts, and the Seths lost their lands and influence. By the 1900s, they had disappeared from public life entirely. The Jagat Seth mansion in Murshidabad, once filled with treasures, secret tunnels, and political meetings, has now become a museum. It holds ancient coins, fine textiles, and artifacts from their golden era. Also embroidered Banarasi sarees with gold and silver threads, fine muslin textiles, and priceless personal belongings of the family. A hidden underground chamber and secret passageways, where strategies were once planned, add a mysterious aura to the site.

The Jagat Seths funded temples, educational institutions, and charitable initiatives across Bengal. It reflects the family's commitment to societal welfare alongside commercial interests. Their opulent mansion in Murshidabad, once a symbol of luxury and authority, became a hub of both business and social gatherings, attracting nobles, merchants, and dignitaries from near and far.

rajeshsharma1049@gmail.com

House of Jagat Seth, Nashipur, Murshidabad, West Bengal.

#A REMARKABLE RETURN

Giant Tortoises Roam Floreana Once Again

Challenging the idea that extinction is always final and shows how science and dedication can help rebuild what was lost

In a powerful story of conservation and resilience, giant tortoises have returned to the Galápagos island of Floreana Island for the first time in more than 180 years. Highlighted by BBC World Service, this moment has been described by conservationists as a "hugely significant milestone" in ecological restoration.

A Species Lost to History

The original native tortoise species of Floreana, Chelonoidis niger niger, was driven to extinction in the 1840s. Sailors traveling through the Galápagos Islands took thousands of tortoises as a source of food during long sea voyages. Over time, this relentless exploitation wiped out the species entirely from the island.

For nearly two centuries, Floreana remained without one of its most important ecological inhabitants.

The Restoration Effort

The return of these tortoises is part of the ambitious Floreana Ecological Restoration Project. In a recent milestone, 158 captive-bred juvenile tortoises were released onto the island, marking a new chapter in its ecological recovery.

This effort began in 2017, when scientists made a surprising discovery on Isabela Island.

They found tortoises carrying genetic material linked to the extinct Floreana species. Using this genetic connection, a selective breeding program was launched to revive traits of the original tortoise population.

Nature's Engineers Return

Giant tortoises are not just iconic animals, they are vital to the ecosystems they inhabit. As explained by evolutionary biologist Evelyn Jensen, these creatures act as "ecosystem engineers."

They shape their environment by:

- Grazing on vegetation
- Dispersing seeds across the landscape
- Trampling terrain to create habitats for other species

Their presence helps maintain balance and supports biodiversity across the island.

A New Beginning, Not Just a Return

Although the original Floreana tortoise remains officially extinct, this initiative represents something extraordinary. The newly introduced tortoises carry the genetic legacy of the lost species, effectively giving rise to a restored population that echoes its ancestor.

Scientists suggest that this could be seen as the beginning of a "new species," symbolizing hope in conservation biology. It challenges the idea that extinction is always final and shows how science and dedication can help rebuild what was lost.

Conclusion

The return of giant tortoises to Floreana Island is more than just a wildlife story, it is a testament to human responsibility and the possibilities of ecological restoration. From extinction in the 19th century to revival in the 21st, this journey reflects both the damage caused by human activity and the potential for meaningful repair. As these young tortoises begin to roam freely once again, they carry with them not just the legacy of their species, but also a renewed hope for the future of conservation worldwide.

THE WALL

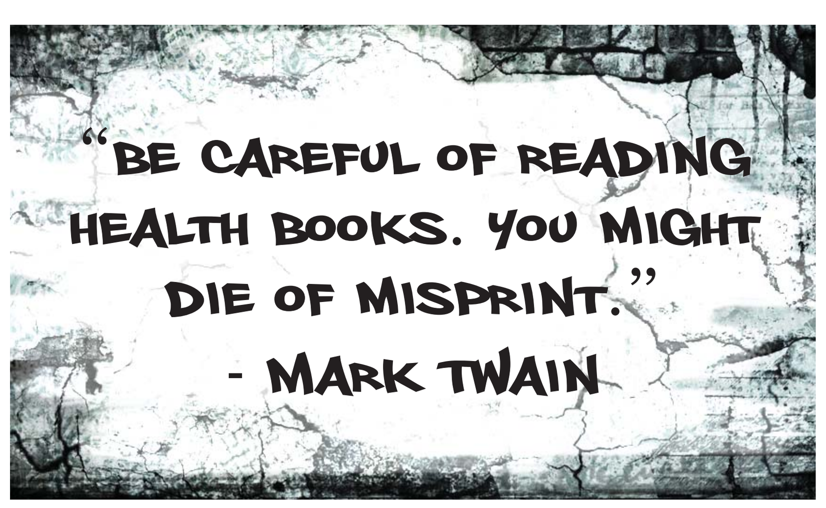

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

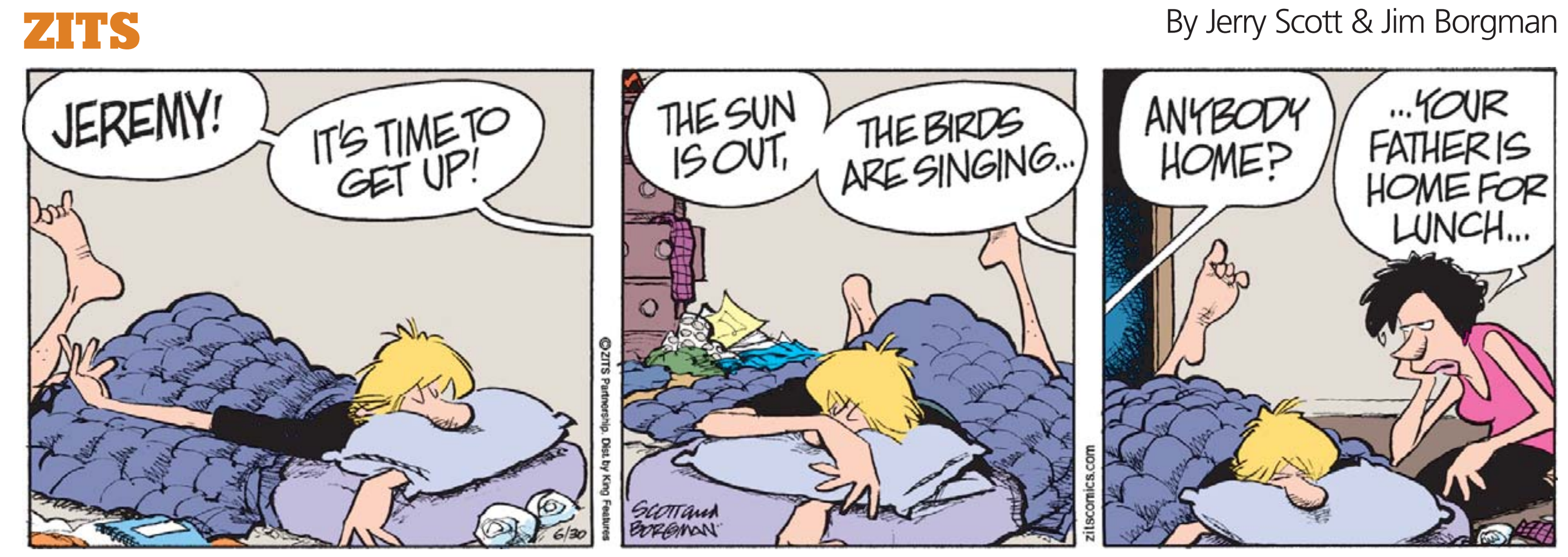

रेस्तरां के खाने में कॉकरोच निकला, विरोध करने पर गुजराती पर्यटक को पीटा

हमले में गुजराती पर्यटक गंभीर घायल हो गया, जिसे एमबी अस्पताल ले जाना पड़ा

उदयपुर, (कासं)। शनिवार देर रात उदयपुर के देहलीगेट स्थित रेस्तरां में खाने में कॉकरोच मिलने पर विवाद हो गया। संचालक ने गुजराती पर्यटक पर किया हमला कर दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस के सामने ही मारपीट हुई। अब पुलिस ने दोनों पक्षों की और से क्रॉस मामला दर्ज किया है।

- **विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि रेस्तरां संचालक और उसके कर्मचारियों ने आपा खो दिया और पुलिस जवान की मौजूदगी में ही पर्यटक के साथ जमकर मारपीट कर दी**
- **घटना के बाद दोनों ही पक्ष धानमंडी थाने पहुंचे और एक दूसरे के खिलाफ क्रॉस केस दर्ज कराने के लिए लिखित शिकायत दी**

जानकारी के अनुसार उदयपुर के धानमंडी थाना क्षेत्र में स्थित मीरा रेस्तरां में अहमदाबाद से अपने परिवार के साथ घूमने आए एक गुजराती पर्यटक जयेश पटेल के खाने में कॉकरोच निकलने को लेकर भारी विवाद हो गया। विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि रेस्तरां संचालक और उसके कर्मचारियों ने आपा खो दिया और पुलिस जवान की मौजूदगी में ही पर्यटक के साथ जमकर मारपीट कर दी। इस हमले में गुजराती पर्यटक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत उपचार के लिए एमबी अस्पताल ले जाना पड़ा। इस घटना की सबसे चिंताजनक बात यह रही कि जब रेस्तरां परिसर में हंगामा और खींचतान हो रही थी तब मौके पर एक पुलिस का जवान भी मौजूद था, लेकिन वह उपद्रव कर रहे रेस्तरां कर्मियों को रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हुआ। घटना के बाद दोनों ही पक्ष धानमंडी थाने पहुंचे और एक दूसरे के खिलाफ क्रॉस केस दर्ज कराने के लिए लिखित शिकायत दी। गुजराती परिवार में 2 पुरुष और 6 महिलाएं शामिल थीं, जिन्हें देर रात तक कानूनी कागजी कार्रवाई के सिलसिले में पुलिस थाने में ही रुकना पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार अहमदाबाद निवासी जयेश पटेल अपने परिवार के 8 सदस्यों 2 पुरुष और 6 महिलाओं के साथ उदयपुर घूमने आए थे। रविवार रात करीब 10 बजे वे खाना खाने के लिए देहलीगेट स्थित मीरा रेस्तरां पहुंचे। खाना परोसे जाने के बाद जब परिवार ने भोजन शुरू किया, तो थाली में एक कॉकरोच तैरता हुआ दिखाई दिया। इस पर जयेश पटेल ने तुरंत रेस्तरां संचालक और वेटर को बुलाकर शिकायत दर्ज कराई।

हालांकि रेस्तरां का कर्मचारी अपनी गलती मानने के बजाय उस कीड़े को बड़ी इलायची बताने लगा। बात को साबित करने के लिए वेटर उस खाने की थाली को रसोई के अंदर धोकर दिखाने के लिए ले जाने लगा। पर्यटक जयेश पटेल को आशंका हुई कि वेटर रसोई में ले जाकर कॉकरोच होने के सबूत को मिटा देगा इसलिए उन्होंने थाली को अंदर ले जाने से रोका। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और खींचतान शुरू हो गई। हंगामे और शोर शराबे की वजह से रेस्तरां में मौजूद अन्य ग्राहक भी असहज हो गए और देखते ही देखते रेस्तरां में बैठे सभी लोग बाहर निकल गए। ग्राहकों के इस तरह अचानक चले जाने से रेस्तरां संचालक का गुस्सा बढ़ गया। संचालक और उसके कर्मचारियों ने सारा गुस्सा अहमदाबाद के पर्यटक जयेश पटेल पर निकाल दिया और उन पर लात-घूसों से हमला कर दिया। मारपीट में जयेश पटेल के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई। खून से लथपथ हालत में उन्हें परिजनों द्वारा तुरंत उदयपुर के महाराणा भूपाल अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दी गई। पुलिस ने दोनों पक्षों की तरफ से क्रॉस केस की शिकायत दर्ज कर ली है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोटा में 14 किलो डोडा-चूरा जब्त, आरोपी गिरफ्तार

मादक पदार्थ ट्रॉली बैग में छिपाकर ले जा रहा था

कोटा, (निसं)। नशे की तस्करी के खिलाफ रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने इलाके में गश्त व चेकिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 14 किलो 350 ग्राम अफीम डोडा-चूरा सहित तस्कर को गिरफ्तार किया है।

- **डोडा-चूरा को नीमच मध्यप्रदेश से ट्रेन के माध्यम से पंजाब ले जाने की फिराक में था आरोपी**

रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़ा।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वीनी गौतम ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने मय जाप्ता गश्त एवं आकस्मिक चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को ट्रॉली बैग लेकर जाते हुए देखा। पुलिस टीम को देखकर संदिग्ध व्यक्ति द्वारा अपना रास्ता बदलने एवं घबराने पर संदेह के आधार पर टीम ने उसे रोककर डिटेन कर उसके पास मौजूद सामान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस टीम ने ट्रॉली बैग से 14 किलो 350 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद किया। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला बठिंडा पंजाब के गांव सिक्खों निवासी सुखवीर सिंह (26) को गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि आरोपी तस्करी के उद्देश्य से बाहर से अफीम डोडा-चूरा प्राप्त कर उसे ट्रॉली बैग में छिपाकर रेल मार्ग से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जा रहा था। पुलिस की आकस्मिक चेकिंग से बचने के लिए मादक पदार्थ को ट्रॉली बैग में प्लास्टिक के कट्टे एवं थैली में छिपाकर रखा गया था। मामले में सामने आया कि अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा को नीमच मध्यप्रदेश से खरीदकर ट्रेन के माध्यम से पंजाब जाने की फिराक में था।

गंगापुर सिटी की अमरगढ़ नदी में अज्ञात का शव मिला

पुलिस जवानों ने लाला अमरगढ़, हरिमोहन कानुड़ा और अन्य ग्रामीणों की मदद से शव को निकाला।

गंगापुर सिटी, (निसं)। तलावड़ा तहसील क्षेत्र की अमरगढ़ नदी में रविवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। शव बेहद खराब हालत में था और कंकाल जैसा दिख रहा था। शरीर का ज्यादातर हिस्सा गल चुका था, सिर्फ हड्डियों का ढांचा और कपड़ों के कुछ अवशेष ही बचे थे। सूचना पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

सदर थाना प्रभारी सुशीला मीणा ने बताया कि पुलिस को सुबह करीब 7.30 बजे अमरगढ़ नदी में शव होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम लगभग 8 बजे मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस जवानों ने स्थानीय लोगों लाला अमरगढ़, हरिमोहन कानुड़ा और अन्य ग्रामीणों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला। इसमें करीब 30 मिनट का समय लगा।

घटना की जानकारी मिलने पर एसडीओ विनोद कुमार, एएसपी नारायण लाल शर्मा और तलावड़ा तहसीलदार मुकुट सिंह गुर्जर भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और पुलिस से घटना के बारे में जानकारी ली।

इस दौरान मौके पर ग्रामीणों की भीड़ भी मौजूद थी। शव की खराब हालत के कारण उसकी तुरंत पहचान नहीं हो पाई। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस आसपास के इलाकों में लापता लोगों की जानकारी जुटा रही है और शव की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

दस लाख की शराब बरामद

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके के मंडाना पुलिस टीम ने अवैध शराब तस्करी के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए कार से विभिन्न ब्रांड की 120 अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

- **पुलिस टीम ने गुजरात के युवक को गिरफ्तार किया**

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि मंडाना थानाधिकारी सुमेरसिंह इंदा के नेतृत्व में विशेष टीम ने गश्त के दौरान एन.एच. 52 काल्याखेड़ी के पास एक संदिग्ध कार को खड़ा देखा।मौके पर मौजूद पुलिस टीम को देखकर कार चालक भागने लगा, जिसको जाप्ते की मदद से डिटेन कर कार की तलाशी ली गई तो कार की पीछे की सीटे खुली हुई थी जिनके नीचे एक बॉक्स बना हुआ था। जिसको खोलकर देखा तो बॉक्स के अन्दर विभिन्न ब्रान्ड की अवैध अंग्रेजी शराब की 120 बोतलें बरामद हुई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस कार्रवाई में बरामद की गई अवैध अंग्रेजी शराब की बोतलों की कीमत 10 लाख 20 हजार रूपये करीब है। पुलिस टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए जिला वडौदरा गुजरात के उदय पार्क के पीछे पंचवटी गोरवा निवासी माहिर चौहान (30) को गिरफ्तार किया है।

सरकारी खाते से 55.67 लाख रुपये खुद के खाते डालने का आरोपी गिरफ्त में

बयाना उप जिला चिकित्सालय में कैशियर पद पर रहते हुए गबन का आरोप

भरतपुर, (निसं)। उप जिला चिकित्सालय बयाना के खाते से सरकारी राशि अपने निजी खाते में स्थानांतरित कर गबन करने के मामले में पुलिस ने सहायक प्रशासनिक अधिकारी राहुल कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर चिकित्सालय की सरकारी राशि करीब 55 लाख 67 हजार 139 रुपये अपने खाते में डालकर निजी उपयोग में लेने का आरोप है। जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर राजेश मीणा के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई की। थाना बयाना में दर्ज प्रकरण के तहत आरोपी राहुल कुमार पुत्र जगदीश प्रसादनिवासी भीमनगर थाना बयाना को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार 24 जुलाई 2026 को प्रमुख चिकित्सा अधिकारी उप जिला चिकित्सालय बयाना डॉ. जोगेन्द्र सिंह ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि राहुल कुमार उप जिला चिकित्सालय बयाना में कैशियर के पद पर कार्यरत रहते हुए फर्जीवाड़ा एवं धोखाधड़ी कर चिकित्सालय के खाते से सरकारी राशि 55,67,139 रुपये अपने निजी खाते में स्थानांतरित कर ली और उसका उपयोग स्वयं के लिए किया। मामला दर्ज होने के बाद थाना प्रभारी रामगिलास पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस ने जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान नामजद आरोपी राहुल कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस मामले में आगे अनुसंधान कर रही है।

उदयपुर में गोदाम से 50 लाख की शराब पकड़ी

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस एवं डीएसटी की टीम ने हरियाणा की शराब पर राजस्थान का नकली मोनोग्राम, सील लगाकर शराब बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं इसके कब्जे से पचास लाख की शराब मय तीन वाहन जब्त किए।

हिरणमगरी थाना अधिकारी रविनद्रसिंह, डीएसटी टीम प्रभारी भरत योगी मय टीम ने मुखबिर से अवैध एवं नकली शराब बनाने एवं धोखाधड़ी करने वाले गिरोह की सूचना के आधार पर कलडवास स्थित एक गोदाम पर दबिश देकर मौके से 50 लाख रूपये की अवैध अंग्रेजी शराब व 15 फर्जी नंबर प्लेटें, नकली मोनोग्राम मशीन और 3 वाहन जब्त कर कैदार कुमार सेनानी पुत्र गोविन्दराम को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया। मौके पर 60 कर्टन अंग्रेजी शराब, 110 बीयर टीन, 2 कार व एक टेपों पड़ा था। गिरोह के बदमाश हरियाणा से शराब खरीद लाता था।

लोहार्गल मेले की सुरक्षा व्यवस्थायें जांची

झुंझुनूं, (निसं)। प्रसिद्ध लोहार्गल मेले में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसपी सागर ने मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग तथा पुलिस बंदोबस्त का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारू रहे और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के साथ ही किसी भी आकस्मिक परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को पूरी तरह मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के बाद पुलिस थाना गोठड़ा में लोहार्गल मेले की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

बुजुर्ग से हत्या की सुपारी मिलने के नाम पर एक लाख रुपए मांगे

श्रीगंगानगर, (निसं)। घमूड़वाली थाना क्षेत्र के 36 एलएनपी में घर के पास बालाजी मंदिर की सेवा करने वाले बुजुर्ग बजरंग सिंह (60) को युवकों ने हत्या की सुपारी मिलने की बात कहकर धमकाया। मामले में बजरंग सिंह की रिपोर्ट पर घमूड़वाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

- **पीड़ित ने यह राशि रिश्तेदार से दिलवाने का बोलकर आरोपी मोबाइल नंबर दिया, पुलिस की जांच जारी**

एफआईआर के अनुसार आरोपियों ने कहा कि उन्हें बजरंग सिंह की हत्या के लिए 10 लाख रुपए की सुपारी मिली है, लेकिन वे उन्हें मारना नहीं चाहते, इसलिए पहले से सूचना दे रहे हैं। इस सूचना के बदले में उन्होंने एक लाख रुपए की मांग भी की। एफआईआर के अनुसार यह घटना 25 अगस्त को अपराह्न करीब 3 बजे की है। एफआईआर में बताया कि आरोपी सफेद रंग की एक कार में आए। दो व्यक्ति नीचे उतरे जबकि दो अन्य कार में बैठे। नीचे उतरे एक व्यक्ति ने बजरंग सिंह से नाम की पुष्टि करने के बाद कहा कि उन्हें उनकी हत्या के लिए 10 लाख रुपए की सुपारी मिली है। आरोपी ने कह कि वे हत्या नहीं करना चाहते, इसलिए उन्हें आगाह कर रहे हैं। इसके बाद पीड़ित बुजुर्ग से एक लाख रुपए देने की मांग की। पीड़ित ने यह राशि रिश्तेदार से दिलवाने का बोलकर आरोपी मोबाइल नंबर दिया। आरोप है कि बाद में आरोपी ने पीड़ित के रिश्तेदार अशोक सिंह को फोन किया तो उसने बातचीत रिकॉर्ड कर ली। मामले में बजरंग सिंह को संदेह जताया कि बींझबायला निवासी प्रेम मेघवाल और सुभाष गौड़ उर्फ गौतम ने अज्ञात व्यक्तियों के साथ मिलकर सुपारी दी है। मामले में पुलिस आरोपियों की पहचान, धमकी की रिकॉर्डिंग आदि के तथ्यों की जांच कर रही है।

32 किलो डोडा-पोस्त के साथ युवक को पकड़ा

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले की टाउन थाना पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ 2 कार्रवाई की है। एक कार्रवाई में पंजाब के रहने वाले एक आरोपी को 32 किलो से ज्यादा अवैध डोडा-पोस्त के साथ पकड़ा गया। दूसरी कार्रवाई में श्मशान भूमि में लावारिस हालत में पड़े 1570 प्रतिबंधित प्रीगाबलिन कैप्सूल जब्त किए गए।

पहली कार्रवाई उप निरीक्षक रामकेर के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम मेगा हाईवे रोड, चक-3 एलके रोही, लखुवाली एचएम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान आरोपी सुखचैन सिंह उर्फ चैना को संदिग्ध हालत में रोका गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 32 किलो 130 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त चूरा मिला। आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुखचैन सिंह उर्फ चैना (36) पुत्र हरबंश सिंह के रूप में हुई है। वह पंजाब के बठिंडा जिले की नथाना तहसील के चक रामसिंहवाला का रहने वाला है। पुलिस ने हनुमानगढ़ टाउन मामला दर्ज कर जांच उप निरीक्षक सुशील कुमार को सौंपी है।

दूसरी कार्रवाई सहायक उप निरीक्षक भूपसिंह की टीम ने की। टीम चक ज्वालासिंहवाला की श्मशान भूमि पर पहुंची, जहां उन्हें लावारिस हालत में 157 पत्ते मिले। जांच करने पर इन पत्तों में 1570 प्रतिबंधित प्रीगाबलिन कैप्सूल पाए गए। पुलिस ने इन्हें जब्त कर लिया और आगे की जांच शुरू कर दी है।

हिंडौन सिटी में बिना अनुमति प्रचार सामग्री लगाने पर कार्रवाई की

हिंडौन सिटी, (निसं)। नगर परिषद चुनाव के प्रचार के दौरान शहर में सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति लगाए गए पोस्टर-बैनर और होर्डिंग्स के खिलाफ नगर परिषद ने कार्रवाई शुरू कर दी है। रविवार को परिषद की टीम ने अभियान चलाकर आरओबी, मुख्य सड़कों, बिजली के खंभों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों से 300 से अधिक पोस्टर-बैनर और होर्डिंग्स जब्त किए।

- **300 से ज्यादा चुनावी पोस्टर-बैनर जब्त, प्रत्याशियों को नोटिस भेजे जाएंगे**

नगर परिषद आयुक्त दिलीप शर्मा ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के तहत सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति पोस्टर-बैनर लगाना नियमों के विरुद्ध है। शिकायत मिलने के बाद परिषद की ओर से यह कार्रवाई की गई। चुनाव प्रचार सामग्री लगाने से पहले प्रशासनिक अनुमति लेना और निर्धारित शुल्क जमा कराना जरूरी है। उन्होंने बताया कि जब्त की गई प्रचार सामग्री से संबंधित प्रत्याशियों को नोटिस भेजे जाएंगे। उन्हें नियमानुसार अनुमति लेने और निर्धारित शुल्क जमा कराने के निर्देश दिए जाएंगे। आयुक्त के निर्देश पर कार्रवाई के लिए टीम गठित की गई है। एफओ सोहन सिंह और पूनम के नेतृत्व में टीम शहर में अभियान चला रही है। नगर परिषद ने चुनावी प्रचार सामग्री लगाने के लिए अलग-अलग शुल्क निर्धारित किए हैं। इसके तहत प्रत्येक झंडी के लिए 2 रुपए, 15 वर्गफीट के बैनर के लिए 50 रुपए, 25 वर्गफीट के बैनर के लिए 100 रुपए और प्रत्येक कटआउट के लिए 100 रुपए शुल्क तय किया गया है। परिषद ने प्रत्याशियों से अपील की है कि प्रचार सामग्री लगाने से पहले आवश्यक अनुमति लें और निर्धारित शुल्क जमा कराएं।

कज़ली तीज मेले में राजस्थानी-हाड़ौती कवि सम्मेलन ने समां बांधा

बूंदी, (निसं)। ऐतिहासिक कजली तीज मेले के तहत शनिवार रात कुम्भा स्टेडियम में आयोजित राजस्थानी-हाड़ौती कवि सम्मेलन यादगार बन गया। जिला प्रशासन एवं नगर परिषद के तत्वावधान में हुए इस भव्य आयोजन में हास्य, व्यंग्य, श्रृंगार और राष्ट्रभक्ति की रचनाओं की ऐसी रसधार बही कि श्रोता देर रात से लेकर भोर तक कवियों की प्रस्तुतियों में डूबे रहे। कवियों के शब्दों पर कभी पूरा स्टेडियम ठहाकों से गूंज उठा तो कभी देशभक्ति की ओजपूर्ण रचनाओं ने माहौल में जोश भर दिया।

कवि सम्मेलन में बड़ी संख्या में शहरवासियों के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग पहुंचे। कुम्भा स्टेडियम में देर रात तक दर्शकों की भीड़ बनी रही। मंच से मायड़ भाषा और हाड़ौती की मिठास के साथ प्रस्तुत की गई रचनाओं ने स्थानीय संस्कृति और लोकभाषा का रंग और गहरा कर दिया। आयोजन को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कवि सम्मेलन में वरिष्ठ हास्य गीतकार बाबू बंजारा बारां, मंच

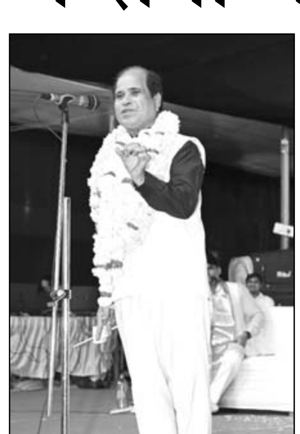

राजस्थानी-हाड़ौती कवि सम्मेलन में कवियों ने प्रस्तुतियां दीं।

संचालक प्रेम शास्त्री कोटा, अल्हड़ हास्य गीतकार गिरिराज आमेटा मोड़क, श्रृंगार गीतकार विष्णु विश्वास अंता, हास्य कवि अंदाज हाड़ौती करवर, हास्य रस के गिरिजेश वैष्णव रामगंजमंडी, प्रखर राष्ट्रवादी ओजस्वी कवि परमानंद दधीच कामखेड़ा तथा हास्य कवि पीयूष पाचक बूंदी ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। कवियों ने हाड़ौती और राजस्थानी भाषा की रचनाओं के माध्यम से सामाजिक सरोकारों, रोजमर्रा के जीवन और समसामयिक परिस्थितियों पर हास्य-व्यंग्य के तीर छोड़े। उनकी चुटीली पंक्तियों और हास्य गीतों पर दर्शक जमकर ठहाके लगाते नजर आए। कई मौकों पर तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा स्टेडियम गूंज उठा।

- **मायड भाषा के हास्य-व्यंग्य और राष्ट्रभक्ति की रचनाओं ने लोगों का दिल जीता**

आयोजन के दौरान जिला प्रशासन एवं नगर परिषद की ओर से की गई व्यवस्थाओं की भी लोगों ने सराहना की। बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी के बावजूद कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित माहौल में संपन्न हुआ। बैठने, मंच व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के कारण शहरवासियों ने देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लिया। कजली तीज मेले की सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में यह कवि सम्मेलनबूंदी वासियोंके लिए यादगार रात बनकर सामने आया।

रेलवे ने 358 बेटिकट यात्रियों को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। बिना टिकट या अनियमित यात्रा करने वालों के खिलाफ रेलवे की सख्ती एक बार फिर मेड़ता रोड बेस पर नजर आई। 14 घंटे के सघन अभियान में 358 बेटिकट व अनियमित यात्री पकड़े गए। इनसे किराया और जुर्माने के रूप में 2.25 लाख रुपए वसूल किए गए। विभिन्न ट्रेनों में हुई औचक जांच से बेटिकट यात्रियों में हड़कंप रहा।

मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के निर्देशन में मंडल वाणिज्य प्रबंधक दीपक चौधरी के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। टिकट जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। ट्रेन में धूम्रपान करते मिले एक यात्री से जन विश्वास अधिनियम के तहत 2 हजार रुपए जुर्माना वसूला गया। अभियान के दौरान यात्रियों को ट्रेन और रेल परिसर में धूम्रपान व गंदगी नहीं फैलाने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही चलती ट्रेन में दरवाजे बंद रखने तथा गेट के पास खड़े होकर या बैठकर यात्रा नहीं करने की समझाइश की गई।

दीपक पहलवान नूरपुर ने कुश्ती दंगल का आखिरी मुकाबला जीता

दीपक पहलवान नूरपुर ने शेरपुर के जोगेंद्र पहलवान को हराकर इनामी राशि अपने नाम की

हिंडौन सिटी, (निसं)। शेरपुर स्थित डावकी शिव मंदिर पर आयोजित कुश्ती दंगल का आखिरी और 21 हजार रुपए का इनामी मुकाबला दीपक पहलवान नूरपुर ने जीत लिया। उन्होंने शेरपुर के जोगेंद्र पहलवान को कड़े मुकाबले में हराकर इनामी राशि अपने नाम की। दंगल के साथ लंबी कूद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

- **दंगल में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर सहित विभिन्न राज्यों से पहलवानों ने भाग लिया**
- **दंगल के साथ लंबी कूद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, इसमें बंटी फागना प्रथम, आकाश शेरपुर द्वितीय और आशिक शाह हाड़ौली तृतीय स्थान पर रहे**

निर्णायक मनोज डागुर शेरपुर ने बताया कि दोनों पहलवानों के बीच मुकाबला काफी रोमांचक रहा। दोनों ने एक-दूसरे पर कई दांव-पेंच आजमाए। अंत में दीपक पहलवान ने शानदार दांव लगाकर जोगेंद्र पहलवान को चित कर दिया। दंगल में 15 हजार रुपए के दो मुकाबले भी हुए। इनमें सौरभ पहलवान जरूआ विजयी रहे। हरेंद्र पहलवान रसीदपुर और कुशपाल पहलवान फुलवारा के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटा। वहीं देव पहलवान सोमला और मागे पहलवान करावली के बीच मुकाबला भी बराबरी पर रहा। इसके अलावा 11 हजार रुपए के पांच मुकाबले हुए, जिनमें विजेता पहलवानों को दंगल कमेटी की ओर से पुरस्कार दिए गए। दंगल में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर सहित विभिन्न राज्यों से पहलवानों ने भाग लिया। पंचायत प्रशासक लाखन सिंह जाटव ने बताया कि कुश्ती मुकाबले देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। दंगल के साथ लंबी कूद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें बंटी फागना प्रथम, आकाश शेरपुर द्वितीय और आशिक शाह हाड़ौली तृतीय स्थान पर रहे। विजेता पहलवानों और खिलाड़ियों को कमेटी की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

मतदान के दिन किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं : अतुल प्रकाश

खैरथल जिला सचिवालय पर प्रशिक्षण में उपस्थित अधिकारी।

■ निष्पक्ष और पारदर्शिता से कराएं शांतिपूर्ण मतदान; संवेदनशील बूथों पर रखे विशेष नजर,आकस्मिक परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई करने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए।

खैरथल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में रविवार को जिला सचिवालय सभागार में नगर निकाय आम चुनाव 2026 को लेकर जोनल मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट का महत्वपूर्ण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण शिविर में अधिकारियों को चुनावी रणभूमि में उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों का पाठ पढ़ाया गया। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि मतदान केंद्रों की हर छोटी-बड़ी व्यवस्थाओं पर पैनी नजर रखें। कानून-व्यवस्था बनाए रखने, संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने, मतदान दलों के साथ बेहतर समन्वय और मतदान दिवस पर किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई करने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट को आदेश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का मतदान से पहले भौतिक निरीक्षण करें। वहां पहुंच मार्ग, बिजली, पेयजल, छाया, सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाए। मतदान के दिन किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और किसी भी घटना की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को देनी होगी। प्रशिक्षण में ईवीएम संचालन, मतदान प्रक्रिया, आदर्श आचार संहिता का पालन, कानून-व्यवस्था, शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा निर्वाचन संबंधी प्रपत्रों और रिपोर्टिंग प्रक्रिया की भी बारीकी से जानकारी दी गई । इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश ने कहा कि नगर निकाय चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव है। सभी अधिकारी निर्वाचन आयोग के निर्देशों और निर्धारित प्रोटोकॉल की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करें। । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवपाल जाट सहित सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट मौजूद रहे।

नव मतदाताओं का दुपट्टा पहना अभिनंदन

चौमूं /कालाडेरा । रेनवाल रोड स्थित एक गार्डन में भारतीय जनता पार्टी, चौमूं द्वारा नव मतदाता एवं युवा संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नव मतदाताओं का दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया तथा चौमूं के सर्वांगीण विकास एवं उज्ज्वल भविष्य को लेकर युवाओं से सार्थक चर्चा की गई। इस अवसर पर युवा शक्ति ने विशेष रूप से मंच साझा करते हुए भविष्य को लेकर अपने विचार व दृष्टिकोण व्यक्त किए। इस अवसर पर रविन्दर शर्मा, मेहुल अठावाल, शर्मिला मीणा सहित कई युवाओं ने मंच से संबोधित किया। कार्यक्रम में राम लाल शर्मा, जिला महामंत्री निर्मल कुमार, जिला उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत, पूर्व जिला उपाध्यक्ष बजरंग लाल सोनी, मण्डल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष गजानंद कुमावत एवं गोविंद सैनी रविन्द्र शर्मा, ऋषभ अग्रवाल, महिपाल लांबा, एल एन यादव, सतवीर यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, नव मतदाता और युवा साथी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

भाजपा प्रत्याशी बुनकर को केलो से तोला

मनोहरपुर । नगरपालिका मनोहरपुर वार्ड नं 25 से भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर प्रसाद बुनकर (गुरु जी) को आमलियों के बास में केलो से तोला गया। जयराम गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर विनोद,नेमीचंद, महेन्द्र एवं डॉ विकास किलादार द्वारा गुरु जी को केलों से तोला गया। एवं सभी वार्डवासियों ने गुरु जी का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया । इधर कांग्रेस प्रत्याशी को भी समर्थन मिल रहा है । इसी प्रकार अन्य प्रत्याशी भी दिन रात जन सम्पर्क क़र मत व समर्थन मांग रहे है।

250 रोगियों की हुई निःशुल्क जांच

निवाई। महावीर इंटरनेशनल जयपुर एवं निवाई के तत्वावधान में राजस्थान हॉस्पिटल जयपुर के सौजन्य से बंपुई वालों की धर्मशाला में निःशुल्क हेल्थ चेकअप शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 250 रोगियों ने शिविर का लाभ लिया। मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व राजस्थान हाईकोर्ट चीफ जस्टिस नरेंद्र जैन काला व अध्यक्षता कर रहे इंटरनेशनल जयपुर के अध्यक्ष नरेंद्र जैन सेठी ने फीता काटकर व भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। मीडिया प्रभारी विमल पाटनी एवं राकेश संघी ने बताया कि शिविर में राजस्थान हास्पिटल के विशेषज्ञों ने 250 रोगियों की निःशुल्क जांच कर चिकित्सा परामर्श दिया। शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ, किडनी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, मूत्र रोग विशेषज्ञ, एवं जनरल फिजिशियन व गला रोग विशेषज्ञ एवं जनरल बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा रोगियों की निःशुल्क जांच कर चिकित्सा संबंधी परामर्श दिया गया। शिविर में यूरिक एसिड, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, लिपिड प्रोफाइल पीएफटी सहित कई प्रकार की निःशुल्क जांचे की गई। शिविर में हुकमचंद जैन, अशोक सोगानी, शिखरचंद काला, ज्ञानचंद जैन, महेन्द्र लावा, त्रिलोक जैन, मुकेश विजय, डॉक्टर वीणा आचार्य, डॉक्टर नूतन कटेवा, डॉक्टर पंकज सिंह, डॉक्टर बसन्त अग्रवाल, डॉक्टर प्रियश ताम्बी, डॉक्टर अनुप यादव सहित एम्प्लाइ मनीष सक्सेना, सुमीत, अनिल बैद, एन के सेठी, अशोक रांका एवं धर्म प्रभावना महिला मण्डल संयोजक संजू जौंला ने सहयोग प्रदान किया।

धरना प्रदर्शन कल

निवाई । किसान महापंचायत के तत्वावधान में डीएपी उर्वरक की मांग को लेकर 8 सितम्बर को 11 से 4 बजे तक धरना प्रदर्शन किया जाएगा। महापंचायत के ब्लॉक अध्यक्ष दशरथसिंह चौहान ने बताया कि डीएपी उर्वरक की मांग को लेकर किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग द्वारा डीएपी व यूरिया उर्वरक खरीद के लिए एफएफएस एप्प लागू किया है। जिससे उर्वरक कालाबाजारी एवं टैगिंग होने की ज्यादा संभावना बढ़ गई है। एफएफएस एप्प लागू होने से कम पढ़े व अनपढ़ किसानों को परेशानी हो रही है। उक्त समस्याओं को लेकर किसान महापंचायत द्वारा मंगलवार को ग्राम पंचायत खण्डवा, बहड़, मूंडिया व गुन्सी जीएसएस पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसी प्रकार पीपलू पंचायत के गांव गणेती, पासरोटिया, चंदलाई, अरणिया व केदार कलां में भी धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

तेजाजी महाराज की बिन्दोरी में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। क्षेत्र के सुख, शांति और समृद्धि की कामना को लेकर गुड्डा आनंदपुरा में वीर तेजाजी महाराज की बिंदोरी हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। इस दौरान तेजाजी महाराज के जयकारों से आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। तेजाजी की बिंदोरी गुड्डा आनंदपुरा से रवाना होकर बड़ी बरथल, छोटी बरथल, बाईपास तिराहा एवं पहाड़ी चौकी होते हुए वापस अपने गंतव्य स्थल तक पहुंची। बिन्दोरी में सैकड़ों की श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बिन्दोरी में श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की धुनों पर नाचते-गाते हुए काला-बाला के देवता तेजाजी महाराज को रिझाया और खुशहाली की मन्नते मांगी। पूरे रास्ते में बिंदोरी की जगह-जगह पर ग्रामीणों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत कियागया।

मनोहरपुर पुलिस का पैदल मार्च

मनोहरपुर । नगरपालिका चुनावों की सरगर्मी के बीच मनोहरपुर में पुलिस प्रशासन ने रविवार को अपनी मुस्तैदी दिखाते हुए कस्बे में भव्य फ्लैग मार्च निकाला। एएसपी लाखन सिंह मीणा की अगुवाई में रविवार शाम को निकला यह फ्लैग मार्च पुलिस थाने से शुरू होकर मुख्य बाजार, सदर बाजार, बस स्टैंड रोड और संवेदनशील माने जाने वाले इलाकों से होते हुए गुजर । इस दौरान डीएसपी लक्ष्मी नारायण , थानाधिकारी आशुतोष कुमार सहित भारी पुलिस जाप्ता मौजूद रहा । पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार को निकाले गए इस फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव का संदेश देना है। असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर है और गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आमजन से शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

पैनल अधिवक्ताओं की बैठक आज

कोटपूतली । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नवनियुक्त पैनल अधिवक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन सोमवार 07 सितंबर को दोपहर 01.30 बजे किया जायेगा। यह बैठक प्राधिकरण सचिव नीलम मीणा की अध्यक्षता में आयोजित होगी। जिसमें सभी नवनियुक्त अधिवक्ताओं को उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों की जानकारी दी जायेगी। साथ ही विधिक सहायता मामलों का प्रभावी व त्वरित निस्तारण कैसे हो, न्यायालयों में मामलों की पैरवी किस प्रकार की जायें, कार्यों की रिपोर्टिंग और उससे जुडे आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जायेंगे।

अलवर में चुनाव प्रचार के लिए मुख्यमंत्री का रोड शो आज

अलवर। इतिहास में पहली बार नगर निगम पार्षद चुनावों में निगम पार्षदों के लिए चुनाव प्रचार के लिए मुख्यमंत्री का रोड शो क्या संकेत दे रहा है। भाजपा ने मुख्यमंत्री के आगमन और रोड शौ की तैयारियां विधायक प्रतिनिधी के चुनाव के स्तर की है हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के काफिले के पीछे रहेगे वही उनके साथ केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव और राज्यमंत्री संजय शर्मा रहेगे। भाजपा का अभेद किला शहर अलवर का प्रमुख बाजार जहां से मुख्यमंत्री का काफिला गुजरेगा वहां अनेको स्थानों पर दुकानदार उनका स्वागत करेगे लेकिन देखना अब यह होगा कि क्या मुख्यमंत्री का रोड शो अलवर के भाजपा के इस अभेद किले स्वर्ण समाज टिकट बटवारे से नाराज कार्यकर्ताओं की नारजगी से बचा पाता है या नही.. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 7 सितंबर को अलवर में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो करेंगे। चुनाव प्रचार का आखिरी दिन होने के कारण भाजपा ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। रोड शो की शुरुआत शहर के प्रमुख जगन्नाथ मंदिर से होगी। यहां से मुख्यमंत्री का काफिला त्रिपोलिया मंदिर की ओर जाएगा। इसके बाद रोड शो होप सर्कस, घंटाघर और मन्नी का बड़ होते हुए आगे बढ़ेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री लोगों से भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान की अपील करेंगे । रोड शो में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और वन राज्यमंत्री संजय शर्मा भी शामिल होंगे। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से रोड शो को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। पार्टी की कोशिश है कि चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मुख्यमंत्री के रोड शो के जरिए अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंच बनाई जाए।

मुख्यमंत्री के रोड शो को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

प्रमु श्रीराम की कसम, बीजेपी व कांग्रेस को नही देंगे वोट : मकराना

दौसा में महिपाल मकराना ने प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया।

■ 'यूजीसी काला कानून वापस नही होता है हमारा आन्दोलन जारी रहेगा'

दौसा (निसं.)। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व यूजीसी बैक रॉल आन्दोलन के प्रणेता महिपाल सिंह मकराना ने कहा कि यूजीसी के नए नियमों के माध्यम से छात्रों के हितों और सामाजिक संतुलन के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। जिसे हम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही करेंगे जब तक ये काला कानून वापस नही होता है हमारा आन्दोलन जारी रहेगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल मकराना ने रविवार जिला मुख्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि भाजपा एवं कांग्रेस दोनों राजनैतिक पार्टी नागनाथ एवं सांपनाथ है, कांग्रेस एवं कांग्रेस के नेता यूजीसी कानून को लेकर अपनी राय तक नही दे रही है। हमारा ये आन्दोलन जब तक जारी रहेगा तब तक की ये वापस नही हो जाता है। इस कानून के विरोध में राजस्थान में 6 सौ किलोमीटर एवं यूपी में तीन सौ किलोमीटर की यात्रा निकाली है, अब हम मध्यप्रदेश में भी तीन सौ किलोमीटर की पदयात्रा निकालेगें। उन्होने एलान करते हुये कहा कि निकाय चुनाव में सामान्य वर्ग के मतदाता भाजपा एवं कांग्रेस को वोट नहीं देंगे। भले ही दोनो राजनैतिक पार्टी के प्रत्याशी सवर्ण समाज के हो हम उनकी रैली में भी शामिल नहीं होंगे।

साथ ही यूजीसी का विरोध नहीं करने वाले नेताओं का पुरजोर विरोध करेंगे। उन्होने कहा कि पूरा सवर्ण समाज एकजुट है। हजारों की संख्या में लोग महारैली एवं विरोध प्रदर्शन में शामिल हो रहे है। आगामी दिनों में देश के अन्य राज्यों में भी यूजीसी के खिलाफ सवर्ण समाज की बड़ी रैलियां होंगी।

इसके बाद पूरे देश का स्वर्ण समाज दिल्ली कूच करेगा। उन्होने कहा कि जब तक यूजीसी की नई गाइडलाइंस को वापस नहीं लिया जाएगा, तब तक स्वर्ण समाज चुप नहीं बैठेगा। उन्होने कहा कि कोई प्रत्याशी आरक्षित वर्ग की सीटों से चुनाव लड़ रहा है, अगर वो यूजीसी कानून के खिलाफ अपना शपथ पत्र लिखकर देता है तो सवर्ण समाज उसके पक्ष में मतदान करेगा।

उन्होने कहा कि सामान्य सीटों पर भी उसी प्रत्याशी को समर्थन दिया जावेगा जो हमे शपथ पत्र भर कर देगा । चाहे सवर्ण समाज का ही प्रत्याशी क्यो ना हो। जहा हमे कोई भी शपथ पत्र नही देता है तो सवर्ण समाज नोटा पर भी अपना मत दे सकता है।

लालसोट : करोड़ों की संपत्ति वाले प्रत्याशी मैदान में

■ किसी के पास 3.27 करोड़ तो किसी के पास 2.72 करोड़, वार्ड 31 के अमित शर्मा की संपत्ति 2.16 करोड़, लाखों के कर्ज वाले उम्मीदवार भी दौड़ में

लालसोट। नगर परिषद चुनाव में टिकट और जीत की जंग के बीच प्रत्याशियों के शपथ-पत्रों में घोषित संपत्ति के आंकड़ों ने सियासी पारा और चढ़ा दिया है। चुनावी मैदान में कई ऐसे प्रत्याशी हैं, जिनकी संपत्ति करोड़ों में पहुंचती है। आंकड़े सामने आने के बाद अब गलियों-मोहल्लों में चुनावी चर्चा के साथ प्रत्याशियों की आर्थिक हैसियत भी चर्चा का मुद्दा बन गई है। उपलब्ध शपथ-पत्र के अनुसार वार्ड 7 से कांग्रेस प्रत्याशी संतोष स्वामी ने करीब 3.27 करोड़ रुपए की कुल संपत्ति घोषित की है। इनमें 27.07 लाख रुपए चल संपत्ति और करीब 3 करोड़ रुपए अचल संपत्ति बताई गई है।

अचल संपत्ति में लालसोट कस्बे की गैर-कृषि भूमि और पैतृक आवासीय मकान शामिल बताए गए हैं । वार्ड 10 से कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व चेयरमैन रक्षा मिश्रा ने करीब 2.72 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की है। इससे चुनावी मैदान में राजनीतिक अनुभव के साथ आर्थिक संपत्ति का आंकड़ा भी चर्चा में आ गया है। वार्ड 31 से कांग्रेस प्रत्याशी अमित कुमार शर्मा ने करीब 2.16 करोड़ रुपए की कुल संपत्ति घोषित की है। शपथ-पत्र के मुताबिक उनकी 13.81 लाख रुपए चल संपत्ति और 2.02 करोड़ रुपए अचल संपत्ति है। उनके नाम कोई कर्ज नहीं बताया गया है।

वार्ड 16 से भाजपा प्रत्याशी अनिल कुमार जैन ने करीब 1.92 करोड़ रुपए की कुल संपत्ति घोषित की है। इसमें 12.10 लाख रुपए चल और 1.80 करोड़ रुपए अचल संपत्ति है। शपथ-पत्र में 15 लाख रुपए का केसीसी ऋण भी दर्ज है। वार्ड 35 से कांग्रेस प्रत्याशी पुरुषोत्तम शर्मा ने करीब 1.69 करोड़ रुपए की कुल संपत्ति घोषित की है। इसमें 18.50 लाख रुपए चल और 1.50 करोड़ रुपए अचल संपत्ति बताई गई है। शपथ-पत्र के अनुसार कोई कर्ज नहीं है । वार्ड 8 से कांग्रेस प्रत्याशी ममता शर्मा की कुल घोषित संपत्ति 89.10 लाख रुपए है। इसमें 39.10 लाख चल और 50 लाख रुपए अचल संपत्ति है

रजि नं.-1617/ एल दिनांक 06.10.1961 क्रमांक SP/313/2016
दी राजहंस को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
प्लाट नं. 13, दुकान नं. 3, उत्तम नगर, हीरा पथ सेण्ट एन्सलम स्कूल के सामने, न्यू सांगानेर रोड, मानसरोवर, जयपुर
आम सूचना दि.-18.08.26
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दी राजहंस को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड जयपुर की आवासीय योजना नेमिसागर एनक्लेव स्थित ग्राम बावडी कौशल्यादास तहसील फागी हाल तहसील माधोराजपुरा योजना के स्वामित्व सम्बन्धी दस्तावेज संयोजक द्वारा आज दिनांक तक समिति में नही देने व काश्तकारो द्वारा भी उक्त भूमि का कब्जा नही देने के कारण समिति द्वारा उक्त योजना निरस्त की जा चुकि है। उक्त योजना में भविष्य में किसी भी प्रकार की खरीद फरोख्त की जिम्मेदारी समिति की नही होगी। उक्त योजना के आवंटित भूखण्ड धारियो को सूचित किया जाता है कि उक्त सूचना के प्रकाशन की 07 दिवस की अवधि में अपने मूल दस्तावेज व पहचान दस्तावेज समिति के कार्यालय में सांय 4.30 बजे से 6.00 बजे तक कार्य दिवस में जमा करा भूखण्ड पेटे दी गई राशि समिति कार्यालय से प्राप्त कर सकते है तथा बाद में मियाद कोई कोई उज्र मान्य नही होगा तथा समिति के विरूद्ध की गई कोई भी कानूनी कार्यवाही शून्य प्रभावी होगी ।
दामोदर शर्मा (मंत्री)
दी राजहंस को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-3529 दिनांक-31/08/20
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 192/211 (LIG) का आवंटन श्रीमती सुमन नैय्यर पत्नी श्री सुरेन्द्र मोहन नैय्यर को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1425 दिनांक 30.06.2006 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 3646/4916 दिनांक 22.03.2013 के द्वारा श्री मोहन करनानी पुत्र श्री प्रताप करनानी के पक्ष में किया गया। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 23.03.2013 को कर दिया गया। श्री मोहन करनानी की मृत्यु दिनांक 20.08.2022 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती रेणु करनानी पत्नी स्व. श्री मोहन करनानी द्वारा आवासन मण्डल में अपना नाम आवास पर मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर मण्डल रिकार्ड मे इस कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 7101 दिनांक 28.03.2025 के द्वारा इनका नाम दर्ज किया गया श्रीमती रेणु करनानी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 07.05.2025 को श्रीमती प्रियका अग्रवाल पत्नी श्री गणेश प्रसाद अग्रवाल को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। क्रेती श्रीमती प्रियका अग्रवाल पत्नी श्री गणेश प्रसाद अग्रवाल द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती प्रियका अग्रवाल पत्नी श्री गणेश प्रसाद अग्रवाल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम युसुफ खान (Yusuf Khan) से बदलकर सरदार युसुफ (Srdar Yusuph) पिता का नाम अहमद खां रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना एवं पुकारा जावें। निवासी ए-198, भट्टा बस्ती ए-ब्लॉक, जयपुर राजस्थान

नम्बर मिलाइए
8890333139
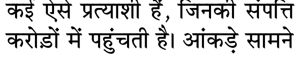
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

पावटा : कौन अपने राजनीतिक प्रभाव को जीत में बदल पाएगा

पावटा। नगरपालिका चुनाव का प्रचार अब अपने चरम पर पहुंच गया है। 9 सितंबर को होने वाले मतदान से पहले पावटा-प्रागपुरा में चुनावी मुकाबला महज वार्डों की जीत-हार तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसे क्षेत्र की राजनीति में प्रतिष्ठा की बड़ी जंग के तौर पर देखा जा रहा है।

दोनों प्रमुख राजनीतिक खेमे अपने-अपने प्रत्याशियों के पक्ष में पूरी ताकत झोंकते नजर आ रहे हैं। भाजपा विधायक कुलदीप धनकड़ की सक्रियता से भाजपा खेमे में चुनावी उत्साह बढ़ा है। विधायक समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में जनसंपर्क और बैठकों का दौर तेज होने के साथ कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय किया जा रहा है।

भाजपा खेमे की कोशिश अधिक से अधिक वार्डों में बढ़त हासिल कर पालिका बोर्ड में मजबूत स्थिति बनाने की है। वहीं कांठोस नेता इंद्राज गुर्जर भी अपनी चुनावी रणनीति के साथ मैदान में सक्रिय नजर आ रहे हैं। कांग्रेस खेमे की ओर से भी प्रत्याशियों के पक्ष में जनसंपर्क, बैठकों और मतदाताओं को साधने का प्रयास लगातार जारी है। कांग्रेस की रणनीति स्थानीय मुद्दों और वार्ड स्तर के समीकरणों को आधार बनाकर मुकाबले को अपने पक्ष में करने की है। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका के चुनावी मैदान में कई वार्डों में मुकाबला बेहद रोचक बना हुआ है। कहीं सीधी टक्कर है तो कहीं त्रिकोणीय और चतुष्कोणीय मुकाबले ने चुनाव को और पेचीदा बना दिया है।

निर्दलीय प्रत्याशी भी कई वार्डों में दोनों प्रमुख दलों के समीकरण बिगाड़ते नजर आ रहे हैं। चुनावी मैदान में प्रत्याशियों की व्यक्तिगत पकड़, जनसंपर्क, व्यवहार, स्थानीय मुद्दे और वार्ड के जातीय एवं सामाजिक समीकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में अंतिम समय में मतदाताओं का रुख किस ओर जाता है, यह सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है। अब चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में दोनों खेमों की नजर अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंच बनाने पर है।

पावटा-प्रागपुरा की जनता किसे अपना समर्थन देती है और किसके नेतृत्व में नगरपालिका बोर्ड की तस्वीर बनती है, इसका फैसला 9 सितंबर के मतदान के बाद सामने आएगा। फिलहाल चुनावी माहौल में एक ही चर्चा है-किसका पलड़ा भारी है और कौन अपने राजनीतिक प्रभाव को जीत में बदल पाएगा? इसका जवाब मतदान के दिन मतदाता अपने वोट से देंगे।

पदयात्रा में उमड़ा जन सैलाब

लालसोट । नगरपरिषद चुनाव को लेकर चुनावी प्रचार ने रफ्तार पकड़ ली है। वार्ड 31 में कांग्रेस प्रत्याशी अमित शर्मा 'छोटू भाई जोशी' ने सेवा पदयात्रा निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया। पदयात्रा में बड़ी संख्या में वार्डवासी शामिल हुए। रास्तेभर जगह-जगह प्रत्याशी का माल्यार्पण, साफा पहनाकर और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। वार्ड के विभिन्न मोहल्लों और प्रमुख रास्तों से निकली पदयात्रा में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की भागीदारी देखने को मिली। अमित शर्मा ने घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से मुलाकात की और विकास एवं जनसेवा के मुद्दों पर समर्थन मांगा। समर्थकों के नारों और उत्साह के बीच पदयात्रा के दौरान कई स्थानों पर लोगों ने प्रत्याशी का गर्मजोशी से स्वागत किया। अमित शर्मा ने कहा कि वे चुनाव को पद पाने की लड़ाई नहीं, बल्कि वार्ड की सेवा और विकास का संकल्प मानकर मैदान में हैं। उन्होंने वार्डवासियों से विश्वास और आशीर्वाद की अपील करते हुए कहा कि उनका पहला कर्तव्य वार्ड के हर घर तक पहुंचना और लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार काम करना है। पोस्टर में भी उन्होंने वार्डवासियों से भावुक अपील करते हुए कहा है कि वार्ड ही मेरे लिए तीर्थ है और इस तीर्थ के हर घर को प्रणाम करना मेरा पहला कर्तव्य है। साथ ही विकास और विश्वास के नाम पर समर्थन मांगा गया है। सेवा पदयात्रा में उमड़ी भीड़ और जगह-जगह हुए स्वागत ने वार्ड 31 के चुनावी मुकाबले का तापमान बढ़ा दिया है।

नांगल चौधरी से आसींद के लिए रवाना हुई भव्य ध्वज यात्रा

कोटपूतली के निकटवर्ती राज्य हरियाणा के नांगल चौधरी से प्रसिद्ध श्री सवाई भोज मंदिर, आसींद के लिए एक विशाल और भव्य ध्वज यात्रा का शुभारंभ हुआ।

■ उमड़े सैकड़ों देवभक्त, पूतली पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत, जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

कोटपूतली । निकटवर्ती राज्य हरियाणा के नांगल चौधरी से प्रसिद्ध श्री सवाई भोज मंदिर, आसींद के लिए एक विशाल और भव्य ध्वज यात्रा का शुभारंभ हुआ। इस पावन यात्रा की शुरुआत सवाई भोज मंदिर आसींद के महंत सुरेश दास महाराज के पावन सानिध्य में की गई। यात्रा को लेकर देव-भक्तों में गजब का उत्साह देखा जा रहा है और पूरा माहौल भगवान श्री देवनारायण तथा श्री सवाई भोज के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा है।

पूतली पहुंचने पर उमड़ा जनसैलाब : ध्वज यात्रा के दौरान जब श्रद्धालु भगवान श्री देवनारायण मंदिर पूतली पहुंचे तो वहां माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। स्थानीय देव-भक्तों और ग्रामीणों ने पलक-पावडे बिछाकर यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत और सत्कार किया। श्रद्धालुओं ने देवनारायण जी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद लिया। इस धार्मिक समागम में पुजारी कैलाश दास, महाराज ओमप्रकाश (गायत्री शक्ति पीठ, अमृतसर), शिक्षक हवासिंह कसाना, प्रो. जगराम कसाना, राजेंद्र कसाना, सुवालाल महासी, पार्षद प्रत्याशी महेश कसाना, ख्यालीराम, एड. राजाराम कसाना सहित सैकडों की संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ उठाया। सामाजिक एकता का संदेश : यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं और प्रबुद्ध जनों ने कहा कि इस प्रकार के भव्य धार्मिक आयोजन केवल आस्था का केंद्र नहीं हैं, बल्कि ये समाज में भक्ति, आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को मजबूत करने का बेहतरीन माध्यम हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का जोश और समर्पण देखते ही बन रहा था।

अलवर : 446764 मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

अलवर। नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 के अंतर्गत नगर निगम अलवर सहित 12 नगरीय निकायों में कुल 446764 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 229972 पुरूष मतदाता, 214671 महिला मतदाता एवं 2103 दिव्यांगजन मतदाता तथा 18 अन्य मतदाता शामिल हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरीय निकाय) डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि नगर निगम अलवर के 65 वार्डों के लिए कुल 269551 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 137558 पुरूष मतदाता, 130717 महिला मतदाता, 1259 विशेष योग्यजन मतदाता एवं 17 अन्य मतदाता शामिल हैं।

इसी प्रकार नगर पालिका राजगढ़ के 40 वार्डों के लिए कुल 31879 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 16432 पुरूष मतदाता, 15269 महिला मतदाता, 177 विशेष योग्यजन मतदाता एवं 1 अन्य मतदाता, नगर पालिका लक्ष्मणगढ के 25 वार्डों के लिए कुल 14292 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 7485 पुरूष मतदाता, 6751 महिला मतदाता एवं 59 विशेष योग्यजन मतदाता, नगर पालिका कठूमर के 20 वार्डों के लिए कुल 10499 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 5388 पुरूष मतदाता, 4924 महिला मतदाता एवं 187 विशेष योग्यजन मतदाता, नगर पालिका खेडली के 25 वार्डों के लिए कुल 17059 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 8862 पुरूष मतदाता, 8100 महिला मतदाता एवं 97 विशेष योग्यजन मतदाता, नगर पालिका थानागाजी के 25 वार्डों के लिए कुल 17204 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

उद्घोषणा (इश्तिहार)
न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट पूर्व, जयपुर महानगर प्रथम जयपुर राज.
वाद सं. 54/2026
विषय वास्ते श्री राजेश शर्मा पुत्र श्री रामप्रसाद शर्मा निवासी ई- 33, आनन्दपुरी, आदर्श नगर जयपुर व मकान नम्बर 52, ए बी राठौड मार्ग, विकास नगर दो सौ फीट बाईपास हीरापुरा अजमेर रोड, जयपुर को वर्ष 2010 के जीवित नहीं देखने के कारण उन्हें मृत घोषित किये जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
वादीगण 1. श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी श्री राजेश शर्मा उम्र 62 वर्ष. 2. मोनू शर्मा पुत्र श्री राजेश शर्मा उम्र 32 वर्ष. निवासीयान ई- 33, आनन्दपुरी, आदर्श नगर विवाद स्थल प्लाट नम्बर ई- 33, आनन्दपुरी, आदर्श नगर जयपुर व मकान नम्बर 52 बी राठौड मार्ग, विकास नगर दो सौ फीट बाईपास हीरापुरा अजमेर रोड, जयपुर
पेशी दिनांक 29.10.2026
पसर्व साधारण को सूचित किया कि उपरोक्त वादीगण 1. श्रीमती मंजू शर्मा 2. मोनू शर्मा ने इस न्यायालय में इस आशय का वादपत्र प्रस्तुत किया है कि उनके पति/पिता श्री राजेश शर्मा पुत्र श्री रामप्रसाद शर्मा निवासी ई- 33, आनन्दपुरी, आदर्श नगर जयपुर व मकान नम्बर 52, ए बी राठौड मार्ग, विकास नगर दो सौ फीट बाईपास हीरापुरा अजमेर रोड, जयपुर को वर्ष 2010 में वादीगण व उनके किसी रिश्तेदार परिवारजन, जान पहचान के लोगो व अडोस पडोस के व्यक्तियों ने जीवित नहीं देखा है इसलिए श्री राजेश शर्मा की सिविल मृत्यु घोषित किये जाने के लिए एवं उनका मृत्यु प्रमाणपत्र संबंधित विभाग नगर निगम जयपुर द्वारा जारी किये जाने हेतु निर्देशित करने हेतु प्रस्तुत किया है अगर किसी भी व्यक्ति विशेष के द्वारा श्री राजेश शर्मा वादीगण के पति / पिता को वर्तमान में जीवित देखा गया है या उनके जीवित रहने की जानकारी रखते है तो आगामी तारीख पेशी दिनांक 29.10.2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर श्री राजेश शर्मा के जीवित रहने, जीवित देखने व दस्तावेजात मय साक्ष्य सबूत के प्रस्तुत करें, अन्यथा यह माना जावेगा कि श्री राजेश शर्मा की मृत्यु हो चुकी है जिनका मृत्यु प्रमाणपत्र जारी किये जाने हेतु सक्षम विभाग को निर्देशित किये जाने की घोषणा की जावेगी। वादीगण का वादपत्र डिक्री किया जा सकेगा। अतः उक्त वादपत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 29.10.2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति मय प्रमाण, दस्तावेजात साक्ष्य सबूत सहित प्रस्तुत करे उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। आज दिनांक 03 माह 09 सन 2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया।
रीडर
(मोहर)
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट पूर्व, जयपुर महानगर प्रथम जयपुर राज.

मुख्यमंत्री के रोड शो ने जोधपुर, अजमेर, बीकानेर के कार्यकर्ताओं में जोश भरा

आमजन के स्वागत और रोड शो में उमड़ी भीड़ से भाजपा नेता उत्साहित

जोधपुर/बीकानेर/अजमेर, (कासं), 06 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जोधपुर, बीकानेर तथा अजमेर में रोड शो किए। इस दौरान जगह-जगह लोगों ने मुख्यमंत्री पर पुष्प वर्षा की। पूरे मार्ग में भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन में खासा उत्साह और उमंग देखने को मिली।

मुख्यमंत्री के रविवार शाम को जोधपुर पहुंचने से पहले ही भाजपा कार्यकर्ता और शहरवासी जालोरी गेट पर पहुंचने शुरू हो गए थे। देखते ही देखते हजारों लोग जालोरी गेट पर जुट गए। सभी के हाथ में केसरिया झंडा लहरा रहा था।

■ तीनों स्थानों पर रोड शो के बाद मुख्यमंत्री ने वॉर्ड वार चुनाव की स्थिति और संगठन की तैयारी पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जोधपुर में जालोरी गेट से खुली जीप पर सवार होकर रोड शो किया। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, शहर विधायक अतुल भंसाली रथ पर उनके साथ थे।

मुख्यमंत्री एयरपोर्ट से सीधे जालोरी गेट पहुंचे। यहां पर लोगों ने जयकारा लगाकर उनका अभिवादन किया। कई लोगों ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। खुली जीप पर सवार मुख्यमंत्री के काफिले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, शहर विधायक अतुल भंसाली रथ पर उनके साथ थे। लोगों की भीड़ देखकर मुख्यमंत्री खासे उत्साहित नज़र आ रहे थे।

जालोरी गेट से शुरू हुआ रोड शो खाण्डाफलसा, एक मिनार मस्जिद, डागा बाजार, आडाबाजार, सर्राफा बाजार, कपड़ा बाजार, कटला बाजार से होता हुआ घंटाघर पहुंचा। पूरे मार्ग में लोगों ने अपने घरों की छतों तथा बालकनियों से मुख्यमंत्री पर पुष्प वर्षा की। रोड शो के बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने संगठन के पदाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने एक-एक वार्ड का फीडबैक लिया तथा वरिष्ठ नेताओं की जवाबदेही भी तय की।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का बीकानेर नगर निगम चुनाव के लिए रोड शो रविवार दोपहर बाद शुरू हुआ। करीब पंद्रह वाहनों के काफिले के साथ मुख्यमंत्री करीब चार बजे पुष्करणा स्टेडियम पहुंचे, जहां से सीधे वो कार में सवार हुए। मुख्यमंत्री यहां से नत्थूसर गेट पहुंचे, जहां से वो बारह गुवाड़ होते हुए रत्ताणी व्यासों के चौक, हर्षों के चौक, मोहता चौक, तेलीवाड़ा, दाऊजी मंदिर, जोशीवाड़ा, कोटगेट, केईएम रोड होते हुए जूनागढ़ तक गए। जूनागढ़ में भाजपा के सीनियर नेताओं के साथ मुख्यमंत्री ने चुनाव को लेकर खास चर्चा की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में अजमेर शहर में विशाल रोड शो निकालकर पार्टी के पक्ष में चुनावी माहौल बनाने का प्रयास किया। प्लाजा सिनेमा से शुरू हुए रोड शो के दौरान हाथ हिलाकर मुख्यमंत्री ने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और भाजपा प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील की।

रोड शो में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, स्थानीय नेता नीरज जैन सहित भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

रोड शो के समापन के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा के जिला पदाधिकारियों, चुनाव प्रभारियों और प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में नगर निकाय चुनाव को लेकर वॉर्डवार चुनावी स्थिति और संगठन की तैयारियों की समीक्षा की गई।

सरकार महाराष्ट्र के छात्रों की बात सुने- राहुल गांधी

नई दिल्ली, 06 सितंबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में हजारों छात्र सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि पूरे तंत्र से उनका भरोसा टूट चुका है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को महाराष्ट्र के छात्रों की आवाज सुननी चाहिए, वरना 'छात्रों की गूंज' और तेज होगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने कहा कि चाहे केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, हर छात्र भााजपा शासन से परेशान है।

■ उन्होंने कहा, प्रदर्शन कर रहे छात्रों का पूरे तंत्र से भरोसा टूट गया है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि महाराष्ट्र में हजारों छात्र शांतिपूर्ण तरीके से सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसकी वजह सिर्फ कोई एक परीक्षा या भर्ती नहीं है, बल्कि पूरे तंत्र से टूटा हुआ भरोसा है। चाहे केंद्र हो या राज्य, भाजपा सरकार में हर छात्र परेशान है। प्रश्नपत्र लीक, रुकी हुई भर्तियां, शिक्षा की बढ़ ती और असहनीय लागत, छात्रावासों में अमानवीय हालात, जहर जैसा खाना और डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) में धोखाधड़ी।

उन्होंने कहा कि अब एमपीएससी जैसी संवैधानिक संस्था पर भी नियंत्रण कर उसकी विश्वसनीयता को खत्म कर दिया गया है। गांधी ने जोर देकर कहा कि छात्रों के बेहतर भविष्य से जुड़ी उनकी हर मांग जायज है। सरकार को उनकी आवाज सुननी चाहिए और तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। वरना यह 'छात्रों की गूंज' तब तक और तेज होती जाएगी, जब तक न्याय नहीं मिल जाता।

'निजीकरण की नीति से इसरो केवल शोध इकाई बन कर न रह जाए'

इसरो के नौ कर्मचारी संघों ने निजीकरण की प्रस्तावित नीति पर अधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा

नई दिल्ली, 06 सितंबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नौ कर्मचारी संघों ने इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन को पत्र लिखकर अंतरिक्ष एजेंसी के विनिर्माण और परिचालन कार्यों को निजी संस्थाओं को सौंपने की प्रस्तावित नीति पर आधिकारिक स्पष्टीकरण की मांग की है। यह लेटर 4 सितंबर को लिखा गया। जानकारी आज सामने आई है।

■ इंडियन नैशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइज़ेशन सैंटर के अध्यक्ष ने पिछले दिनों बयान दिया था कि इसरो भविष्य में कोई लॉन्च वाहन नहीं बनाएगा। यह काम पूरी तरह से निजी क्षेत्र या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किया जाएगा।

पत्र में कर्मचारियों ने चिंता व्यक्त की है कि यदि केवल वाणिज्यिक गतिविधियों तक निजी भागीदारी सीमित रहती है, तो यह स्वीकार्य है। हालांकि, ऐसी नीति जो इसरो को केवल एक शोध और विकास इकाई तक सीमित कर दे और देश के लांच वाहनों एवं बुनियादी ढ ांचे का नियंत्रण निजी हाथों में सौंप दे, वह बिना किसी खुली चर्चा के स्वीकार नहीं की जा सकती।

यह चिंता इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन ऐंड ऑथराइज़ेशन सेंटर के अध्यक्ष पवन गोयनका द्वारा 21 अगस्त को दिए गए उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में इसरो कोई लांच वाहन नहीं बनाएगा और यह काम पूरी तरह से निजी क्षेत्र या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किया जाएगा। कर्मचारी संघों का कहना है कि इस तरह के बड़े नीतिगत बदलावों की कोई आधिकारिक जानकारी अंतरिक्ष विभाग द्वारा साझा नहीं की गई है। कर्मचारियों को इसकी जानकारी केवल मीडिया रिपोर्टों के जरिये मिल रही है, जो कि चिंताजनक है। पत्र में यह भी सवाल उठाया गया है कि पीएसएलवी, एलवीएम3 और एसएसएलवी जैसे लांच वाहनों का डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण भविष्य में इसरो के पास रहेगा या इसे पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा।

इसरो द्वारा विकसित तकनीक एक राष्ट्रीय संपत्ति है। इसका हस्तांतरण पारदर्शी, जवाबदेह और रणनीतिक, सुरक्षा व रोजगार के पहलुओं के अनुरूप होना चाहिए।'' संघों ने मांग की है कि प्रस्तावित बदलावों से सेवारत कर्मचारियों, रिक्तियों, भविष्य की भर्ती प्रक्रिया और वैज्ञानिक तथा तकनीकी जनशक्ति पर पड़ने वाले प्रभावों का पूरा ब्योरा स्पष्ट किया जाए। कर्मचारियों का मानना है कि अंतरिक्ष क्षेत्र जैसी संवेदनशील तकनीक में निजीकरण की दिशा तय करने से पहले पारदर्शी संवाद बेहद आवश्यक है ताकि देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम की मजबूती और कर्मचारियों के हितों दोनों की रक्षा की जा सके।

चेन्नई में टी.वी.के. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पांच संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। कन्नन का भी आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस की टीम सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

दरअसल, चेन्नई के बेसंत नगर इलाके में शनिवार रात को एक गैंग ने कन्नन नाम के एक व्यक्ति की बर्बरता से हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक कन्नन हाल ही में टीवीके पार्टी में शामिल हुए थे। कल रात वन्नदुरई इलाके में उनकी हत्या कर दी गई।

जानकारी के मुताबिक गैंग में शामिल 6 लोगों ने कन्नन पर उस वक्त हमला किया, जब वे अपने घर से निकलकर रामास्वामी एवेन्यू में मौजूद अपने दफ्तर की ओर जा रहे थे। इस गैंग ने धारदार हथियारों से कन्नन पर कई वार किए, जिसके चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ये वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

■ कन्नन घर के अपने दफ्तर जा रहे थे, जब 6 लोगों ने धारदार हथियारों से उनकी हत्या की।

सूचना मिलने पर शास्त्री नगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कन्नन का शव कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल घटना को लेकर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है। हत्यारों को पकड़ने के लिए पांच विशेष टीमें बनाई गई हैं।

मध्य प्रदेश में जहरीली शराब से 11 ग्रामीणों की मौत

अभी 24 की हालत गंभीर, 12 संदिग्ध गिरफ्तार, आबकारी विभाग के 3 अधिकारी निलंबित

भोपाल, 06 सितंबर। मध्य प्रदेश के सागर जिले की बंडा तहसील के आसपास के गांवों में जहरीली शराब पीने से 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 24 का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मामले में आबकारी और पुलिस विभाग के पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जबकि एक अधिकारी को मुख्लालय अटैच कर दिया है।

पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। घटना के बाद आक्रोषित ग्रामीणों ने सागर-छतरपुर मुख्य हाइवे पर चक्काजाम कर दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने तीन अधिकारियों को निलंबित किया गया है, जबकि एक अधिकारी को मुख्यालय अटैच किया गया है। पुलिस विभाग ने भी इस प्रकरण में बंडा थाना प्रभारी सतीश कुशवाहा और गुगरा चौकी प्रभारी एसआई पूरन लाल लड़िया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

■ जिला कलैक्टर के अनुसार, अभी तक हुए दो-तीन पोस्टमार्टम में प्रथम दृष्टया मिथाइल एल्कोहॉल के सेवन की बात सामने आई है।

शराब के मामले में दु:खद घटना सागर जिले के बंडा तहसील के ग्राम गोगरा खुर्द, नौरोज, और पाटन में हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार सुबह ही स्पष्ट रूप से कह दिया था कि इस घटना के लिए दोषी किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि अब तक हुए दो-तीन पोस्टमॉर्टम में प्रथम दृष्टया मिथाइल अल्कोहल के सेवन की बात सामने आई है।

वहीं, पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने कहा कि प्राथमिक जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होना सामने आया है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। ललितपुर में भी नेटवर्क खंगाला जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे और उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। प्रशासन ने बीएमसी में संदिग्ध मरीजों के लिए अलग से बेड आरक्षित किए हैं। पोस्टमॉर्टम और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है।

जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई है। घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सागर-छतरपुर मुख्य हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। कांग्रेस का दावा है कि मौतों का आंकड़ा 14 से 15 तक पहुंच चुका है, लेकिन प्रशासन मामले को दबाने और असली आंकड़े छिपाने का प्रयास कर रहा है।

सांगानेर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा में 30 से अधिक मामले सामने आए हैं।

थानाधिकारी सुभाष चंद यादव ने बताया कि सुभाष कॉलोनी, शिकारपुरा रोड निवासी नंद किशोर यादव ने 22 मई को मालपुरा गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 20 मई की रात उनके घर के बाहर खड़ी सफेद रंग की स्कॉर्पियो चोरी हो गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज में मुंह पर रुमाल बांधा एक व्यक्ति स्कॉर्पियो चोरी करता दिखाई दिया। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और बीटीएस डेटा के आधार पर चोरी की गई कार की तलाश शुरू की। इसके बाद स्कॉर्पियो दौसा के भांडारेज में लावारिस हालत में बरामद की गई।

ए.आई. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्णय लेना सीखना जरूरी है। ग्राहकों को समझने के लिए उनके साथ बातचीत करना जरूरी है। और पेशेवर समझ विकसित करने के लिए अनुभव जरूरी है। इसीलिए एआई से होने वाला सबसे बड़ा बदलाव शायद नौकरियों का खत्म होना नहीं है। यह अपनी पहली नौकरी हासिल करने के पारंपरिक तरीके को गायब कर सकता है।

उज्जैन का ऐतिहासिक महाकाल द्वार गिरा, कोई जनहानि नहीं

14वीं सदी के महाकाल द्वार के पास हो रही गहरी खुदाई में लगातार वर्षा का पानी भरने से यह घटना हुई

उज्जैन, 06 सितंबर। मध्य प्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के लिए चल रही तैयारियों के बीच शनिवार देर रात महाकालेश्वर मंदिर से रामघाट जाने वाले प्राचीन मार्ग पर स्थित ऐतिहासिक महाकाल द्वार अचानक भरभराकर गिर गया। घटना के समय द्वार के आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिसके चलते जनहानि टल गई।

घटना की जानकारी मिलने के बाद रविवार सुबह स्मार्ट सिटी के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि शहर में सिंहस्थ की तैयारियों को निर्माण कार्य चल रहे हैं। महाकाल द्वार के समीप निर्माण कार्य के दौरान गहरी खुदाई की जा रही है। पिछले दो-तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण मिट्टी में नमी बढ़ ने और जमीन के सेटलमेंट की वजह से द्वार की संरचना प्रभावित होने की आशंका है। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

■ श्री महाकालेश्वर मंदिर के उत्तर में करीब 100 मीटर दूर स्थित यह स्थान ''महाकाल द्वार'' के नाम से जाना जाता है। महाकाल मंदिर विस्तार परियोजना के तहत जीर्णोद्धार का कार्य 2012 करोड़ रूपए की लागत से किया जा रहा है।

कार्यपालन यंत्री कमल सक्सेना ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा रात को हुआ है। आसपास डीप एक्सकवेशन का काम चल रहा था और लगातार बारिश भी हुई है। ऐसे में जमीन के धंसने यानी सेटलमेंट के कारण द्वार के गिरने की आशंका है। उन्होंने बताया कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि या अन्य नुकसान की जानकारी नहीं है।

गौरतलब है कि श्री महाकालेश्वर मंदिर के उत्तर में करीब 100 मीटर दूर स्थित यह स्थान 'महाकाल द्वार' के नाम से जाना जाता है। यह ऐतिहासिक द्वार लगभग 14वीं शताब्दी ईस्वी के आरंभ का माना जाता है, जो कि रामघाट जाने वाले पुराने मार्ग का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका निर्माण बेसाल्ट पत्थर और ईंटों से किया गया है।

उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड की महाकाल मंदिर परिसर विस्तार परियोजना के तहत करीब 2.12 करोड़ रुपये की लागत से इसके जीर्णोद्धार का काम किया जा रहा था। इस द्वार के जीर्णोद्धार में आधुनिक सीमेंट के बजाय पारंपरिक चूना तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा था। चंदेरी और ललितपुर से आए कारीगर चूना, गुड़, मैथी, गूगल,उड़द के पानी, ईंट के चूरे और रेत जैसे पारंपरिक मिश्रण से निर्माण कार्य कर रहे थे। कारीगरों का दावा था कि यह तकनीक ऐतिहासिक संरचनाओं को लंबे समय तक मजबूती प्रदान करती है।

बताया जाता है कि महाकाल द्वार ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है और इसे मध्यकालीन काल से रामघाट और महाकाल मंदिर के बीच संपर्क मार्ग के रूप में उपयोग किया जाता रहा है। द्वार के गिरने के बाद अब निर्माण गुणवत्ता, आसपास चल रही खुदाई और जमीन की स्थिति को लेकर जांच की जा रही है।

महाकाल द्वार परिसर में एक मेहराबदार प्रवेश द्वार, पत्थर की सीढ़ियां, मंदिर से प्राप्त नक्काशीदार पत्थरों के अवशेष और एक पुराना मार्ग मौजूद है। सदियों से इस द्वार का उपयोग स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों द्वारा रामघाट को श्री महाकालेश्वर मंदिर से जोड़ने वाले मार्ग के रूप में किया जाता रहा है। इसकी स्थापत्य विशेषताओं से पता चलता है कि मध्ययुग में दिल्ली के तीसरे सुल्तान द्वारा किए गए विनाश के बाद इस स्थल का अलग-अलग कालखंडों में जीर्णोद्धार हुआ।

मोबाइल टावर लगाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ठग दीपक कुमार (33) निवासी सुनाम जिला संगरूर (पंजाब) को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया पर मोबाइल टावर लगाने के आकर्षक विज्ञापन डालता था। संपर्क करने वाले लोगों से उनकी व्यक्तिगत जानकारी लेकर टावर लगाने की प्रक्रिया शुरू करने का झांसा देता। विश्वास में लेने के लिए ए.आई. तकनीक से उनकी डिटेल एडिट कर उनके नाम से बैंक चेक, एनओसी और अन्य दस्तावेज तैयार कर भेजता था। इसके बाद टावर लगाने के एवज में मोटा किराया मिलने का लालच देकर पीड़ितों से रकम दूसरे लोगों के बैंक खातों में जमा करवाता था।रकम जमा होने के बाद वह खुद एटीएम बूथ पहुंचकर नकाब पहनकर पैसे निकाल लेता था।

निर्माधाधीन बिल्डिंग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जयपुरिया अस्पताल की मॉर्च्युरी भिजवाया गया। शनिवार दोपहर पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार गौरव सीतापुरा स्थित एक आईटी कंपनी में नौकरी करता था। वह अपनी मां के साथ रहता था। उसके पिता अरुण शर्मा की पहले ही मौत हो चुकी है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि गौरव किसी तरह की परेशानी में नहीं था। मौके से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला। पुलिस अब गौरव के मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) खंगाल रही है। इसके आधार पर आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

लंदन जा रही फ्लाइट की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिक समय तक चक्कर लगाया।

जिसके बाद कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिग कराई गई। इस घटना के संबंध में एयरलाइन वर्जिन अटलांटिक की ओर से बयान का इंतजार है।

हवाई अड्डे के अधिकारी तकनीकी खराबी के सटीक वजहों को पता करने में लगे हैं।

जेएनयू के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पकड़ लिया है। अब कई अन्य वरिष्ठ (सीनियर) छात्रों ने भी आगे आकर हिम्मत जुटाई है और प्रोफेसर के खिलाफ ठीक इसी तरह के आरोप लगाते हुए अपनी आधिकारिक शिकायतें समिति को दी हैं। कैंपस में मचे इस भारी बवाल और गंभीर आरोपों के बावजूद, अभी तक किसी भी छात्र की ओर से पुलिस में कोई औपचारिक शिकायत या एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है। छात्र फिलहाल विश्वविद्यालय की आंतरिक जांच प्रणाली की कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं। दूसरी ओर, इस बेहद संवेदनशील और बड़े मामले पर जेएनयू प्रशासन ने चुप्पी साधी हुई है।

भू-स्खलन से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संभावित नुकसान का विस्तृत जायजा लिया जा रहा है। चुंगथांग पुलिस और थेंग चेकपोस्ट की टीमें मौके पर लगातार निगरानी कर रही हैं। सांकालांग ओपी और फिदांग ओपी में भी फिलहाल नदी का जलस्तर सामान्य बताया गया है, हालांकि पानी मटमैला है। दोनों स्थानों पर पुलिस और संबंधित कर्मियों को जलस्तर में किसी भी असामान्य बदलाव की तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

दलित, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों को 25 प्रतिशत आरक्षण दें- सिद्धारमैया

कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग महासंघ के सिल्वर जुबली कार्यक्रम में उन्होंने जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करने की मांग की

बेंगलुरु, 06 सितंबर। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने जाति जनगणना लागू करने और दलितों, पिछड़े समुदायों और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आबादी के आधार पर समान अवसर मिले बिना बराबरी वाला समाज नहीं बनाया जा सकता। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग महासंघ के सिल्वर जुबली समारोह में बोलते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट को लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर समुदाय की आबादी के हिसाब से आरक्षण दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब सभी को उनकी जाति और आबादी के हिसाब से आरक्षण मिलेगा, तभी एक बराबरी वाला समाज बन पाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक बराबरी पाने के लिए लोकसभा और विधानसभा में भी जाति और आबादी के आधार पर ऐसा ही आरक्षण ज़रूरी है। सिद्धारमैया ने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर उनके पिछले कार्यकाल में हुए जाति सर्वे को लागू किया जाना चाहिए।

■ कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राजनीतिक बराबरी पाने के लिए लोकसभा और विधानसभा में भी जाति और आबादी के आधार पर ऐसा ही आरक्षण जरूरी है।

सिद्धारमैया ने कहा कि अभी कोर्ट के आदेश की वजह से इस रिपोर्ट को लागू करने या सार्वजनिक करने से रोका गया है।

सिद्धारमैया ने कहा कि यह सर्वे ज़रूरी था क्योंकि पिछड़े समुदायों की आबादी के बारे में कोई सही आंकड़े नहीं थे। उन्होंने याद दिलाया कि 2013 में मुख्यमंत्री बनने पर उन्होंने सर्वे का आदेश दिया था, लेकिन उनके कार्यकाल में रिपोर्ट पूरी नहीं हो पाई थी।

सिद्धारमैया ने कहा कि जाति व्यवस्था के ख़िलाफ़ संघर्ष तब तक जारी रहना चाहिए जब तक बराबरी और समान अवसर न मिल जाएं। उन्होंने कहा, ''जब तक समाज में जाति व्यवस्था है, जब तक बराबरी वाला समाज नहीं बनता और जब तक सभी को समान अवसर नहीं मिलते, तब तक संघर्ष जारी रहना चाहिए।''

राहुल गांधी ने बिहार छात्र आंदोलन में घायल युवकों से मुलाकात की

नई दिल्ली, 06 सितंबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई में घायल हुए युवाओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इन छात्रों ने सिर्फ शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही मांगी थी, लेकिन उनके साथ गोलीबारी कर दी गई।राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में वे अपने आवास पर बिहार के तीन घायल छात्रों से बातचीत करते दिख रहे हैं। इन छात्रों के नाम मोहम्मद आरिफ, बुलेट कुमार गौड़ और आकाश कुमार हैं। इनमें से बुलेट कुमार गौड़ के पैर में गोली लगी है और वह बैसाखी के सहारे चल रहा है। दो अन्य छात्रों के कंधे में गोली लगी है। राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा, सोचिए, ऐसा क्या गुनाह किया था इन बच्चों ने कि इन्हें गोली मार दी गई? इन्होंने सरकार से सिर्फ तीन चीजें, शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही मांगी थी।एक छात्र के पैर की हड्डी एके-47 की गोली से टूट गई। सेना में जाकर देश की सेवा करने का उसका सपना भी उसी के साथ चला गया। दो और छात्रों के कंधों को गोली चीरती हुई निकल गई। ये अपराधी नहीं थे।

जेल में स्लो पॉइज़न दिया, जिससे मुझे कैंसर हो गया- संजय राउत

मुंबई, 06 सितंबर। पात्रा चॉल मनी लॉन्डरिंग मामले में आर्थर रोड जेल में 101 दिन बिताने वाले शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद ही उन्हें कैंसर का पता चला। उन्हें शक है कि उनके कैंसर की जड़ें जेल में दिए गए स्लो पॉइज़निंग (धीरे-धीरे जहर देने) में हो सकती हैं। संजय राउत ने बताया कि कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी ने उनकी सेहत के बारे में पूछा और उन्हें टॉक्सीकॉलजी टेस्ट करवाने की सलाह दी थी। संजय राउत का दावा है कि राहुल गांधी ने उनसे यह भी कहा कि हम जैसे लोगों के साथ जेल में कुछ भी हो सकता है और इस शक का समर्थन किया कि उन्हें किसी तरह का जहर दिया गया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908

खेल जगत

10 अक्टूबर से शुरू होने वाला आगामी आईएसएल सत्र भारतीय फुटबॉल के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होगा। यह पहली बार देश की घरेलू फुटबॉल व्यवस्था में क्लबों के नेतृत्व वाली नयी संरचना की ओर बदलाव का संकेत देगा।

- जॉन अब्राहम

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के मालिक, आगामी इंडियन सुपर लीग को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

माइक हेसन

पाकिस्तान क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में लगातार दो हार के बाद मुश्किल दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में टीम में किए गए बड़े बदलावों को लेकर अंतरिम लाल गेंद कोच माइक हेसन ने अपनी स्थिति साफ कर दी है। हेसन ने कहा कि मोहम्मद रिजवान, सलमान अली आगा और इमाम-उल-हक को टीम से बाहर करने के फैसले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी, क्योंकि जब उन्हें जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा गया, तब तक ये तीनों खिलाड़ी टीम छोड़कर स्वदेश लौट चुके थे। इसके अलावा मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया।

क्या आप जानते हैं ?... इतिहास में पहली बार भारत ने एशियन गेम्स में 100 से ज्यादा पदक जीते और पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया।

भारत ने मलेशिया को 11-1 से हराया, जूनियर एशिया कप में लगातार दूसरी जीत

मोकी (चीन), 6 सितंबर। भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप-2026 में अपने शानदार अभियान को जारी रखते हुए रविवार को एलीट पूल के दूसरे मुकाबले में मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम अब 8 सितंबर को अपने तीसरे पूल मुकाबले में जापान का सामना करेगी।

दो बार की चैंपियन और मौजूदा विजेता भारतीय टीम ने अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराने के बाद इस मैच में और अधिक आत्मविश्वास तथा बेहतर तालमेल का प्रदर्शन किया। भारत की ओर से सात अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच में तेज आक्रमण किया तथा पेनल्टी कॉर्नर का भी प्रभावी इस्तेमाल किया।

भारत ने मैच के पहले ही मिनट में खाता खोला। पूजा साहू ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। चौथे मिनट में पूर्णिमा यादव ने गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद आठवें मिनट में बिनीमा धान ने गोल किया, जबकि 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने भारत की बढ़त 4-0 कर दी।

दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा कायम रहा। 17वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद 21वें मिनट में सुखवीर कौर और 28वें मिनट में गीता यादव ने गोल किए। हाफ टाइम तक भारत 7-0 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में मलेशिया को 38वें मिनट में नूर मोहम्मद ने एकमात्र गोल दिलाया। हालांकि, यह गोल भारतीय टीम की लय को प्रभावित नहीं कर सका। 42वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे पूजा साहू ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर अपना दूसरा गोल पूरा किया। इसके अगले ही मिनट में सानिका चंद्रकांत माने ने गोल कर भारत की बढ़त 9-1 कर दी।

अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा। 53वें मिनट में गीता यादव ने अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में सानिका ने एक और गोल दागकर भारत की जीत का अंतर 11-1 कर दिया।

इस जीत के साथ भारत ने अपने दोनों मैच जीतकर छह अंक हासिल कर लिए हैं और एलीट पूल की अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। चीन और जापान तीन-तीन अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। गोल अंतर के आधार पर दोनों की स्थिति तय हुई है। दक्षिण कोरिया और मलेशिया दो-दो हार के बाद क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

7 महीने प्रेगनेंट कराटे खिलाड़ी ने गोल्ड जीताःचेन्नई की वी अनिता ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 6 सितंबर। चेन्नई की वी अनीता ने 7 महीने की प्रेग्नेंसी के दौरान ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। रामापुरम की रहने वाली 30 साल अनिता ने इंडिविजुअल कराटे प्रतियोगिता में यह उपलब्धि हासिल की। एलन तिलक कराटे स्कूल की ओर से 29 और 30 अगस्त को केरल के वडकारा में आयोजित इस दो दिवसीय नेशनल चैंपियनशिप में 1,500 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इसमें केरल ओवरऑल चैंपियन बना। वहीं तमिलनाडु की टीम दूसरे स्थान पर रही। अनिता ने तीसरी क्लास से कराटे सीखना शुरू किया था। 10वीं में पहुंचने पर परिवार ने इसे जारी रखने का विरोध किया था, लेकिन अनिता ट्रेनिंग जारी रखी। उन्होंने बीकॉम की पढ़ाई पूरी कर एल एंड टी जैसे बड़ी कंपनी में नौकरी की। हालांकि कराटे के लिए उनका जुनून कम नहीं हुआ। आखिरकार उन्होंने कॉरपोरेट करियर छोड़ कराटे को ही अपना प्रोफेशन बना लिया।

जूनियर एशिया कपः जापान के खिलाफ अनमोल एक्का के गोल से, भारत ने 3-3 से ड्रा खेला

नई दिल्ली, 6 सितंबर। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां जूनियर एशिया कप के पूल ए के अपने दूसरे मुकाबले में शानदार जुझारूपन दिखाते हुए जापान के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला। इंडोनेशिया के खिलाफ पहले पूल मैच में 14-0 की बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम ने चौथे मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए बढ़त हासिल की। फाउल के बाद मिले इस मौके को कप्तान अनमोल एक्का ने गोल में बदलकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया।

भारत ने दबाव बनाए रखा और 10वें मिनट में आशु मौर्य ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। जापान ने तुरंत जवाबी हमला करते हुए 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। रयूशिन सासाकी ने इस मौके को गोल में बदलकर अंतर 2-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल जारी रखा। भारत बढ़त बढ़ाने की कोशिश कर रहा था जबकि जापान बराबरी की तलाश में था।

हाफटाइम तक भारत 2-1 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में भी यही सिलसिला जारी रहा। दोनों टीमें नियंत्रण हासिल करने के लिए संघर्ष करती रहीं। जापान ने कुछ अच्छे मौके बनाए और पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया, लेकिन उसे गोल में नहीं बदल सका। भारतीय डिफेंस ने अपनी मामूली बढ़त बरकरार रखी। अंतिम क्वार्टर में जापान ने बराबरी के लिए दबाव बढ़ा दिया। उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला और दोबारा दिए गए पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान काजुकी नाकानिशी ने 48वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया।

जापान ने मैच के आखिरी पांच मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। भारत ने शुरुआती प्रयास का अच्छी तरह बचाव किया, लेकिन गेंद गोल पोस्ट से दूर नहीं कर सका, जिससे जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। इस बार जापान का फ्लिक निशाने से बाहर चला गया। जापान ने इसके बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। नाकानिशी ने 59वें मिनट में फिर गोल करते हुए जापान को 3-2 की बढ़त दिला दी। बराबरी की तलाश में भारत ने गोलकीपर को बाहर कर अतिरिक्त खिलाड़ी उतारा। उसकी कोशिशों का फल मिला और मैच में सिर्फ 59 सेकंड बाकी रहते भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। अनमोल एक बार फिर आगे आए और इस मौके को गोल में बदलकर स्कोर 3-3 कर दिया। भारत अब पूल ए के अपने तीसरे मुकाबले में मंगलवार को कोरिया का सामना करेगा।

पूरन-नरेन के दम पर टीकेआर की जीत, प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

बारबाडोस, 6 सितंबर। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के 27वें मुकाबले में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने बारबाडोस ट्राइडेंट्स को 35 रन से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। केंसिंग्टन ओवल में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए टीकेआर ने कप्तान निकोलस पूरन की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में ट्राइडेंट्स की पूरी टीम 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई।

मुकाबले में बारबाडोस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की शानदार पारी खेली। सलामी बल्लेबाज कॉलिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। कीरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन का योगदान दिया।

बारबाडोस की ओर से गुडाकेश मोती ने 3 विकेट लिए, जबकि मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट हासिल किया।

148 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की शुरुआत बेहद खराब रही। तीसरे ओवर में लगातार गेंदों पर ब्रैंडन किंग 16 रन और क्विंटन डी कॉक बिना खाता खोले आउट हो गए इसके बाद रिवाल्डो क्लार्क भी खाता नहीं खोल सके। कप्तान क्रिस ग्रीन 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पावरप्ले के भीतर ही बारबाडोस का स्कोर 35 रन पर 4 विकेट हो गया।

इसके बाद भी विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा और बारबाडोस की पूरी टीम 18.3 ओवर में 112 रन पर ऑलआउट हो गई। जैकरी कार्टर और शेरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। डेनियल सैम्स ने दो छक्कों की मदद से 14 गेंदों पर 17 रन बनाए, जबकि सद्रैक डेसकार्टेस ने 16 रन का योगदान दिया।

ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की जीत में सुनील नरेन और जेड गूली की गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई। सुनील नरेन ने 3.3 ओवर में सिर्फ 12 रन देकर 4 विकेट चटकाए। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जेड गूली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट हासिल किया।

दलीप ट्रॉफी फाइनल : ईशान किशन की शतकीय पारी से मजबूत स्थिति में ईस्ट जोन

चेन्नई, 6 सितंबर। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी-2026 के फाइनल मुकाबले के पहले दिन ईस्ट जोन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए साउथ जोन के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

दिन का खेल समाप्त होने तक ईस्ट जोन ने चार विकेट पर 385 रन बना लिए हैं। कप्तान एवं स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन 111 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि कुमार कुशाग्र 63 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं।

फाइनल में टॉस जीतकर ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। टीम ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने तेजतर्रार पारी खेलते हुए 37 गेंदों पर 44 रन बनाए, हालांकि वह अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके। इसके बाद अभिमन्यु ईश्वरन ने मोर्चा संभाला और 86 गेंदों पर 72 रनों की उपयोगी पारी खेली। ईस्ट जोन के बल्लेबाजों ने साउथ जोन के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा।

शिखर मोहन ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 85 रन बनाए। उन्होंने कप्तान ईशान किशन के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। शिखर के आउट होने तक ईस्ट जोन का स्कोर 241 रन तक पहुंच चुका था। इसके बाद कप्तान ईशान किशन और कुमार कुशाग्र ने टीम को बड़े स्कोर की ओर तेजी से आगे बढ़ाया। कुशाग्र ने शानदार अर्धशतक जड़ते हुए टीम को 350 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

ईशान किशन ने कप्तानी पारी खेलते हुए शानदार शतक पूरा किया। उन्होंने 122 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने 4,000 रन भी पूरे कर लिए। किशन की आक्रामक और आत्मविश्वास से भरी पारी ने ईस्ट जोन को फाइनल के पहले ही दिन मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। पहले दिन का खेल पूरी तरह ईस्ट जोन के नाम रहा। टीम के बल्लेबाजों ने साउथ जोन के गेंदबाजों को पूरे दिन दबाव में रखा।

33वें मथुरादास माथुर अवार्डः अशोक, कुशाग्र और शिफान खान हुए सम्मानित

भारतीय टेस्ट टीम में पदार्पण करने वाले मानव सुथार को मिला विशेष पुरस्कार

जयपुर, 6 सितंबर। राजस्थान के प्रतिष्ठित 33वें मथुरादास माथुर अवार्ड में शानदार प्रदर्शन के लिए सीनियर वर्ग में अशोक शर्मा, जूनियर में कुशाग्र ओझा और सब-जूनियर वर्ग में शिफान खान को सम्मानित किया गया है। राजस्थान ब्लूज क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित इस समारोह में भारतीय टेस्ट टीम में पदार्पण करने वाले मानव सुथार को विशेष पुरस्कार से नवाजा गया। सीनियर विजेता अशोक को 15 हजार रुपये तथा जूनियर विजेता कुशाग्र व सब-जूनियर विजेता शिफान को साढ़े सात हजार रुपये नकद, किट बैग, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 10 मैचों में 22 विकेट चटकाकर यह सम्मान हासिल किया। वहीं, बाएं हाथ के बल्लेबाज कुशाग्र ओझा ने कूच बिहार ट्रॉफी के 7 मैचों में 565 रन और शिफान खान ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी के 3 मैचों में 241 रन बनाकर यह अवार्ड अपने नाम किया। समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और क्लब के अध्यक्ष विनोद माथुर ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

45वीं नॉर्थ जोन शॉटगन शूटिंग चैम्पियनशिप 2026

डबल ट्रैप इवेंट में राजस्थान के खिलाड़ियों ने मारी बाजी

जयपुर, 6 सितंबर। जगतपुरा स्थित ओएसिस शूटिंग रेंज पर आयोजित 45वीं नॉर्थ जोन शॉटगन शूटिंग चैम्पियनशिप 2026 के तहत आज दिनांक 06-09-2026 को शॉटगन डबल ट्रैप इवेंट के प्रथम एवं द्वितीय राउंड सफलतापूर्वक संपन्न हुए। द्वितीय राउंड के समापन के पश्चात पदक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में राजस्थान राइफल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष गिरधर प्रताप सिंह, एन.आर.ए.आई. जूरी पी.एस. सोढ़ी एवं अन्य ऑफिशियल टीम के साथ अजय सिंह की विशेष भूमिका रही। गिरधर प्रताप सिंह द्वारा विजेता खिलाड़ियों को मेडल वितरित कर उनका हौसला बढ़ाया गया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। उल्लेखनीय है कि डबल ट्रैप वही ऐतिहासिक इवेंट है जिसमें राजस्थान के गौरव कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने ओलंपिक में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया था। कल से स्कीट शूटिंग प्रतियोगिता की ऑफिशियल ट्रेनिंग प्रारंभ होगी।

सात्विक-चिराग ने पहली बार चाइना मास्टर्स का खिताब जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, 6 सितंबर। भारतीय बैडमिंटन की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने रविवार को इतिहास रचते हुए चाइना मास्टर्स-2026 का पुरुष युगल खिताब अपने नाम कर लिया।

चीन के शेन्जेन एरिना में खेले गए फाइनल में भारतीय जोड़ी ने चीन की हे जी टिंग और रेन जियांग यू की जोड़ी को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी।

भारतीय जोड़ी ने पहली बार यह खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले 2023 और 2025 में इस टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन दोनों मौकों पर उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा था। इस बार भारतीय जोड़ी ने फाइनल की बाधा पार करते हुए पहली बार चाइना मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया।

मुकाबले में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने धीमी शुरुआत के बाद शानदार वापसी की और निर्णायक गेम में बेहतरीन संयम दिखाते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। करीब 70 मिनट तक चले मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने चीन की जोड़ी की चुनौती का डटकर सामना किया।

पहले गेम में हे जी टिंग और रेन जियांग यू ने आक्रामक शुरुआत की। चीनी जोड़ी ने अपनी तेज गति और सटीक शॉट्स के दम पर भारतीय खिलाड़ियों पर लगातार दबाव बनाए रखा। सात्विक और चिराग अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते नजर आए और पहला गेम 11-21 से गंवा बैठे। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी की। सात्विक और चिराग ने आक्रामक खेल के साथ अपने डिफेंस को भी बेहतर किया और दूसरा गेम 21-13 से जीतकर मुकाबले को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। मुकाबला 17-17 की बराबरी पर पहुंचने के बाद भारतीय जोड़ी ने दबाव के क्षणों में शानदार संयम दिखाया। सात्विक और चिराग ने लगातार महत्वपूर्ण प्वाइंट हासिल करते हुए निर्णायक गेम 21-17 से अपने नाम किया और खिताब जीत लिया। यह 2026 सत्र में सात्विक और चिराग का दूसरा खिताब है। इससे पहले भारतीय जोड़ी ने सिंगापुर ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने सोशल मीडिया एक्स पर दोनों खिलाड़ियों की जीत पर खुशी जताते हुए लिखा, सात्विक-चिराग के लिए ऐतिहासिक जीत। दोनों ने शानदार वापसी करते हुए अपना पहला चाइना मास्टर्स खिताब जीता।

एजबेस्टन टेस्ट से पहले पाकिस्तान टीम में नया विवादः पीसीबी ने खिलाड़ियों के फोन कस्टडी में लिए

नई दिल्ली, 6 सितंबर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम से जुड़ा एक नया विवाद सामने आया है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कुछ खिलाड़ियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। टेस्ट मैच खत्म होने तक ये फोन बोर्ड के कब्जे में ही रहेंगे। पीसीबी ने अभी तक यह नहीं बताया है कि किन खिलाड़ियों के फोन लिए गए हैं और इस कार्रवाई की वजह क्या है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब पाकिस्तान टीम पहले दो टेस्ट हारकर सीरीज में 0-2 से पीछे है और पीसीबी ने टीम में बड़े बदलाव किए हैं। फोन कस्टडी में लिए जाने की खबर के बाद सोशल मीडिया और क्रिकेट जगत में इसके पीछे की वजह और संभावित जांच को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, अभी तक पीसीबी या आईसीसी ने इसे मैच फिक्सिंग या भ्रष्टाचार की जांच नहीं बताया है।

आईसीसी नियमों में मैच के दौरान फोन पर पाबंदी: आईसीसी के नियमों के तहत इंटरनेशनल मैच के दौरान खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को ड्रेसिंग रूम समेत निर्धारित प्रतिबंधित क्षेत्रों में मोबाइल फोन या दूसरे कम्युनिकेशन डिवाइस रखने या इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होती। खिलाड़ियों को ऐसे क्षेत्रों में प्रवेश से पहले अपने डिवाइस सुरक्षित जगह पर जमा कराने होते हैं।

भारतीय वूशू संघ की एक्जीक्यूटिव मीटिंग मेरठ में संपन्न

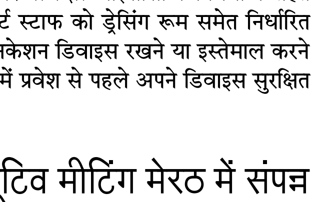

जयपुर, 06 सितंबर। भारतीय वूशू संघ के चेयरमैन भूपेंद्र सिंह बाजवा की अध्यक्षता में आज मेरठ में होटल गॉडविन में भारतीय वूशू संघ की मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें आगामी भारतीय वूशू संघ के चुनाव को लेकर चर्चा हुई। मीटिंग मै आगामी नेशनल चैंपियनशिप का भी स्थान और डेट निर्धारित की गई। नेशनल इटानगर अरुणाचल प्रदेश में 9 दिसंबर से 14 दिसंबर तक, जूनियर नेशनल चेन्नई में 28 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक, सब जूनियर 18 से 23 दिसंबर भुनेश्वर उड़ीसा में आयोजित किए जायेंगे। भारतीय वूशू संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह बाजवा के अनुसार 2027 में कॉमनवेल्थ वूशू चैंपियनशिप अहमदाबाद में, सीनियर एशियन वूशू चैंपियनशिप 2028 में इंडिया में आयोजित होगी। भारतीय वूशू संघ के चेयरमैन भूपेंद्र सिंह बाजवा ने सभी एक्जीक्यूटिव मेंबर्स का आभार व्यक्त किया।

आरपीसी कप टूर्नामेंट (04 गोल्स) का फाइनल आज

फाइनल के लिए नाइट पोलो में आज आमने-सामने होंगी टीम जयपुर और टीम रामबाग/मेफेयर

जयपुर, 6 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत सोमवार शाम 7.30 बजे को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर आरपीसी कप टूर्नामेंट (04 गोल्स) का फाइनल खेला जाएगा। यह मुकाबला फ्लडलाइट्स की रोशनी में टीम जयपुर और टीम रामबाग/मेफेयर पोलो के बीच होगा। टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, विश्वराज सिंह राठौड़, अक्षय मलिक और कुलदीप सिंह राठौड़ खेलेंगे। वहीं, टीम रामबाग/मेफेयर पोलो की ओर से अनय शाह, सिद्धांत सिंह, प्रताप सिंह कानोता और हुर्र अली खेलेंगे।

स्नेहा लांबा एकल चैम्पियन : भानू और काव्या को मिश्रित युगल खिताब

भीलवाड़ा, 6 सितंबर। मेजबान राजस्थान की स्नेहा लांबा ने रविवार को सम्पन्न हुई नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैम्पियनषिप में अंडर-19 लड़कियों का एकल खिताब जीत लिया। अंडर-19 वर्ग के मिश्रित युगल में राजस्थान के भानू प्रताप सिंह और काव्या स्वामी की जोड़ी चैम्पियन बनी। लड़कियां के एकल में स्नेहा लांबा ने पंजाब की मेहविष कौर के खिलाफ पहला गेम 12-15 से हारने के बाद अगले दोनो गेम 15-7, 15-4 से जीतकर राजस्थान का स्वर्ण पदक का सपना पूरा कर दिया। मिश्रित युगल के फाइनल में भानू प्रताप और काव्या स्वामी को भी तीन गेमो तक संघर्ष करना पड़ा। खिताबी भिड़त में भानू प्रताप और काव्या स्वामी ने हरियाणा की चेतन्य और अनाया की जोडी को 15-13, 11-15 और 15-12 से षिकस्त दी।

पुरूष एकल के फाइनल में पंजाब के जगषेर सिंह ने दिल्ली के मधुर ढिंगरा को 17-15, 6-15, 15-11 से और महिला एकल में पंजाब की मेहविष कौर ने दिल्ली की दियानका वादिआ को 15-8, 8-15, 15-5 से षिकस्त दी। महिला युगल के फाइनल में हरियाणा की निषु मलिक और तनु मलिक की जोडी ने चंडीगढ़ की आंचल और तान्या खत्री को 15-13, 15-7 से पराजित किया। मिश्रित युगल में दिल्ली के दिव्यांष रावत और दियानका वादिआ की जोडी हरियाणा के अंकित मलिक और षिवानी संतोष से वॉक ऑवर मिलने के कारण विजेता बनी। लड़को के एकल में पंजाब के विरेन सेठ ने चंडीगढ के गुरतेज सिंह को 15-11, 14-16, 15-10 से हराकर खिताब जीता। अंडर-19 लड़कियों के वर्ग में आदया तिवारी और श्रेया त्रिपाठी ने पंजाब की सिजा और समायरा अरोरा पर 17-15, 11-15, 15-12 से खिताबी जीत दर्ज की। अंडर-19 लडको के युगल में पंजाब के विरेन सेठ और आदित्य शर्मा को हरियाणा के पार्थ गावरी स्पर्ष सूद के खिलाफ वॉक ओवर मिला।

समापन समारोह के मुख्य अतिथी संगम ग्रुप के चैयरमेन एवं फाउण्डर रामपाल सोनी थे। समारोह में मौजूद सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों को पदक पहनाये। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिंदल सा लि. के अध्यक्ष व यूनिट हैड डॉ धर्मेंद्र गुप्ता ने की। भारतीय बैडमिंटन के संयुक्त सचिव राज्य बैडमिंटन संघ के सचिव के.के. शर्मा, आयोजन सचिव अभिषेक शर्मा, निषांत मेवाड़ा, रितेष, दारासिंह, भूपेन्द्र सिंह पंवार, जे.पी. भट्ट, जाकिर हुसैन, हीरालाल, संदीप आनंद, मुकेष गर्ग, राजेष भदादा, लोकेष सोनी थे। विनीत शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

आरयूएफसी ने प्रांजल भूमिज को रिटेन किया

जयपुर, 6 सितंबर। राजस्थान यूनाइटेड एफसी को 2026-27 सीज़न के लिए प्रांजल भूमिज को रिटेन करने की घोषणा अभियान से पहले अपनी टीम को मजबूत करना जारी रखेगा। असम में जन्मे विंगर ने 2025-26 सीज़न के दौरान टीम के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान दिया था, और फ़्लैंक पर अपने प्रदर्शन के माध्यम से उल्लेखनीय प्रभाव डाला था। उनकी गति, आक्रमण क्षमता, कार्य दर और प्रतिबद्धता ने टीम को अंतिम चौथे में एक अतिरिक्त आयाम प्रदान किया और उन्हें टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना दिया।

पिछले सीज़न में उनके प्रभावशाली योगदान के बाद, क्लब ने प्रांजल पर अपना भरोसा जारी रखा है क्योंकि वह डेजर्ट वॉरियर्स के साथ एक और अभियान में प्रवेश कर रहे हैं। वह 2026-27 सीज़न के लिए 19 नंबर की जर्सी पहनेंगे।

अजमेर को पेनल्टी शूटआउट में हराकर जयपुर फाइनल में

चूरू, 6 सितम्बर। राजस्थान राज्य सब-जूनियर बालक फुटबॉल चैम्पियनशिप में जयपुर जिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जयपुर ने कोटा को हराया। इस मुकाबले में रुद्रांश राठौड़ ने स्वस्तिक शर्मा के शानदार पिन-पॉइंट क्रॉस को गोल में तब्दील कर टीम को महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई।

सेमीफाइनल में जयपुर का सामना मजबूत अजमेर जिला टीम से हुआ। कड़े मुकाबले में निर्धारित समय तक स्कोर 0-0 रहा। पेनल्टी शूटआउट में गीतांश बेनीवाल, आराध्य बैराठी और स्वस्तिक शर्मा ने अपनी पेनल्टी को गोल में बदला। मुकाबला सडन डेथ तक पहुंचा, जहां रुद्रांश राठौड़ ने निर्णायक पेनल्टी गोल कर जयपुर को फाइनल में पहुंचाया।

जीत में मुख्य प्रशिक्षक हर्ष चौधरी के अंतिम क्षण में गोलकीपर बदलने के रणनीतिक फैसले ने अहम भूमिका निभाई। नव्या मित्तल ने लगातार तीन शानदार सेव कर टीम को जीत दिलाई और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

युवा हृदय सम्राट, जन नेता
राजनीति के चमकते सितारे
आदरणीय
सचिन पायलट जी
को जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं
7 SEPTEMBER 2026
महेश शर्मा
Ex. राज्य मंत्री, राज सरकार
राजेश चौधरी
महासचिव प्रदेश कांग्रेस
सुनील पारवानी
महासचिव राज. प्रदेश कांग्रेस कमेटी
मो. इकबाल
सचिव PCC, Ex. VP RCA
श्रीमती मंजू शर्मा
पूर्व उपाध्यक्षा विप्र कल्याण बोर्ड
गिरीश पारीक
महासचिव प्रदेश कांगेस
CA दिनेश श्रीमाली
सचिव राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, अध्यक्ष राजस्थान पावर लिफ्टिंग संघ
प्रभु चौधरी
चैयरमैन, प्रभुजी डेयरी ग्रुप
गोविन्द मेहंसरिया
Ex. सभापति, न.प. चूरू
गजेन्द्र सिंह सांखला
एक्स सचिव पीसीसी
शमशेर खोकर
पूर्व रणजी खिलाडी
मौ. शरीफ खान
PCC सदस्य
नरेन्द्र यादव
सदस्य पं.स. गोविन्दगढ
रामदयाल वर्मा
सरपंच कलवाडा
हंसराज चौधरी (गाता)
यूवा नेता, टोंक
एम. अकबर खान
(एडवोकेट), पूर्व उपाध्यक्ष,
राजस्थान हाईकोर्ट, जयपुर.
हरीराम सूद
सचिव यूथ कांग्रेस राज.
बंशी मीणा
सदस्य PCC
गौगराज देवन्दा
(पंचायत समिति सदस्य, गोबिंदगढ़, चौमू)
अभिषेक सैनी
(प्रदेश कांग्रेस कमेटी OBC विभाग)
श्रीमती टीना शर्मा
(महासचिव, राजस्थान महिला कांग्रेस)
गजानन्द शर्मा
पूर्व पार्शद, न.नि. बीकानेर
रोशन शर्मा
Ex. सचिव DCC, जयपुर शहर
जितेन्द्र टॉक
एक्स पीसीसी सेक्रेटरी
विक्रम सिंह शेखावत चूरू
पूर्व सदस्य राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी
शुभेच्छुक: समस्त कांग्रेस परिवार